आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

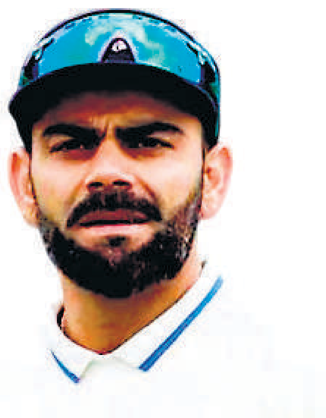

वर्ष : 02, अंक : 36 | रांची, बुधवार, 15 जनवरी 2025 (माघ कृष्ण 02, संवत 2081), पृष्ठ : 12, मूल्य : 3 रुपये | email: jharkhandwanitaudyog@gmail.com

18 घंटे में साढ़े तीन करोड़ लोगों ने किया अमृत स्नान

एजेंसियां

प्रयागराज। महाकुंभ में मकर संक्रांति के अवसर पर पहले शाही स्नान के दौरान संतों समेत 3.50 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखाड़ों, मेला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन, पुलिस, स्वच्छताकर्मियों, स्वयंसेवी संगठनों एवं धार्मिक संस्थाओं, नाविकों तथा महाकुंभ से जुड़े केंद्र व प्रदेश सरकार के सभी विभागों का साधुवाद करने के साथ प्रदेशवासियों को बधाई दी है।

सीएम ने सोशल मीडिया पर मंगलवार शाम को अपने संदेश में कहा कि आस्था, समता और एकता के महासमागम 'महाकुंभ-2025, प्रयागराज' में पावन 'मकर संक्रांति' के शुभ अवसर पर पवित्र संगम में आस्था की पवित्र डुबकी लगाने वाले सभी पूज्य संतगणों, कल्पवासियों व श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन। प्रथम अमृत स्नान पर्व पर आज 3.50 करोड़ से अधिक पूज्य संतों एवं श्रद्धालुओं ने अविरल-निर्मल त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ अर्जित किया है। वहीं दूसरी ओर सीएम योगी मंगलवार को गोरखपुर से महाकुंभ के बारे में पल-पल की जानकारी लेते रहे। उनके निर्देश पर डीजीपी प्रशांत कुमार और प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद समेत तमाम अधिकारी भी मेले की व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रहे।

श्रद्धालुओं को भी नहीं होगी कोई दिक्कत : डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक के जरिए देर रात से ही भीड़ नियंत्रण की मॉनीटरिंग हो रही है। रात में थर्मल इमेजिंग के हिसाब से क्राउड कंट्रोल किया गया, तो दिन में टीथर्ड ड्रोन व सीसीटीवी से ट्रैफिक को मॉनिटर कर रहे हैं। घाटों की लंबाई अधिक होने के कारण संगम नोज पर इस बार अधिक दबाव नहीं है। पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं के साथ संवेदनशीलता के साथ व्यवहार कर रहे हैं।

शेष पेज 08 पर

महानिर्वाणी और अटल अखाड़े ने किया सबसे पहला अमृत स्नान

प्रयागराज। मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान की शुरुआत श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी और श्री शंभू पंचायती अटल अखाड़े ने की। दोनों अखाड़े सुबह 5:15 बजे अपने कैंप से निकले और 6:15 बजे घाट पर पहुंचे। उन्होंने 40 मिनट तक स्नान किया और 6:55 बजे अपने शिविरों की ओर लौट गए।

बना नया विश्व रिकॉर्ड

मुख्यमंत्री योगी ने दी बधाई

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर महाकुम्भ 2025 में गंगा स्नान करने वालों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर एक भावपूर्ण पोस्ट के जरिए आस्था, समता और एकता के इस महासमागम में शामिल पूज्य संतों, कल्पवासियों और श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया।

संक्षिप्त खबरें

निधि खरे को नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का मिला अतिरिक्त प्रभार

रांची। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे को नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय ने मंगलवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की। निधि खरे, झारखंड कैडर की 1992 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। वे पहले झारखंड में स्वास्थ्य, कार्मिक प्रशासनिक और वाणिज्यकर विभाग की प्रधान सचिव के रूप में कार्य कर चुकी हैं। उनकी गिनती तेज तर्रार अधिकारियों में होती है। शेष पेज 08 पर

क्रैश हुआ अडानी का 'दृष्टि 10 स्टारलाइनर' ड्रोन

- नेवी को सौंपने से पहले किया जा रहा था परीक्षण

नई दिल्ली। गुजरात के पोरबंदर तट पर भारतीय नौसेना के लिए तैयार किए जा रहे दृष्टि 10 स्टारलाइनर ड्रोन के परीक्षण के दौरान क्रैश हो गया। अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस द्वारा बनाए गए इस ड्रोन को नौसेना को सौंपे जाने से पहले किए जाने वाले परीक्षण के तहत उड़ाया जा रहा था। दृष्टि 10 स्टारलाइनर एक मध्यम ऊंचाई वाला लंबी क्षमता वाला ड्रोन है, जिसे इजरायली डिफेंस फर्म एल्बिट सिस्टम्स के सहयोग से विकसित किया गया है।

शेष पेज 08 पर

सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचे झारखंड के पूर्व मंत्री राजा पीटर

- रांची-टाटा मार्ग पर तेज रफ्तार कंटेनर ने कार को मारी टक्कर

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

तमाड़। टाटा मार्ग पर कांची नदी के पुल के समीप झारखंड के पूर्व मंत्री राजा पीटर की कार को कंटेनर ने सामने से टक्कर मार दी। राजा पीटर बाल-बाल बच गए हैं। उनको हल्की चोट आयी है। सड़क हादसे में कार का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। कंटेनर का ड्राइवर टक्कर मारने के बाद भागने लगा। इसकी सूचना राजा पीटर ने तमाड़ पुलिस को दी। इसके बाद ड्राइवर को तमाड़ के पास पकड़ लिया गया।

शेष पेज 08 पर

अनहोनी थी, टल गयी, हम सुरक्षित है: राजा पीटर

सड़क हादसे के संबंध में पूर्व मंत्री राजा पीटर ने बताया कि वे तमाड़ से बुंडू एसबीआई बैंक जा रहे थे। इसी बीच रांची-टाटा मार्ग पर कांची पुल के समीप सिंगल लेन में सामने से आ रही कंटेनर ने उनकी कार को टक्कर मार दी। इससे कार क्षतिग्रस्त हो गयी है। उन्होंने कहा कि अनहोनी थी, जो टल गयी। वे सुरक्षित हैं।

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र को राज्यपाल ने दी मंजूरी

- चार फरवरी से शुरू होगा सत्र, तीन मार्च को बजट पेश

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की मंजूरी मिल गयी है। बजट सत्र 24 फरवरी से शुरू होगा और 27 मार्च तक चलेगा। 3 मार्च 2025 को राज्य सरकार विधानसभा के पटल पर वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करेगी। शेष पेज 08 पर

लोहरदगा में गैंगवार: बस स्टैंड में अपराधी की गोली मारकर हत्या

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

- राजधानी रांची के पंडरा में 13 लाख रुपए के लूटकांड में था शामिल
- पुलिस ने फायरिंग करने वाले एनामुल अंसारी को किया गिरफ्तार

लोहरदगा। झारखंड के लोहरदगा जिले के कुड़ू प्रखंड मुख्यालय स्थित बस स्टैंड पर मंगलवार को दिनदहाड़े गैंगवार में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मारे गए युवक की पहचान सुभाष जायसवाल उर्फ छोटू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मृतक का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। रांची में करीब पंद्रह दिन पहले पंडरा में 13 लाख रुपए के लूट कांड में पुलिस को उसकी तलाश थी। पुलिस ने इस हत्याकांड में एक युवक को गिरफ्तार किया है।

बताया जा रहा है कि सुभाष जायसवाल मंगलवार को अपने एक साथी के साथ अपाचे बाइक पर कुड़ू बस स्टैंड पहुंचा था। दोनों ने बस एजेंट संतु पासवान की हत्या करने के इरादे से गोली चलाई। संतु पासवान बचने के लिए भाग गया। फायरिंग की आवाज से बस स्टैंड में भगदड़ मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। इस बीच एक दूसरे आपराधिक गिरोह के बदमाश ने सुभाष जायसवाल पर जवाबी फायरिंग की। गोली सुभाष के सिर पर लगी। वह मौके पर गिर पड़ा, जबकि उसका साथी भाग खड़ा हुआ। फायरिंग की सूचना पाकर पुलिस भी तत्काल मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल हालत में सुभाष को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। वहां से उसे रिम्स रांची के लिए रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। जिस बस एजेंट संतु पासवान पर सुभाष ने फायरिंग की थी। शेष पेज 08 पर

कार्मेल स्कूल की प्रिंसिपल ने मांगी माफी, खत्म हुआ विवाद

धनबाद

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद के डिगवाडीह कार्मेल स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा पेन डे मनाने पर 10वीं की छात्राओं की शर्ट उतरवाकर ब्लेजर में ही घर भेजने के मामले में प्रिंसिपल ने माफी मांग ली है। आपसी बातचीत से इस विवादास्पद मामले को सुलझा लिया गया। प्रशासन, डालसा और सीडब्ल्यूसी की अलग-अलग टीमों ने स्कूल पहुंच कर मामले की जांच पड़ताल की। करीब 9 घंटे की जांच-पड़ताल व बातचीत के बाद प्राचार्य ने माफी मांगी।

- एसडीएम ने कहा- जांच में नहीं मिला कुछ भी आपत्तिजनक

वहीं एसडीएम ने कहा कि पूरे मामले को सुलझा लिया गया है। सीसीटीवी में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला। 9 घंटे तक चली जांच में एसडीएम के नेतृत्व में जांच दल ने स्कूल परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की।

शेष पेज 08 पर

नीरू शांति भगत ने आजसू से दिया इस्तीफा, जेएमएम में होंगी शामिल!

प्रातः नागपुरी संवददाता

रांची। आजसू पार्टी की ओर से लोहरदगा विधानसभा सीट से तीन बार चुनाव लड़ने वाली आजसू नेत्री और आजसू पार्टी की लोहरदगा विधानसभा प्रभारी नीरू शांति भगत ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इस संबंध में आजसू नेत्री ने पार्टी सुप्रीमो आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो को त्यागपत्र भेजा है। त्यागपत्र में आजसू नेत्री ने जो बातें कही हैं, उसने पार्टी में एक चर्चा छेड़ दी है।

कुछ समय से पार्टी बदलने की चल रही थी चर्चा : नीरू शांति भगत झारखंड आंदोलनकारी और लोहरदगा के पूर्व विधायक कमल किशोर भगत की पत्नी हैं। कमल किशोर भगत को एक मामले में सजा होने के बाद नीरू शांति भगत को वर्ष 2015, 2019 और वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने लोहरदगा विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा था। तीनों बार नीरू शांति भगत को चुनाव में हार का सामना करना पड़ा।

शेष पेज 08 पर

केजरीवाल पर हमला कर सकते हैं खालिस्तानी आतंकी, अलर्ट जारी

एजेंसियां

- दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री को फिलहाल मिली हुई है जेड प्लस सिक्योरिटी

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी माहौल गर्म है। इसी बीच खुफिया एजेंसियों ने एक अलर्ट जारी किया है। इसमें कहा गया है कि दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल पर हमला हो सकता है। ये हमला पंजाब बेस्ड खालिस्तानी आतंकी कर सकते हैं। एजेंसियों के जरिए अरविंद केजरीवाल की सिक्योरिटी रिव्यू की गई है। केजरीवाल पर हमले की आशंका के बाद खुफिया एजेंसियों ने दिल्ली पुलिस को जानकारी दी है। इनपुट में बताया गया है कि कुछ संदिग्ध लोगों की मूवमेंट भी ट्रैक की गई है। बता दें कि अरविंद केजरीवाल को फिलहाल जेड प्लस सिक्योरिटी मिली हुई है। हालांकि इस तरह के वीवीआईपी को लेकर आए अलर्ट के बाद पुलिस एस्ट्रा अलर्ट मोड में रहती है।

शेष पेज 08 पर

पीएम मोदी ने मनाया पोंगल, लोहड़ी जलाई, अमित शाह ने की पतंगबाजी

मकर संक्रांति की धूम

एजेंसियां

नई दिल्ली। देशभर में मंगलवार (14 जनवरी) को मकर संक्रांति का पर्व धूमधाम से मनाया गया। यह त्योहार सूर्य के मकर राशि में प्रवेश और उत्तरायण होने का प्रतीक है। सोमवार को दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी ने लोहड़ी का पर्व मनाया। पीएम मोदी ने लोहड़ी जलाई और वहां मौजूद लोगों को शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी के आवास पर पोंगल मनाया और गायों को गुड़ खुलाया। मकर संक्रांति भारत के हर राज्य में अलग-अलग रूपों में मनाई जाती है।

अहमदाबाद में अमित शाह ने की पतंगबाजी : मकर संक्रांति के मौके पर अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय काइट फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस मौके पर पतंगबाजी की। इसमें हजारों लोग रंग-बिरंगी पतंगों को उड़ाने पहुंचे। शहर का आसमान इन रंग-बिरंगे पतंगों से रंगीन हो गया। शेष पेज 08 पर

हाई कोर्ट ने झारखंड सरकार पर लगाया 10 हजार रुपये का जुर्माना

रांची। डोमचांच के एक जल मीनार के मामले में मेसर्स एकेजी कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड को ब्लैकलिस्टेड किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में हाई कोर्ट की खंडपीठ ने राज्य सरकार द्वारा विभाग से इंस्ट्रक्शन लेने के लिए समय मांगे जाने पर 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। शेष पेज 08 पर

प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के 150वें स्थापना दिवस समारोह लिया भाग, कहा

अब भूकंप की चेतावनी देने वाला तंत्र विकसित करने की जरूरत

एजेंसियां

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के 150वें स्थापना दिवस के समारोह में भाग लिया और 'मिशन मौसम' का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने मौसम वैज्ञानिकों से भूकंप की चेतावनी देने वाला तंत्र विकसित करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इससे देश को प्राकृतिक आपदा के समय होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी।

पीएम मोदी ने कहा कि 'मौसम विज्ञान किसी भी देश की आपदा प्रबंधन क्षमता का सबसे जरूरी सामर्थ्य होता है। प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम से कम करने के लिए हमें मौसम विज्ञान की कार्यकुशलता को अधिकतम करने की आवश्यकता होती है। विज्ञान में प्रगति और इसकी पूरी क्षमता का उपयोग करने से देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को आकार मिला है। पीएम मोदी ने कहा कि अब भूकंप के लिए चेतावनी प्रणाली विकसित करने की जरूरत है। वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को इस दिशा में काम करना चाहिए।

शेष पेज 08 पर

'परीक्षा पे चर्चा': पीएम मोदी से संवाद का मौका 3.5 करोड़ ने किया रजिस्ट्रेशन, टूटे सारे रिकार्ड

देहरादून। सीबीएसई और उत्तराखंड बोर्ड की 10वीं और 12वीं कक्षाओं की परीक्षाओं की डेटशीट जारी हो चुकी है। छात्रों के लिए यह समय बेहद महत्वपूर्ण और तनावपूर्ण होता है। परीक्षा के दौरान मानसिक तनाव और डर को कम करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर साल 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी छात्रों से बातचीत करते हुए उन्हें तनाव मुक्त रहने और आत्मविश्वास बढ़ाने के गुर सिखाते हैं।

लाखों छात्रों ने किया रजिस्ट्रेशन : उत्तराखंड के शिक्षा विभाग ने इस कार्यक्रम को लेकर विशेष तैयारियां शुरू की हैं। शिक्षा निदेशक झरना कमठान ने बताया कि प्रदेश भर से 1,75,000 छात्रों ने अब तक रजिस्ट्रेशन कराया है। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 14 जनवरी (आज) है। विभाग का उद्देश्य है कि छात्रों को सकारात्मक मानसिकता के साथ परीक्षा की तैयारी में मदद मिल सके।

शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त

सोनाहातू में 11 बजे से 3 बजे तक नहीं रहेगी बिजली

सोनाहातू। विद्युत शक्ति उपकेन्द्र सोनाहातू में 15 जनवरी दिन बुधवार को 5 एमवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया जा रहा है। ट्रांसफार्मर लगाने के कारण विद्युत शक्ति उपकेन्द्र सोनाहातू के सभी फीडर दिन के 11 बजे से 3 बजे तक बंद रहेगा। उक्त जानकारी सहायक विद्युत अभियंता जितेंद्र कुमार के द्वारा दिया गया है।

भेलवा टुंगरी मेला को लेकर बैठक

सिल्ली। रविवार सुबह कलुवाडीह चड़ानी पर भेलवा टुंगरी मेला को सफल बनाने के लिए ग्रामीणों की बैठक संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता मुखिया लालू राम उरांव ने की।जिसमे पाता नाच,पूरूष महिला फुटबॉल प्रतियोगिता, क्रिकेट प्रतियोगिता , मुर्गा लड़ाई प्रतियोगिता आदि को लगाने का निर्णय लिया गया। अलग-अलग काम के लिए जिम्मेवारी सौंपी गई। शांति पूर्ण व्यवस्था के लिए सभी मेला कमिटी को दायित्व दिया गया है।

मधुमक्खी के काटने से वृद्ध गंभीर रूप से घायल

सिल्ली। मुरी रेलवे अस्पताल के समीप बुधवार को मधुमक्खीयों काटने से एक 80 वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर अवस्था में उसे सिंगपुर नर्सिंग होम लाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक छोटा मुरी निवासी रेलवे सेवा निवृत बंकिम चंद्र पाठक मंगलवार को दोपहर 2 बजे बाजार से अपने घर जा रहे थे इसी क्रम में रेलवे अस्पताल के समीप पेड़ पर मधुमक्खी के छत्ते को पक्षी ने छेड़ दिया। जिससे मधुमक्खियों का झुंड हर आने जाने वालों लोगो को पीछा करने लगा।इसी क्रम में बंकिम चंद्र पाठक उनके चपेट में आ गए।जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। मधुमक्खी के झुंड उड़ने से बाजार के आसपास अफरा तफरी मच गई। लगभग 1 घंटे के बाद आसपास की स्थिति सामान्य हो पाया।

महावीर मंदिर दत्तात्रेय मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा 17 जनवरी से

रातू। प्रखंड मुख्यालय से सटे टोंगरी टोली स्थित श्री साईं मंदिर परिसर (साईं पुरम) में निर्मित शिव सह महावीर मंदिर की तीन दिनी प्राण प्रतिष्ठा 17 जनवरी से शुरू होगी। यहां से सुबह 8 बजे कलशयात्रा निकाली जायेगी। इसमें सैकड़ों महिला और युवती शामिल होंगी। मंडप पूजा के बाद जलाधिवास होगा। इसके अगले दिन वेदी पूजन और नगर भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। वहीं, 19 को मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होगी। रुद्राभिषेक के बाद हवन और प्रसाद वितरित किये जायेंगे। शाम 4 बजे से महाभंडारा होगा। यज्ञ में हजारों श्रद्धालु भाग लेंगे। इसकी विशेष तैयारी की जा रही है। साईं परिवार के सदस्यों ने बताया कि यहां अभी से ही धार्मिक उल्लास का माहौल है। क्षेत्र में काफी चहल-पहल है।

मकर संक्रांति पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

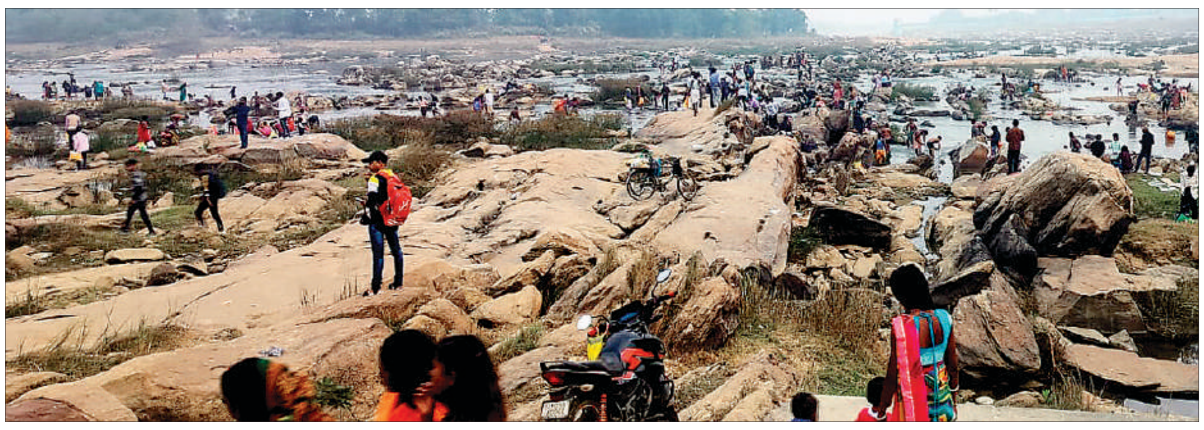

प्रातःनागपुरी टीम

सोनाहातू/राहे। मकर संक्रांति के मौके पर मंगलवार को सोनाहातू ओर राहे के हजारों श्रद्धालुओं ने स्वर्ण रेखा नदी,कोकरो नदी और राढू नदी में मकर स्नान किया। सबेरे ही लोग नदी घाट पर जुट गए स्नान के बाद विधिवत पूजा कर-के गुड़, तिल, चावल, दान कर किये।
मान्यता है कि आज के दिन सूर्य धनु राशि से मकर में प्रवेश करता है, इसीलिए मकर संक्रांति मनाई जाती है। इस दिन गुड़, तिल और चावल का दान बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। इस त्योहार को खिचड़ी के नाम से भी जाना जाता है। साथ ही एक दूसरे को मकर संक्रान्ति की बधाई दी। सबसे अधिक लोगों की भीड़ सोनाहातू प्रखंड के पांडुडीह गांव के समीप स्वर्णरेखा नदी के तट पर सतीघाट के पावन स्थल पर मकर स्नान किये।

श्रद्धालुओं ने की सुख-समृद्धि की आराधना

इटकी। कड़ाके के ठंड के बावजूद मकर संक्रांति के पावन अवसर पर इटकी क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अहले सुबह नदी, बांध,पोखर जैसे जलाशयों में डुबकी लगाने पहुंचे। श्रद्धालुओं ने जलाशयों में स्नान ध्यान कर मंदिरों में पूजा अर्चना कर जीवन में नई उर्जा का संचार,रिश्तों में प्यार और सौहार्द, सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए अराधना की। इसके बाद भगवान भोले नाथ को तिल गुड़ और दही का प्रसाद अर्पन किया। और लोगों ने अपने अपने अनुसार तिलकुट, गुड़ चूड़ा और दही का खुद सेवन किया और दूसरों को भी खिलाया। तिल -गुड़ और दही के मिठास के बाद दोपहर में चावल दाल और कई सब्जियों से विशेष रूप से बनी खिचड़ी का भी लुफ्त उठाया।

तटों पर सुबह से ही लोगों का लगा रहा तांता

सिल्ली। सिल्ली मुरी आसपास इलाके में मंगलवार को मकर संक्रांति का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्वर्ण रेखा नदी के पवित्र तटों पर सुबह से ही लोगों का तांता लगा रहा। लोगों ने नदी में डुबकी लगाने के पश्चात विधिवत पूजा करके गुड़, तिल, चावल आदि दान किए । आज के दिन गुड़, तिल और चावल का दान बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। इस त्योहार को खिचड़ी पर्व के नाम से भी जाना जाता है। लोगों ने एक दूसरे को मकर संक्रान्ति की बधाई भी दी। स्वर्णरेखा नदी के मुरी घाट, देलबेड़ा घाट, हरिहर मेला घाट समेत अन्य कई इलाकों में लोगों ने मकर स्नान किया। दोपहर के बाद मुरी हिंडाल्को के समीप तथा दुसरे छोर पर तुलिन बान्धा घाट स्वर्ण रेखा नदी के तट मेला में तब्दील हो गई।

तजना नदी तट पर गायत्री यज्ञ और वनभोज का आयोजन

खूंटी। अखिल विश्व गायत्री परिवार खूंटी शाखा के जरिए मकर संक्रांति के मौके पर मंगलवार को तजना नदी तट पर गायत्री यज्ञ, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यज्ञ और भजन-कीर्तन के बाद सैकड़ों श्रद्धालुओं के लिए वनभोज का आयोजन किया गया। गायत्री परिवार के जरिये इसका आयोजन वर्षों से किया जा रहा है। इस परंपरा की शुरूआत गायत्री परिवार खूंटी शाखा के संस्थापक डॉ देवेंद्र नाथ साहू ने की थी। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव का आनंद लिया, बल्कि आपसी सौहार्द और भाईचारे का भी संदेश दिया।

दही, चूड़ा तिलकुट व कंबल का वितरण

रामगढ़। रामगढ़ चैंबर सेवा ट्रस्ट के जरिये प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी चेंबर भवन के सभागार में मकर संक्रांति के अवसर पर लेप्रोसी कॉलोनी के सदस्यों के बीच दही, चुरा, तिलकुट, कंबल, वस्त्र, खिलौने, आदि का वितरण किया गया। इस अवसर पर चेंबर सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद सिंह उर्फ वकील सिंह ने कहा कि मकर संक्रांति के अवसर पर पिछले कई वर्षों से चेंबर सेवा ट्रस्ट के जरिये लेप्रोसी कॉलोनी के सदस्यों के साथ मिलकर त्योहार के अवसर पर दही तिलकुट वगैरा वितरित किया जाता है। उन्होंने उन सब का भी त्योहार अच्छे से हो इस सोच के साथ सेवा ट्रस्ट के द्वारा प्रत्येक वर्ष यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर रामगढ़ चैंबर सेवा ट्रस्ट के सचिव दिनेश पोद्दार की ओर से बताया गया कि लेप्रोसी कॉलोनी के लगभग 200 सदस्यों के बीच आज मकर संक्रांति त्योहार के अवसर पर वे लोग दही चुरा तिलकुट आदि का आनंद ले सके। इसलिए इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। चेंबर अध्यक्ष विनय कुमार अग्रवाल ने भी बताया कि चेंबर के सभी सदस्यों के जरिये उपस्थित होकर लेप्रोसी कॉलोनी के सदस्यों के साथ धूमधाम से त्योहार मनाया गया। इस अवसर पर रामगढ़ चेंबर के उपाध्यक्ष मनजीत साहनी, मानस सचिव मानव चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष इंद्रपाल सिंह सैनी, चेंबर के पूर्व अध्यक्ष गोविंद लाल अग्रवाल, श्याम परशुरामपुरिया, प्रदीप सिंह, आनंद अग्रवाल (अधिवक्ता), मनजी सिंह, राजू चतुर्वेदी, विष्णु पोद्दार, बालकृष्ण जालान, राजेश अग्रवाल, सुरेश बगड़िया, परशुराम शाह, अनिल अग्रवाल, जेपी सिंह, मनोज अग्रवाल, संजय अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

इटकी कुल्ली गांव में आदिवासियों का 23वां झंडा स्थापना समारोह सम्पन्न

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

इटकी । प्रखण्ड के कुल्ली गांव में सोमवार को 21 पड़हा प्रथना सभा के तत्वाधान में 23 वां झण्डा स्थापना समारोह का आयोजन किया गया।
आदिवासी सरना समाज के सैकड़ों महिला पुरुष सरना स्थल पर एकत्र हुए इसके बाद पहान मंगरा उरांव , सोमा उरांव सहित अन्य पहानों के नेतृत्व में आदिवासी विधि विधान के साथ झंण्डा की पूजा अर्चना की गई और झण्डा का स्थापना किया गया। कार्यक्रम पईनभारा राहूल उरांव, मुखिया बिनू उरांव, अध्यक्ष राज रोशन,मंजीत लकड़ा, बिरु उरांव, विश्वनाथ सहित डहुटोली, कुम्बाटोली, पानफड़ा टोली , टिकरा टोली, कुल्ली सहित अन्य गांवों के सैकड़ों सरना समाज के लोग शामिल थे।

फादर सिमोन होरो का हुआ पुरोहिताभिषेक

खूंटी। लोयोला हाई स्कूल कैम्पस खूंटी में मंगलवार को नव अभिषिक्त फादर सिमोन होरो का पुरोहिताभिषेक बिशप विनय कंडुलना की अगुवाई में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बिशप ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि मैं बहुत खुश हूं कि आज खूंटी डायसिस से एक नए पुरोहित का अभिषेक हुआ है। यह पुरोहिताई जीवन त्याग, तपस्या और बलिदान का जीवन है। आज ऐसा एहसास हो रहा है, मानो मेरी सालों की भूख मिट गई है तथा आपने अपनी बुलाहट को पहचाना है और और हमें पुरोहिताई जीवन में अपनी सेवा देने में योगदान देना है।

रामगढ़ एसपी ने कुख्यात अपराधी राहुल दुबे को दी चेतावनी, कहा-बुरा होगा हश्र

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ पुलिस ने राहुल दुबे गिरोह के एक सदस्य विक्रम कुमार शर्मा उर्फ नेपाली उर्फ टुटुल को गिरफ्तार किया है। साथ ही राहुल दुबे को एसपी अजय कुमार ने कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने उसे अपराध का रास्ता छोड़ने को कहा है, अन्यथा हश्र बुरा होगा। मंगलवार को एसपी अजय कुमार ने संवाददाता सम्मेलन कर बताया कि विक्रम कुमार शर्मा उर्फ नेपाली ने कुजू ट्रांसपोर्ट नगर में कोयला व्यवसायी अनिल कुमार केसरी पर राहुल दुबे के इशारे परगोली चलवाई थी। यह वही शख्स है जिसने शूटर को अनिल केसरी का दफ्तर दिखाया था और अनिल केसरी की पहचान कराई थी। एसपी ने बताया कि 5 जनवरी की रात ट्रांसपोर्ट नगर में राहुल दुबे के द्वारा रंगदारी वसूलने एवं व्यवसाईयों के बीच खौफ का माहौल बनाने के उद्देश्य से अपराधकर्मियों के जरिए कोयला व्यवसायी अनिल कुमार केसरी पर जानलेवा हमला कराया गया था। अपराधियों ने उन पर गोली चलाई थी। इस मामले में प्राथमिक संख्या 8/25 दर्ज कर पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। एसपी अजय कुमार ने बताया कि विक्रम कुमार शर्मा उर्फ नेपाली उर्फ टुटुल पिता योगेश्वर शर्मा कुजू बाजारटांड़ का ही रहने वाला है। घटना के दिन उसने कुख्यात अपराधी जयशंकर दुबे उर्फ राहुल दुबे के गिरोह के दो अपराधकर्मियों को अनिल कुमार केसरी के ऑफिस का रेकी करने, ऑफिस दिखाने, साथ ही अनिल कुमार केसरी पर गोली चलवाने में सक्रिय सहयोग किया था। एसपी अजय कुमार ने बताया कि राहुल दुबे और उनके गुर्गे को पकड़ने के लिए पुलिस ने झारखंड और बिहार के कई जिलों में छापेमारी की। कुजू के अलावा हजारीबाग, रांची, पटना जिले में भी छापेमारी की गई थी। राहुल दुबे के खिलाफ दर्जनों कांड विभिन्न जिलों में दर्ज हैं। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

ऐतिहासिक सतीघाट का टुसू मेला आज

लाखों की संख्या में उमड़ेंगे मेला प्रेमी

मेले में आकर्षण का केंद्र होगा मौत का कुआं

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

सोनाहातू। 15 जनवरी बुधवार को पांच परगना का ऐतिहासिक सतीघाट का टुसू मेला को लेकर तैयारी जोर-जोर से चल रही है। मेला कमेटी के द्वारा लगभग सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। मेला में सभी तरह की सुविधाओं का पूरी तरह ख्याल रखा जाएगा ताकि किसी को भी किसी प्रकार का कोई दिक्कत ना हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।
मेला में बच्चों के मनोरंजन के लिए कई तरह के झूले लगाए गए हैं। घरेलू सामग्री ,कृषि उपकरण, वाद्य यंत्र, आदि मेले में कतारबद्ध तरीके से अपना स्टॉल लगा चुके है। लोगों के लिए मौत का कुआं आकर्षक का केंद्र होगा।
सतीघाट मेला आने के लिए तीन रास्ते हैं । एक रास्ता टाटा रोड देवानसारना से सीधे सतीघाट तक जाता है। ये रास्ता काफी भीड़ रहती है एक रास्ता बारेंदा चौक से मारांगकिरी होते हुए सीधे सतीघाट मेला तक जाता है जो चार चक्का वाहनों के आने-जाने के लिए बहुत ही अच्छा रास्ता है।सतीघाट मेला को देखते हुए जेसीबी मशीन के द्वारा रास्ता को अच्छी तरह बना लिया गया है ताकि आवागमन के लिए मेला प्रेमियों को किसी भी प्रकार का कोई दिक्कतों का सामना ना करना पड़े।एक रास्ता सीधे टाटा रोड जिन्तुडीह से सतीघाट तक है, मेला आने जाने के लिए जेसीबी मशीन के द्वारा रास्ता बनाया गया है। सड़क बनाने में विश्वनाथ महतो, बसंत कुमार महतो, विपिन बिहारी महतो, चितरंजन महतो, ओम प्रकाश महतो, निर्मल महतो, छेत्रपति महतो, भूदेव महतो, गोपाल पुरान, सुदेश कुमार महतो ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

अफीम की अवैध खेती के आरोप में सात लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी खूंटी अमित कुमार का नेतृत्व में सोमवार को अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध खूंटी पुलिस के जरिये चलाए गए अभियान के दौरान सोयको, अड़की, मारंगहादा और मुरहू थाना क्षेत्र से सात आरोपितों को गिरफ्तार किया गया।
इस आशय की जानकारी मंगलवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि अफीम की अवैध खेती करने के आरोप में सोयको थाना क्षेत्र के पीड़ीहातु गांव से सिरका पाहन, अड़की थाना क्षेत्र के बाड़ी निजकेल टोली लेप्सर से गुरुदेव नायक, मुरहू थाना क्षेत्र के कोड़ाकेल से दीपक कुमार नाग, कोठा टोली से मारा ओड़ेया और गोले ओड़ेया तथा कुंदीबार टोली से मनसिद्ध पाहन को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा मारंग हादा थाना क्षेत्र से जोहन टूटी को गिरफ्तार किया गया। एसडीपीओ ने कहा कि अफीम की खेती पूरी तरह गैर कानूनी है और इसमें कड़ी सजा का प्रावधान है। इसलिए इसकी खेती से दूर रहें और कहीं खेती की सूचना मिलती है, तो इसकी जानकारी प्रशासन को दें।

कुड़मालि शोधकर्ताओं ने राज्यपाल को टुसू पर्व की दीं शुभकामनाएं

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

सोनाहातू । कुड़मालि शोधकर्ताओं के पांच सदस्यीय टीम ने मंगलवार को माननीय राज्यपाल संतोष गंगवार से औपचारिक भेंट कर टुसू परब की शुभकामनाएं दी एवं साथ ही टुसू एवं गामछा सप्रेम भेंट किए। मौके पर पंकज महतो, चंदन महतो, बिरसा महतो, छाया रानी, हेमंत अहीर मौजूद थे।

बैडमिंटन टूर्नामेंट में राधा गोविंद विश्वविद्यालय की छात्रा खुशी आनंद बनी उपविजेता

रामगढ़। रामगढ़ जिला बैडमिंटन संघ की ओर से आयोजित जिला स्तरीय बैडमिंटन टूर्नामेंट सत्र 2024-25 में राधा गोविंद विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग के एमबीए (2023-25)की छात्रा खुशी आनंद उपविजेता रही। कोच आकाश झा ने उसे प्रशिक्षण दिये थे। यह टूर्नामेंट दामोदर इंडो'बैडमिंटन हॉल में आयोजित की गयी थी। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने छात्रा को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य कामना की। वहीं, विश्वविद्यालय के सचिव प्रियंका कुमारी, प्रति कुलपति प्रो डॉ रश्मि, कुलसचिव प्रो डॉ निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय, परीक्षा नियंत्रक प्रो डॉ अशोक कुमार, प्रबंध समिति के अजय कुमार, विभाग के व्याख्यातागण डॉ प्रशांत कुमार, मो रिजवान नूरी और कुंदन कुमार ने छात्रा को बधाई दी।

इनरव्हील क्लब ने किया नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। इनरव्हील क्लब रामगढ़ द्वारा रामगढ़ स्थित गुरद्वारा गुरु सिंह सभा में मंगलवार को आयरिश हॉस्पिटल के सौजन्य से नि:शुल्क नेत्र जांच का आयोजन किया गया। शिविर में 100 लोगों के आँखों की जांच की गई । इधर, इनरव्हील क्लब द्वारा बिजुलिया स्थित श्री जलाराम मंदिर के प्रांगण में लंगर सेवा का आयोजन किया गया । इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने लंगर ग्रहण किया। मौके पर नववलजीत कौर, अनुराधा श्रॉफ, श्वेता जैन, ममता अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, जसविंदर होरा, दीपा वडेरा, रेनू मेवाड़, जसमीत सोनी, जसप्रीत कौर, डॉ मनबीर कौर, राजेंद्र कालरा, ममता वसंत,सुरेंद्र कौर आदि मौजूद थे ।

तोरपा थाना में सप्रेम मिलन समारोह आयोजित

खूंटी। तोरपा थाना परिसर में मंगलवार को शांति समिति के सदस्यों के साथ मकर संक्रांति मनाई गयी। पुलिस के जरिये मकर संक्रांति के पावन अवसर पर सप्रेम मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस के अधिकारियों के साथ शांति समिति के सदस्यों तथा प्रखंड कर गणमान्य लोगों ने दही, चूड़ा एवं तिलकुट के भोज आनंद लिया। मौके पर थाना प्रभारी मुकेश कुमार हेम्ब्रम ने सभी को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपील की कि वे अफीम की खेती से दूर रहें। यदि कहीं खेती की सूचना मिले, तो इसकी सूचना प्रशासन को दें। उन्होंने कहा कि अफीम की खेती होने पर वहां के ग्राम प्रधान सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जायेगी।. अगर कहीं अफीम की खेती की गयी है, तो स्वयं नष्ट कर दें, ऐसे में कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी। अगर पुलिस जाकर नष्ट करती है, तो केस कर कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि डायन बिसाही जैसे अंधविश्वास के खिलाफ लोगों को जागरूक करे। किसी को डायन कहना या डायन साबित करना अपराध है। ऐसा करने वालों के खिलाफ कड़ी सजा का प्रावधान है। थाना प्रभारी ने दोषहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करने को कहा।

सीआरपीएफ ने शहीद कुंवर सिंह मुंडा को दी श्रद्धांजलि

स्वजनों को किया सम्मानित

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने और देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीद नायकों की वीरता और बलिदान का सम्मान करने की कड़ी में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 94 बटालियन खूंटी और ग्रुप केंद्र जमशेदपुर के सौजन्य से मंगलवार को तिरला गांव,(प सिंहभूम) में शहीद हवलदार जीडी कुंवर सिंह मुंडा के शहादत दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शहीद हवलदार जीडी कुंवर देश के लिए आज ही के दिन 14 जनवरी 1999 को अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। उग्रवादियों की गतिविधियों को रोकने के लिए 14 जनवरी 1999 के को सोपोर जिला बारामुला जम्मू कश्मीर में उग्रवादियों द्वारा किए गए हमले के दौरान वीरता पूर्वक लड़ते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन और देश की रक्षा की खातिर वे शहीद हो गए थे।
इस शहादत दिवस पर संतोष कुमार, उप कमांडेंट 94 बटालियन सीआरपीएफ और मकसूद आलम ग्रुप केंद्र जमशेदपुर के जरिये शहीद की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई और शहीद के परिवार जनों को उपहार प्रदान किये गये। मौके पर सीआरपीएफ के अधिकारियों ने शहीद के परिवार जनों से उनकी समस्याओं के बारे में चर्चा की। कार्यक्रम में संतोष कुमार केए उप कमांडेंट 94 बटालियन सीआरपीएफ मकसूद आलम ग्रुप केंद्रीय जमशेदपुर के अलावा शहीद के परिवार के सदस्य ग्राम वासी और 94 बटालियन तथा जिला पुलिस के कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त

महाकुंभ मेले के लाईव दर्शन

रांची। वी के यूजर वी मुवीज एंड टीवी एप पावर्ड बाय शेमारो पर सीधे प्रयागराज के त्रिवेणी संगम से शाही स्नान, अखाड़ा जुलूस और गंगा आरती का लाईव कवरेज देख सकेंगे। महाकुंभ का आयोजन उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 156 किलोमीटर में 22 पंटून पुलों के साथ 26 फरवरी तक किया जा रहा है। वी के यूजर मौनी अमावस्या (29 जनवरी) और महाशिवरात्री (26 फरवरी) के दिन शाही स्नान का अनुभव पा सकेंगे।

गरीबों के बीच चूड़ा, गुड़ दही, तिलकूट का वितरण

रांची : अस्तित्व फाउंडेशन के द्वारा 14 जनवरी को मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर हटिया रेलवे स्टेशन के आसपास गरीबों के बीच चूड़ा, गुड, दही, तिलकूट वितरण किया गया। डॉ कीर्ति श्रीवास्तव माजी ने कहा उनका फाउंडेशन गरीबों की मदद के लिए हमेशा आगे रहेगा और ऐसे समय-समय पर उनको खाने पीने और भी जरूरत की चीजें देकर मदद करता रहेगा।

डीएवी नंदराज स्कूल ने अर्द्धरात्रि में बांटे कम्बल

रांची। मंगलवार को डी ए वी नंदराज पब्लिक स्कूल, बरियातू ने रात 11.30 बजे से शहर के विभिन्न स्थानों पर सोए हुए गरीबों के बीच बड़े मात्रा में कंबलों का वितरण किया। प्रायः दान में दिए जाने वाले चीजों को मुफ़्त समझ लोग यों ही ले लेते हैं इसलिए विद्यालय के 20-22 सदस्यों ने बस में बैठकर आर एम सी एच, हटिया रेलवे स्टेशन, रांची रेलवे स्टेशन दूर्गा मंदिर, शनि मंदिर इतना ही नहीं रात को जगकर कूड़ा उठाने वालों के बीच कंबल बांटें। यह अनुभव अलग तरह का रहा। पुरे कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य डॉ रविप्रकाश तिवारी जी स्वयं रहे। इस वितरण का उद्देश्य जिन्हें आवश्यकता है उन्हें गर्म कंबल मिलने चाहिए, यह रहा। हटिया और रांची स्टेशन पर पुलिस के लोगों ने इस कार्य के लिए काफी आभार व्यक्त किया। शिक्षकों ने उन्हें भी खाने को मुरमुरे की लाई दिया। अपने रांची शहर में भी गरीब कैसे सर्द हवाओं के झोंकों के बीच कांपते हैं और कंबल मिलते ही आशीर्वाद की झड़ी लगा देते हैं देखने योग्य था। अंत में प्राचार्य महोदय ने सभी शिक्षकों और कर्मचारियों को विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया।

सेल सेटेलाइट कॉलोनी में मेगा स्पोर्ट्स इवेंट का उद्घाटन

रांची। सेल मेगा स्पोर्ट्स इवेंट का उद्घाटन सेल, रांची इकाई के कार्यपालक निदेशकों अनुप कुमार (ईडी-एसएसओ), एस.के. वर्मा (ईडी-सीईटी), और एस.के. कर (ईडी-आरडीसीआईएस) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। यह कार्यक्रम सैटेलाइट टाउनशिप के मनोरंजन केंद्र में आयोजित किया जा रहा है। इसे सेल कर्मियों, गृहिणियों और बच्चों के बीच खेल भावना और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया है। इस आयोजन में बैडमिंटन, शतरंज, कैरम और टेबल टेनिस जैसे विभिन्न प्रकार के इनडोर खेल शामिल हैं। बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता और सिट-एंड-ड्रॉ प्रतियोगिता जैसी आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। महिला प्रतिभागियों को अल्पना और रंगोली प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी रचनात्मकता दिखाने का अवसर मिलेगा। यह आयोजन 26 जनवरी, 2025 तक चलेगा, जिसका समापन आउटडोर गेम्स और गणतंत्र दिवस पर एक भव्य पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा।

कुंभ मेला को लेकर रांची रेल मंडल से चलेंगी 10 ट्रेनें

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। प्रयागराज में चल रहे कुंभ मेला को लेकर रांची रेल मंडल से 10 ट्रेनों का परिचालन होने जा रहा है। विभिन्न क्षेत्रों से आकर यह ट्रेन रांची रेलवे स्टेशन से गुजरेंगी। इसके माध्यषम से रांची के लोग कुंभ की यात्रा कर सकेंगे। रांची से या रांची होकर अधिक से अधिक ट्रेनों का परिचालन कुंभ के लिए हो, इस निमित्त रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से मुलाकात कर उनसे चर्चा की थी।

श्री सेठ ने उनसे आग्रह किया था कि कुंभ ट्रेनों का परिचालन रांची के रूट से किया जाए। इससे रांची, रामगढ़, खूंटी, हजारीबाग, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, कोडरमा, चतरा, लातेहार, पुरुलिया, जमशेदपुर, सरायकेला खरसावां सहित कई जिलों के लोग कुंभ की यात्रा कर सकेंगे। विभिन्न तिथियां को कुंभ के लिए चलने वाली यह विशेष ट्रेन यहां के यात्रियों के तीर्थाटन को सुगम बनाएंगी।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने इन ट्रेनों के परिचालन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार प्रकट किया है। श्री सेठ ने कहा कि यह पहला अवसर है जब रांची को कुंभ मेला के लिए इतनी बड़ी संख्या में ट्रेनों की सौगात मिली है। हर ट्रेन का परिचालन रांची स्टेशन होकर ही होगा। पर्याप्त संख्या में यहां से इन्हें सीटें भी उपलब्ध कराई जाएगी।

यात्रियों को किसी तरह की कोई समस्या नहीं हो, इसे लेकर रेलवे हर प्रकार की व्यवस्था कर रहा है। इन सभी ट्रेनों में सामान्य क्लास, स्लीपर क्लास और एसी क्लास की बोगियां भी उपलब्ध होगी। रांची से सफर करने वाले यात्रियों के लिए पर्याप्त आरक्षित सीटों की व्यवस्था होगी।

इन ट्रेनों का कुल परिचालन 38 बार होगा। यह सभी ट्रेन रांची होकर गुजरेगी, जिससे रांची सहित आसपास के लोग कुंभ के लिए यात्रा कर सकेंगे। रक्षा राज्य मंत्री ने लोगों से आग्रह किया है कि 12 वर्षों के बाद लगने वाले इस महाकुंभ में अधिक से अधिक सनातनियों को जाना चाहिए। सनातन के इस महापर्व में भाग लेना चाहिए।

रांची से कुंभ के लिए 19 को खुलेगी स्पेशल ट्रेन

इन ट्रेनों का होगा परिचालन

रांची से टूंडला (08067/08968) के लिए कुंभ मेला स्पेशल 19 जनवरी।
भुवनेश्वर टूंडला (08425) कुंभ मेला स्पेशल 22 जनवरी, 5 फरवरी, 19 फरवरी और 25 फरवरी।
टूंडला भुनेश्वर (08426) कुंभ मेला स्पेशल 24 जनवरी, 7 फरवरी, 21 फरवरी और 28 फरवरी।
टिटिलागढ़ टूंडला (08314) कुंभ मेला स्पेशल 16 जनवरी, 23 जनवरी, 6 फरवरी, 20 फरवरी और 25 फरवरी।
टूंडला तितलागढ़ (08313) कुंभ मेला स्पेशल 18 जनवरी, 25 जनवरी, 8 फरवरी, 22 फरवरी और 1 मार्च।
तिरुपति बनारस (07107) कुंभ मेला स्पेशल 18 जनवरी, 8 फरवरी, 15 फरवरी और 22 फरवरी।
बनारस विजयवाड़ा (07108) कुंभ मेला स्पेशल 20 जनवरी, 10 फरवरी, 17 फरवरी और 24 फरवरी।
नरसापुर बनारस (07109) कुंभ मेला स्पेशल 26 जनवरी, 2 फरवरी।
बनारस नरसापुर (07110) कुंभ मेला स्पेशल 27 जनवरी और 3 फरवरी को चलेगी।

मकर संक्रांति पर श्री राधा कृष्ण मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। मकर संक्रांति पर पुंदाग स्थित झारखंड के सबसे बड़े श्री राधा-कृष्ण मंदिर, श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में मंगलवार को भारी भीड़ उमड़ी। मंदिर का संचालन श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट करता है। मंदिर का उद्घाटन 5 जनवरी को हुआ था।

ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि 5 जनवरी को मंदिर के उद्घाटन के बाद 10 दिनो मे 1 लाख से भी अधिक श्रद्धालुओं ने आकर श्री राधा कृष्ण के दर्शन किए। मकर- संक्रांति के अवसर पर आज विशेष पूजा- पाठ का आयोजन किया गया। आज 15 हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन करने पहुंचे।

भव्य मंदिर के शीश महल में विराजमान भगवान श्री राधा-कृष्ण, श्रीमद् भागवत गीता ग्रंथ, भगवान का वस्त्र, मोर मुकुट, मुरली की पूजा अर्चना की जा रही है। मंदिर में श्री कृष्ण की जन्म से लेकर महाभारत तक की झांकियां मुख्य आकर्षण का केंद्र है।

रांची का श्री राधा कृष्ण मंदिर धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र बन गया है। झारखंड के विभिन्न जिलों सहित दूसरे राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। मंदिर के पुजारी अरविंद पांडे पूरे श्रद्धा भाव के साथ श्रद्धालुओं को पूजा अर्चना कराकर प्रसाद वितरण कर रहे हैं।

मकर संक्रांति पर मालश्रृंग में लगा टुसू मेला

कांके के मालश्रृंग पंचायत में मकर संक्रांति त्यौहार के अवसर पर टुसू मेला का आयोजन किया गया। मेले की शुरूआत परम्परिक तौर पर पूजा अर्चना कर की गई। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व जिप सदस्य सह आजसू के कार्यकारी जिलाध्यक्ष हकीम अंसारी थे। पूर्व जिप सदस्य ने लोगों को मकर संक्रांति की बधाई और शुभकामनायें दी। कहा कि मालश्रृंग पंचायत का टुसू मेला एतिहासिक है। वर्षों से गांव में इसका आयोजन होते आ रहा है। मेला आपसी भाईचारा और सौहार्द को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। पूर्वजों के समय से चले आ रहे प्रथा आज भी जीवित है। मेले मे विवाह के लिए युवक युवतियों का रिश्ता भी तय होता है।

मेला को सफल बनाने मे मेला समिति के अध्यक्ष चन्द्रदेव कश्यप, जनक गुप्ता, सुजीत कुमार, देवीचरण, अजय राम, अशोक, नेहरू लाल, अनिल कुमार, अविनाश सहित समिति के अन्य सदस्यों का योगदान रहा।

धर्म व संस्कृति रूपी धागे से जुड़े रहकर ही सनातन परंपरा बचाई जा सकती है

रांची। शहर के कांके स्थित नेताजी एकेडमी होचर में मंगलवार को मकर संक्रांति का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महाविद्यालयीय विद्यार्थी प्रांत प्रमुख संजीत कुमार ने कहा कि इस पर्व में पतंग उड़ाने की भी परंपरा है। पतंग का धागा पतला होता है लेकिन वह धागे से जुड़ा रहकर ही आकाश की ऊंचाइयों तक पहुंच पाता है। इसी प्रकार परिवार, धर्म और संस्कृति रूपी धागे से जुड़े रहकर ही हम सनातन परंपरा को युगों-युगों तक बचाकर रख सकते हैं।

संजीत ने कहा कि सनातन हिंदू के सभी पर्व-त्योहार चंद्रमा की गति के अनुसार मनाए जाते हैं लेकिन मकर संक्रांति सूर्य के गति के अनुसार मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि सूर्य जब धनु राशि से मकर राशि में अंग्रेजी तिथि अनुसार 14 या 15 जनवरी को प्रवेश करता है तब मकर संक्रांति मनाई जाती है। देश के सभी प्रांतों में अलग-अलग नाम से यह पर्व मनाया जाता है। इसे झारखंड में टुसु और मकर संक्रांति, उत्तर प्रदेश में मकर संक्रांति, बिहार में खिचड़ी, पंजाब में लोहड़ी, गुजरात में उत्तरायण, तमिलनाडु में पोंगल, बंगाल में पौष संक्रांति, केरल में मकर बिल्लकु, असम में बिहू के रूप में मनाई जाती है।

संजीत ने कहा कि यह पर्व पवित्र नदियों में स्नान, दान एवं सेवा करने की विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में मकर संक्रांति के बाद के काल को शुभ माना गया है। महाभारत काल में भीष्म पितामह तब तक कुरुक्षेत्र में युद्ध के मैदान में तीर के शैय्या पर लेटे रहे जब तक मकर संक्रांति का काल नहीं आया यानी मकर संक्रांति को ही उन्होंने इच्छा मृत्यु के जरिये देह त्याग किया।

कार्यक्रम में सभी बच्चों ने तिलकुट, चूड़ा, दही, गुड़ आदि के बने प्रसाद को ग्रहण कर समाज को समरस बनाये रखने का संकल्प लिए। इस दौरान प्रधानाचार्य डॉ बिरेन्द्र साहु, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिठौरिया खंड के कार्यवाह दीपक चौरसिया सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

लापता दो सगी बहनों के घर पहुंचे मंत्री इरफान

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची : शहर के हिंदपीढ़ी से गायब दो सगी बहनों के परिजनों से मिलने मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी उनके आवास पहुंचे। अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस मामले को लेकर गंभीर हैं। सरकार पूरी कोशिश कर रही है। सरकार पूरे परिवार के साथ खड़ी है। जल्द दोनों लड़कियों को वापस लाया जाएगा।

इरफान अंसारी के साथ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, अजय नाथ शाहदेव और शहजादा अनवर आदि भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि युवतियों के चाचा ने पुलिस को बताया था कि दोनों बहनें 11 जनवरी की दोपहर 12.30 बजे घर से कांटाटोली के समीप मंगल टावर स्थित आधार केंद्र जाने के लिए निकली थीं। इसके बाद दोपहर के करीब 1.20 बजे एक भतीजी ने फोन कर पिता से कहा कि ऑटो चालक ने उनसे मोबाइल और पर्स छीन लिया है।

जबरन कहीं दूसरी जगह पर ले जा रहा है। इतना बोलने के बाद फोन कट गया। दोबारा फोन करने पर फोन बंद मिला। इसके बाद कोई संपर्क नहीं हो पाया है। बाद में पुलिस को दोनों का आखिरी लोकेशन ओरमांझी में मिला था। मामले में हिंदपीढ़ी थाना लगातार जांच-पड़ताल कर रही है।

जैन श्वेताम्बर साधुमार्गी संघ ने राज्यपाल को दिया निमंत्रण

रांची। जैन श्वेताम्बर साधुमार्गी संघ के आचार्य 1008 श्री रामलाल जी महाराज सा.के 50वें दीक्षा अंगीकार दिवस को स्वर्ण महोत्सव (महत्तम शिखर महोत्सव) के रूप में इस बार मनाया जा रहा है। स्वर्ण महोत्सव के उपलक्ष्य में राज्यपाल सन्तोष गंगवार को नोखा, बीकानेर राजस्थान आने का निमंत्रण आज श्रीसाधुमार्गी संघ, रांची ने दिया। राज्यपाल से आगामी स्वर्ण महोत्सव के लिए शुभ संदेश प्रदान करने का निवेदन किया। श्री साधुमार्गी जैन संघ के अध्यक्ष अशोक सुराणा, समता युवा संघ रांची के अध्यक्ष राकेश बच्छावत,उत्तम कोठारी, संयम जैन, डॉ. ज्ञानेन्द्र कुमार आदि ने राज्यपाल से मुलाकात कर निवेदन किया।

हेमंत सरकार जनता के लोकतांत्रिक व संवैधानिक अधिकारों का हनन कर रही : बाबूलाल मरांडी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि नगर निकाय चुनावों के प्रति उदासीनता और उच्च न्यायालय के आदेशों की अवहेलना कर हेमंत सरकार जनता की लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों का हनन कर रही है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा है कि राज्य निर्वाचन आयोग ने भी न्यायालय को अवगत कराया है कि हेमंत सरकार आवश्यक सहयोग प्रदान नहीं कर रही है।

नगर निकाय चुनावों को टालकर हेमंत सरकार प्रशासकों के माध्यम से इनके संचालन का काम कर रही है। इन प्रशासकों के संरक्षण में नगर निकायों में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का बोलबाला बढ़ रहा है। बिना निर्वाचित प्रतिनिधित्व के, नागरिक हितों की अनदेखी कर हेमंत सरकार बड़े घोटाले को अंजाम दे रही है।

इसके साथ मरांडी ने लोगों को मकर संक्रांति की बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि आप सभी को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं। सूर्य के उत्तरायण होने का यह पावन पर्व आपके जीवन में नई ऊर्जा, अपार समृद्धि और असीम उत्साह का संचार करे।

साथ ही उन्होंने सभी को टुसू पर्व की भी शुभकामनाएं दी हैं। मरांडी ने कहा है कि टुसू पर्व का मुख्य उद्देश्य फसल कटाई के बाद प्रकृति तथा फसल की समृद्धि के लिए आभार प्रकट करना है। यह पर्व आदिवासी समाज की परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत उदाहरण है।

सिटी पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में संगीत व भारतीय संस्कृति की दिखी अद्भुत झलक

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची : अरेशान एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी (पंजीकृत) द्वारा संचालित सिटी पब्लिक स्कूल, सेकेंड स्ट्रीट हिन्दपीढ़ी ने अपने 25 गौरवशाली वर्षों का जश्न मनाया। इस मौके पर कला क्राफ्ट एवं विज्ञान प्रदर्शनी सह वार्षिक पुरस्कार दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजेश सिन्हा सनी राष्ट्रीय सचिव युवा कांग्रेस अतिथि के रूप में सब्बीर हुसैन निदेशक आईएफए, धनंजय किशोर सेवानिवृत्त महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख-एशिया प्रशांत, एयर इंडिया, कहकशां मसूद अध्यक्ष अरीशान एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी, मोहम्मद तकिउल्लाह अंसारी,पीजीटी (भौतिकी) एवं परीक्षा नियंत्रक आर्मी पब्लिक स्कूल, रांची उपस्थित थे।

यह कार्यक्रम 'स्कूल की 25 वर्ष की गौरवशाली उपलब्धियां' के थीम पर आधारित रहा। इसमें भारत की संस्कृतिक छटा को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश सिन्हा सनी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

नन्हें मुन्हें बच्चों ने स्वागत गीत गाकर उपस्थित सभी गण्यमान्य अतिथियों का स्वागत किया। भारतीय संस्कृति की विशेषताओं और हमारे जीवन मूल्यों को दशार्ते हुए कई कार्यक्रम जैसे नृत्य, गीत, नाटक आदि प्रस्तुत किये गये। इस प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस मौके पर वर्ष भर स्टूडेंट को स्कूल की इंटरनल प्रतियोगिताएं हुईं। उसके विजेताओं को मोमेंटो और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ में स्कूल के पांच बोर्ड टॉपर्स को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर सिटी पब्लिक स्कूल में विज्ञान व कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण, सौर मंडल, पानी की बचत, वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, जल प्रदूषण सहित विज्ञान एवं कला के कई अन्य स्वनिर्मित मॉडल प्रस्तुत किये।

मुख्य अतिथि राजेश सिन्हा सनी ने बच्चों द्वारा निर्मित मॉडल का अवलोकन करने के पश्चात उनका उत्साहवर्द्धन किया। कहा कि स्कूल में बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए अन्य कार्यक्रमों के अलावा विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का भी आयोजन होना चाहिए। इससे बच्चों में विज्ञान एवं कला के प्रति रुचि जागृत होगी। साथ ही, उनमें आत्मविश्वास व आत्मनिर्भरता की भावना भी विकसित होगी। मौके पर स्कूल के निदेशक सह प्रिंसिपल मसूद कच्छी ने कहा कि शिक्षा से हमें ज्ञान और समझ मिलती है।

इससे हम अपने जीवन में बेहतर फैसले ले सकते हैं। शिक्षा से हमारी सोचने और समझने की क्षमता बढ़ती है। इससे हम समाज में सफलता पा सकते हैं और समाज की समस्याओं को सुलझाने में मदद कर सकते हैं। इस मौके पर मसूद कच्छी, स्कूल के शिक्षक मोहम्मद अशरफुल्लाह , आदिल अफनान, आसिफ जिया खान, नासिर, तफज्जुर रहमान, अबूजर रहमान, सुफियान, साबिल, खदीजा, सादिया, महविष, शबनम अजमत, रुकैया, मुस्कान, आफरीन, चाहत समेत स्कूल के सभी शिक्षक और कर्मी मौजूद थे।

संक्षिप्त

झामुमो जिला इकाई ने लोगों को कराया दही-चूड़ा का भोजन

दुमका। मकर संक्रांति पर झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला इकाई ने शहर के वीर कुंवर सिंह चौक पर लोगों को दही-चुड़ा का भोजन का स्टॉल लगाया। इस अवसर पर मुख्य रूप से जामा विधायक डॉ लुईस मरांडी उपस्थित रही। इस अवसर पर जरूरतमंदों एवं आम लोगों को दही-चुड़ा और तिलकुट का भोजन कराया। इस अवसर पर विधायक डॉ लुईस मरांडी ने लोगों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देशभर में बड़े उत्साह के साथ मकर संक्रांति पर्व मनाया जा रहा है। लोग अपने अपने तरीके से इस दिन को मनाते है। नए साल में प्रवेश करने कर अच्छे तरीके के बीते इसका संकल्प लेते है। जिला इकाई की ओर से मकर संक्रांति के अवसर पर लोगों को दही-चुड़ा का भोजन कराया जा रहा है। इसमें जरूरमंद हो या आम लोग हो जिनके घरों में किसी प्रकार से मकर संक्रांति नहीं हो सका है। वह यहां आकर दही-चुड़ा का भोजन करेंगे। कार्यकर्त्ता दिनभर लोगों को दही-चुड़ा का भोजन करायेंगे। यहां बता दें कि झामुमों की ओर से माह में चार दिन गरीबों और जरूरतमंदों को खिचड़ी खिलाया जाता रहा है। आज मकर संक्रांति के अवसर पर दही-चुड़ा का भोजन कराया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष शिवा बास्की, प्रवक्ता अब्दुस सलाम अंसारी, नगर अध्यक्ष रवि यादव समेत अन्य उपस्थित थे।

विष्णुगढ़ बीडीओ ने पत्रकारों के लिए जारी किया फरमान

विष्णुगढ़ : बीते शनिवार को विष्णुगढ़ प्रखंड मुख्यालय सभागार में पंचायत समिति सह समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी, जहां समीक्षा बैठक में अहम मुद्दों को कवर करने हेतु उपस्थित पत्रकारों को विष्णुगढ़ प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा अपना काम सिखाते हुए फरमान जारी कर दिया गया और पत्रकारों को कह दिया गया कि वह इस बैठक में उपस्थित नहीं रह सकते, उनका कार्य केवल कैमरे में तस्वीर कैद करना मात्र है। तथा सभागार से पत्रकारों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।वैसे तो विष्णुगढ़ प्रखंड विकास पदाधिकारी आए दिन अपनी कार्यशैली को लेकर चर्चा में बने नजर आते हैं। बड़ा सवाल यह कि यह दिक्कत केवल पत्रकारों से ही क्यों, बैठक में उपस्थिति और अनुपस्थिति का नियम केवल पत्रकारों पर ही क्यों लागू।

शेफाली गुप्ता सामूहिक प्रार्थना में हुईं शामिल

हजारीबाग : स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा देवांगना चौक में मकर संक्रांति के शुभअवसर पर संघ के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता शामिल हुई एवं परम पूजनीय डॉ केशव बलिराम हेडगेवार एवं परम पूजनीय माधव सदाशिव गोलवलकर की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित की। संघ द्वारा भगवा ध्वज को वंदन कर सामुहिक स्वयंसेवक संघ की प्रार्थना किया गया। भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने भगवा ध्वज को वंदन कर सामुहिक संघ की प्रार्थना में भाग लिया। इस दौरान बच्चों को खेलकूद एवं अभ्यास हेतु प्रोत्साहित की।

रेलवे ट्रैक पुल के समीप अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

कटकमसांडी : कटकमसांडी थाना क्षेत्र के एदला क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पुल के समीप एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। कटकमसांडी पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेते हुए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस बाबत कटकमसांडी थाना प्रभारी राजबल्लभ कुमार ने बताया कि मंगलवार की सुबह करीब नौ बजे सूचना मिली कि एदला रेलवे ट्रैक पुल के समीप एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। आशंका है कि वह रेल गाड़ी की चपेट में आ जाने से उसकी मौत हो गई है। शव की पहचान करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

बलबल गर्म कुंड में 50 हजार श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चतरा। चतरा और हजारीबाग जिले के सीमाने में महाने नदी के तट पर अवस्थित प्राचीन बलबल गर्म कुंड में मकर संक्रांति के मौके पर 50,000 श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। अहले सुबह से लेकर देर शाम तक यहां प्राचीन गर्म कुंड में स्नान और मां बागेश्वरी मंदिर में दर्शन और पूजन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मकर संक्रांति के मौके पर बलबल में 15 दिवसीय पशु मेले का भी आयोजन किया है।

इस बार रिकॉर्ड संख्या में बिहार, झारखंड और अन्य स्थानों से श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर मेला प्रबंधन समिति ने व्यापक प्रबंध किए हैं। मकर संक्रांति के मौके पर बलबल में लगने वाले 15 दिवसीय पशु मेला का उद्घाटन पूर्व विधायक जयप्रकाश सिंह भोक्ता, जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी, प्रमुख अनिता यादव, जिप सदस्य अनिता देवी सहित अन्य ने किया। यहां गर्म जलकुण्ड में स्नान तथा पूजा अर्चना को लेकर लगभग 50 हजार श्रद्धालु पहुंचे थे। दिनभर मेले में भीड़ रही।

पूजा अर्चना को लेकर मन्दिर परिसर में श्रद्धालु के लंबी कतार देखी गयी। स्थानीय लोग और पुलिस प्रशासन के सदस्य कतारबद्ध तरीके से पूजा के लिए मन्दिर में प्रवेश कराये। श्रद्धालु मेले परिसर और महाने नदी के तट पर चूड़ा, तिलकुट और गुड़ खाकर मकरसंक्रांति का पर्व मनाया। इसके बाद मेले में खेल तमाशा का आनंद लिया। इस बार झारखंड सहित बिहार, बंगाल, ओड़िसा समेत अन्य प्रदेशों से काफी संख्या में पशु व्यापारी यहां पहुंचे हैं। मेले की निगरानी सीसीटीवी कैमरे से की जा रही है। मेला में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर इंस्पेक्टर अवधेश सिंह और थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता, बीडीओ राहुल देव, सीओ सहित अन्य मुस्तैद हैं।

मकर संक्रांति पर बाबा बैजनाथ मंदिर में दिखी श्रद्धालुओं की भीड़

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

देवघर। मकर संक्रांति पर बाबा बैजनाथ मंदिर में मंगलवार को श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिलती है। मकर संक्रांति के दिन द्वादश ज्योतिर्लिंग पर दही, चूड़ा और तिल का लड्डू चढ़ाया जाता है। यह परंपरा रही है। मंदिर के पुजारी बताते हैं कि मकर संक्रांति के बाद सभी शुभ कार्य की शुरूआत होती है। इसलिए बाबा मंदिर में मकर संक्रांति से लेकर बसंत पंचमी तक श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ देखने मिलती है। पुजारियों ने कहा कि मकर संक्रांति की शुरूआत होते ही हर वर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर आते हैं। इस साल भी बहुत भीड़ देखी गई। बुद्ध पूर्णिमा के समय श्रद्धालु मंदिर में आकर अपने बेहतर भविष्य के लिए कामना ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक कर करते हैं।

नक्सलियों के गढ़ चेतमा में प्रशासन का सीधा संवाद कार्यक्रम, मंत्री-सांसद हुए शामिल

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। पलामू जिले के सुदूरवर्ती और नक्सलियों के गढ माने जाने वाले इलाकों में प्रशासन ग्रामीणों से सीधा संवाद कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को जिले के पाटन प्रखंड के चेतमा में जिला प्रशासन के द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर स्थानीय लोगों की समस्याओं को जाना गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर राज्य के संसदीय कार्य एवं वित्त विभाग के मंत्री राधाकृष्ण किशोर, पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम मुख्य रूप से शामिल हुए। जिला प्रशासन की ओर से उपायुक्त शशि रंजन, पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन, उपविकास आयुक्त शब्बीर अहमद, सदर एसडीओ सुलोचना मीणा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। मौके पर कई तरह की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया।

मौके पर वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि एक समय था, जब चेतमा, बुढ़ीबुका, तिलैया गांव में आम आदमी का पहुंचना मुश्किल था। आने जाने की सड़क और नक्सलियों का खतरा होने के कारण इन क्षेत्रों का विकास नहीं हो पाया, लेकिन गांव में आने जाने के लिए मिट्टी मोरम सड़क बना दी गयी है। पुलिस पिकेट स्थापित है। पहाड़ी क्षेत्र के लोगों का कैसे आर्थिक-समाजिक विकास हो, इसके लिए प्रयास किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद कार्यक्रम रखा गया।

प्रशासन इसमें काम कर रहा है। मंईयां सम्मान योजना का लाभ दिया जा रहा है। अबुआ आवास और प्रधानमंत्री आवास का लाभ दिया गया। पीने के पानी की समस्या दूर की जाएगी। यह हमारी जिम्मेवारी है। आजादी के बाद जिन इलाकों सिस्टम नहीं पहुंच पाया है, वहां पहुंचाना मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का उद्देश्य है। जबतक लोकतांत्रिक व्यवस्था आभावग्रस्त इलाकों में नहीं पहुंचेगी, तब तक समुचित विकास नहीं हो सकता।

सांसद वीडी राम ने कहा कि चेतमा को जोड़ने वाली सड़क की स्वीकृति दिला दी गयी है। जल्द निर्माण कार्य शुरू होगा। आदिवासी बाहुल गांवों के लिए प्रधानमंत्री जन मन योजना की शुरूआत की गयी है। बुनियादी जरूरतों को पूरा करने का पूरा प्रयास किया जा रहा है।

इनोवा कार से भारी मात्रा में नकली शराब जब्त

दुमका। दो इनोवा कार में छिपाकर ले जाए जा रहे भारी मात्रा में नकली अंग्रेजी शराब मंगलवार को जिले के हंसडीहा पुलिस ने बरामद किया है। हालांकि तीन तस्कर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। लेकिन पुलिस ने एक तस्कर को धर दबोचने में कामयाब रही। पुलिस ने उक्त इनोवा कार में छिपाकर रखी गई 1128 बोतल में करीब 462.6 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया है। मामले की जानकारी देते हुए एसडीपीओ अमित कुमार कश्यप ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी की तस्कर देवघर से हंसडीहा की तरफ दो अलग-अलग इनोवा कार में शराब की खेप लेकर बिहार की तरफ जाने वाली है। सूचना के आधार पर पुलिस ने एनएच 133 पर सघन वाहन जांच अभियान शुरू कर दिया। इस दौरान सरैयाहाट की ओर से आ रही दो इनोवा कार कुछ दूर पहले ही सड़क किनारे रुक गई।

कारोबारी के घर हुई डकैती के मामले में शामिल चार अपराधी गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गिरिडीह। बिरनी थाना क्षेत्र के बिराजपुर के कारोबारी सुरेश मोदी के घर डकैती की घटना को अंजाम देने वाले चार अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरिडीह पुलिस ने गिरफ्तार कर लूटे गये 55 हजार नगद के साथ दो बाइक और एक चाकू बरामद किया है।

मंगलवार को एसपी डॉक्टर विमल कुमार और एसडीपीओ धनंजय राम ने संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन कर पूरे मामले की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि अपराधियों ने विगत 02 जनवरी की रात में 20 लाख की डकैती की घटना की अंजाम दिया था । गिरफ्तार अपराधियो में चारों अपराधी धनबाद जिले कतरास थाना के श्यामडीह निवासी मोहम्मद मोहतमिम, करण दास और गुलजार अंसारी और मोहम्मद हातिम शामिल है। एसपी ने बताया कि सुरेश मोदी के घर डकैती की योजना गुलजार अंसारी ने बनायी थी । गुलजार अंसारी के इशारे पर पूरी टीम को तैयार करने का जिम्मा मो हातिम को मिला था। डकैती कांड के कई अपराधी फिलहाल फरार हैं। जिनकी तलाश की जा रही है।

बताया गया कि गिरफ्तारी को लेकर एसआईटी का गठन किया था । टीम ने एसडीपीओ धनंजय राम के नेतृत्व में अलग अलग राज्यों में छापेमारी किया जा रहा है। गिरफ्तार चारों अपराधी घटना के बाद कोलकाता और बंगाल के अलग अलग ज़िलों में फरार हो गए थे। पुलिस की पकड़ से बचने के लिए चारो अपराधी नॉर्मल मोबाइल का इस्तेमाल कर रहे थे। इस बीच गुलजार के छिपे होने की सूचना मिलने पर उसे दबोचा गया। इसके बाद गुलजार के निशानदेही पर तीनो को दबोचा गया। बताया गया पकड़े गये डकैतो का अपराधिक इतिहास भी रहा है।

नहीं रहे समाजसेवी विश्वनाथ साह, एक्सीडेंट में हुए थे घायल

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। बिशुनपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत संध्या-बंजारी रोड स्थित रानीबगीचा निवासी समाजसेवी विश्वनाथ साह (65) नहीं रहे। बीते 9 जनवरी को गढवा-मेराल मेन रोड पर गढ़वा की तरफ से आ रही अज्ञात पिकअप वाहन की चपेट में आने से बुरी तरह से घायल हो गए थे। आनन-फानन में आसपास के ग्रामीणों ने उन्हेंव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मेराल में भर्ती कराया था। चिकित्सों ने बेहतर इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया था।

सदर अस्पताल के चिकित्सकों ने इलाज करने के बाद बताया कि इनके माथे में गंभीर चोट है। इनके और भी बेहतर इलाज की जरूरत है। इसके बाद परिजन विश्वनाथ साह को बेहतर इलाज के लिए बनारस ले गए। वहां इलाज के दौरान 13 जनवरी को की मृत्यु हो गई। वे अपने पीछे दो पुत्र, पत्नी भरा पूरा परिवार छोड़ गए। मंगलवार सुबह उनका शव पैतृक गांव बिशुनपुरा पहुंचा। इससे गांव में मातम फैल गया। प्रखंड के जिला परिषद सदस्य शम्भूराम चंद्रवंशी, प्रमुख पति चन्दन कुमार मेहता, मुखिया पति प्रवीण कुमार यादव, बीडीसी पति भुनेश्वर राम सहित सैकड़ों की संख्या में लोग दिवंगत के घर पहुंचे। परिजनों को ढांढस बंधाया।

सड़क सुरक्षा माह पर नंदन पहाड़ में पतंग उड़ान कार्यक्रम आयोजित

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

देवघर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2025 के तहत मकर संक्रांति के अवसर पर उपायुक्त विशाल सागर के निर्देश पर मंगलवार को नंदन पहाड़ में पतंग उड़ान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का थीम ह्ययातायात नियम अपनाएं, दुर्घटना मुक्त सफर का सुरक्षित उड़ान भरेंह्व पर आधारित था। इसका मुख्य उद्देश्य वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात के बारे में जागरूक कर सुरक्षित सफर प्रदान करना है।

जागरुकता कार्यक्रम का शुभारंभ अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार ने पतंग उड़ाकर किया। कार्यक्रम में भाग लेने दूर से आए देवघर के नवयुवक खिलाड़ी को वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग करना, सीट बेल्ट का प्रयोग करना, खतरनाक तरीके से वाहन न चलाना, दो पहिया वाहन में दो से अधिक सवारी लेकर नहीं चलना, मोबाइल पर बात करते समय वाहन न चलाना, नशापान कर वाहन न चलाना, साथ ही अधिकृत उम्र होने पर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के उपरांत ही वाहन चलाने के प्रति जागरूक किया गया।

मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक शिव कुमार राय, मोटरयान निरीक्षक अमित झा, सुभाष तिग्गा, प्रथम कुमार रजवार, सड़क अभियंत्रिक विश्लेषक प्रविंद कुमार, आईटी सहायक अजय कुमार एवं अन्य कार्यालय कर्मी उपस्थित थे।

विभावि लौटने पर कुलपति ने किया विजेता दल का स्वागत

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय का युवा महोत्सव दल मंगलवार को सुबह 7:15 बजे हजारीबाग में विश्वविद्यालय परिसर पहुंचा। विश्वविद्यालय मुख्यालय पहुंचने पर दल का स्वागत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर पवन कुमार पोद्दार, छात्रकल्याण संकायअध्यक्ष डॉ विकास कुमार तथा कुलसचिव डॉ सादिक रज्जाक ने किया। इस अवसर पर स्नातकोत्तर कला एवं संस्कृति परिषद के सचिव डॉ सुकल्याण मोइत्रा, मानवविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ विनोद रंजन तथा अर्थशास्त्र के प्राध्यापक डॉ उमेंद्र सिंह मौजूद थे। विश्वविद्यालय दल के प्रबंधक डॉ जॉनी रुफिना तिर्की, सह प्रबंधक डॉ अर्चना रीना धान तथा सहायक प्रशिक्षक सोनू कुमार के साथ-साथ सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया गया।

मां और बेटा ने पुलिस कर्मियों पर लगाए गंभीर आरोप, लगाई न्याय की गुहार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

आदित्यपुर। बीते 9 जनवरी को कुछ पुलिस कर्मियों द्वारा घर में घुसकर महिला और बच्चों के साथ दुर्व्यवहार किए जाने को लेकर पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर न्याय की गुहार लगाई है। जिसकी प्रतिलिपि झारखंड सरकार मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक चाईबासा को भेजी गई हैं।

महिला माला प्रमाणिक ने पुलिस पर क्या लगाया आरोप?

बुधवार को गम्हरिया भोलाईडीह निवासी माला प्रमाणिक ने प्रेस कांफ्रेंस करके जानकारी दी कि बीते 9 जनवरी रात्रि 12.30 बजे करीब कुछ पुलिसकर्मी मेरे घर आए तथा घर का दरवाजा में जोर-जोर से लात मार कर खोलने के लिए कहने लगे। इसी बीच पीड़ित महिला के पति जब दरवाजा खोला तो पुलिस कर्मियों ने कहा कि मेरे साथ पुलिस स्टेशन चलो। जब उनसे पूछा गया कि किस कारण चलने के लिए कहा जा रहा है तो पुलिस कर्मियों ने जवाब नहीं दिया। वही उनका बेटा राजा प्रमाणिक जमशेदपुर कोऑपरेटिव कॉलेज का एक छात्र है, जब उसने पुलिस कर्मियों से जानकारी लेने का प्रयास किया तो पुलिस कर्मियों जवाब देने की जगह उल्टा ही पीटने लगा, साथ ही लड़के के माँ को डंडे से पीटा। वही मुंह दबाकर अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगे।

पीड़ित महिला के बेटे ने लगाया आरोप

राजा प्रमाणिक ने आरोप लगाया कि आदित्यपुर थाना पुलिस जबरन मुझे पकड़ कर ले गई और हाजत में बंद कर दिया। हाजत में बंद करने के साथ ही पुलिस कर्मियों ने थाने में कहा कि तुमको बहुत वीडियो बनाने का शौक है मैं तुम्हारे पेंट खोलकर यही वीडियो बनाऊंगा उन्होंने बताया कि रात भर थाने में रखने के बाद सुबह छोड़ दिया गया।

क्या कहा थाना प्रभारी ने

आदित्यपुर थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने जानकारी दी कि माला प्रमाणिक के पति का नाम पेटू प्रमाणिक है जिनके ऊपर कई आपराधिक मामले दर्ज है। वहीं कई बड़े-बड़े अपराधियों को घर में बुलाकर बैठकी करवाने की पुलिस को सूचना मिली हैं । पुलिस क्षेत्र में विधि व्यवस्था को कायम रखने के लिए गई थी। जहां पेटू प्रमाणिक द्वारा घर में रखे पालतू कुत्ते को छोड़ दिया गया जिससे पालतू जानवर पुलिस पर ही झपट्टा मार दिया। जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया है।

अश्लील बर्ताव के कारण पीड़ित परिवार का जीना हुआ बेहाल

पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया की अश्लील बर्ताव के कारण ना तो हम सही से अपनी जिंदगी जी का रहे हैं और ना ही मेरा बेटा सही से पढ़ाई कर पा रहा हैं, समाज में किसी के सामने मुँह भी नहीं दिखला पा रहे हैं। जहर खाने तक की नौबत आ चुकी है। उन्होंने बताया कि पूरी घटना का वीडियो क्लिप मौजूद है। पुलिस द्वारा किसी भी झूठे केस में फंसाने की कोशिश कर सकते हैं। फिलहाल इस घटना से स्थानीय महिलाओं में भी आक्रोश देखने को मिल रहा है।

मकर संक्रांति पर बोकारो में दिखी लघु भारत की छटा

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। बोकारो शहर में विभिन्न प्रांतों के लोग निवास करते हैं और यही कारण है कि इसे मिनी भारत के रूप में जाना जाता है। मंगलवार को भी यां लघु भारत की छटा दिखी। अवसर था मकर संक्रांति का। यहां रहनेवाले विभिन्न प्रांतों के लोगों ने अपनी संस्कृति और परंपरा के अनुसार इस पर्व का आनंद लिया। मकर संक्रांति पर कहीं पोंगल तो कहीं मकरचौला आदि के नाम से इस पर्व को मनाया गया।

सिख समुदाय के लोग मकर संक्रांति के एक दिन पहले ही लोहड़ी के रूप में इसे मनाया, तो केरल राज्य के रहने वाले लोगों ने मकर संक्रांति के दिन भगवान अयप्पा की पूजा की। उसके बाद अन्नदान किया। बोकारो में तमिलवासी भी रहते हैं, जिन्होंने पोंगल मनाया। यह प्रति वर्ष 14-15 जनवरी को मनाया जाता है। जो फसल की कटाई का उत्सव होता है। पोंगल का तमिल में अर्थ उफान या विप्लव होता है। पारम्परिक रूप से यह सम्पन्नता को समर्पित त्यौहार है। जिसमें समृद्धि लाने के लिए वर्षा, धूप तथा खेतिहर मवेशियों की आराधना की जाती है।

ओडिशावासियों ने मनाया मकरचौला

बोकारो में काफी तादाद में ओडिशा के लोग भी रहते हैं, जिन्होंने मकरचौला बनाकर त्योहार का मजा लिया। उत्कल सेवा समिति के डॉ. यू. मोहंती ने बताया कि कच्चा चावल, केला, नारियल, रसगुल्ला, छेना वगैरह छनता है। बालासुर में मकर मुनि का मंदिर है। वहां मेला लगता है। सूरज की पूजा होती है। दूसरी तरफ, गुजराती समाज के लोगों ने पतंगबाजी का मजा लिया।

विभिन्न प्रांतों के लोगों ने अपनी परंपरा के अनुसार मनाया पर्व

लाखों लोगों ने लगाई आस्था की डुबकी

बोकारो, चास व बेरमो सहित जिले में लाखों लोगों ने मकर संक्रांति के अवसर मकर स्नान करते हुए आस्था की डुबकी लगाई। दामोदर नदी सहित विभिन्न जल स्रोतों में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। फुसरो-पिछरी के मध्य स्थित हथिया पत्थर धाम में भक्तों तथा मेला देखने वालों का सैलाब उमड़ा। यहां लगभग एक लाख भक्तों ने मेला तथा पूजा में भाग लिया। इस दौरान लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हिन्दुस्तान पुल पर पैदल चलना भी मुश्किल रहा। इस बीच भीड़ में उचक्कों द्वारा चेन छिनतई की घटनाएं भी सामने आईं। अव्यवस्था को नियंत्रित करने में प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह विफल साबित हुई।

यूपीवासियों में चला दान, खिचड़ी और पतंगबाजी का दौर

उत्तर प्रदेश के रहनेवाले लोगों ने मकर संक्रांति पर दान-पुण्य किया। इलाहाबाद में एक महीने का माघ मेला लगता है। 14 दिसंबर से 14 जनवरी तक आमतौर पर खरमास चलता है। यूपी के लोग इस पर्व का नाम खिचड़ी रखा है। जमकर खिचड़ी खाई जाती है और पतंग उड़ाने का प्रतियोगिता होती है। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के लोगों ने मकर संक्रांति को पीठा उत्सव के रूप में मनाया। बंगाली लोगों ने चावल की गुंड़ी में घी, दूध, नारियल पानी डालकर उस आटे के अंदर खजूर गुड़ आदि डालकर उसका पीठा बनाते हैं, जिसे पौष संक्रांति भी कहा जाता है।

दामोदर किनारे जगह-जगह टुसू पर्व की धूम, लगे मेले

शुक्रवार को मकर संक्रांति पर बोकारो, चास के विभिन्न क्षेत्रों में टुसू पर्व की भी धूम रही। झारखंडी संस्कृति से जुड़े लोगों ने दामोदर किनारे तेलमच्चो पुल के नीचे काफी संख्या में जुटकर पवित्र स्नान किया और भगवान सूर्य की पूजा कर पर्व का आनंद लिया। बता दें कि बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, रामगढ़, हजारीबाग इस पर्व को टुसू पर्व के रूप में मनाया जाता है। किसान दीनी टुसू मनी के रूप में पूरे पौष महीने तक पूजा-अर्चना करते हैं। वहीं, मकर संक्रांति के दिन उसका विसर्जन किया जाता है। उसके बाद दही-चूड़ा, लाई, पूष पीठा का सेवन किया जाता है। वहीं मकर संक्रांति के एक दिन पहले बाउंड़ी मनाने का प्रचलन है।

सनातन धर्म का प्रमुख पर्व है मकर संक्रांति : विधायक

बोकारो। बोकारो विधायक श्वेता सिंह मंगलवार को मकर संक्रांति के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुईं। प्रातः चेचका धाम पहुंच कर भगवान शिव की पूजा अर्चना की और बोकारो विधानसभा क्षेत्र की जनता के लिए खुशहाली मांगी। मौके पर श्रीमती सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मकर संक्रांति सनातन धर्म का एक प्रमुख पर्व है, जो भगवान भास्कर के मकर राशि में प्रवेश करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। आज का दिन सिर्फ धार्मिक महत्व ही नहीं रखता, अपितु इसका संबंध विज्ञान कृषि और सामाजिक जीवन से भी है। इस पर्व को नई ऊर्जा, नई फसल और नई शुरूआत का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर श्रीमती सिंह ने लोगों के बीच में चूड़ा दही, तिलकुट आदि वितरण कर हर्षोल्लास के साथ पर्व को मनाया। मौके पर सागर दत्ता, सदानंद उपाध्याय, वकील ठाकुर, सूरज पाठक, विक्की तिवारी, रवि मेहता आदि मौजूद रहे। तत्पश्चात विधायक दामोदर पुल पुपुनकी पर आयोजित विराट टुसू पर्व प्रतियोगिता में शामिल हुईं।क्षेत्र-भ्रमण के दौरान बाधाडीह पंचायत के धोबनी ग्राम में क्रिकेट टूनामेंट का उद्घाटन करते हुए विधायक ने कहा कि युवाओं के उत्साह को सकारात्मक सांचे में ढालने में खेल के मैदान की महत्वपूर्ण भूमिका है। खेल को खेल भावना से खेलने की आवश्यकता है।

तिल चाउर बहब... मिथिलावासियों के घर तिला-संकराति की रही धूम

बोकारो में मिथिलांचल के लोग भी भारी तादाद में बसते हैं और मिथिला की भी अपनी अनूठी सांस्कृतिक पहचान व परंपराएं हैं। कई त्योहार मिथिलावासी अपनी परंपरानुसार मनाते हैं। इन्हीं में से मकर संक्रांति भी एक है, जिसे मिथिलावासी तिला-संकराति के रूप में मनाया। वैसे तो बाकी समाज के लोगों की तरह ही इसमें गुड़ से निर्मित मूढ़ी और चूड़ा का लाई खाया-खिलाया जाता है और मंदिरों में अन्नदान की परंपरा है, पर खास बात यह है कि इस दिन घर के बड़ी-बुजुर्ग महिलाएं तिल, चावल और गुड़ पानी में मिश्रित कर परिवार के सभी छोटे सदस्यों को तिल-चाउर बहब... कहकर तीन बार देती हैं और बच्चे तीनों बार हां बहब कहते हैं। मिथिला सांस्कृतिक परिषद के सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक अरुण पाठक के अनुसार यह एक प्रकार से वचन लेने की परंपरा है। घर की वरिष्ठतम महिला सदस्य अपने बच्चों से उनके और परिवार के प्रति कर्तव्य-निर्वहन का वचन लेती हैं। इसके अलावा दिन में दही-चूड़ा और रात को उड़द दाल से निर्मित खिचड़ी खाने की प्रधानता है।

संक्षिप्त

तुपकाडीह में चारदिवसीय मेला आज से

बोकारो। तुपकाडीह के आसपास लगने वाला चार दिवसीय मकर संक्रांति मेला 15 जनवरी से शुरू हो जायेगा। चास प्रखंड क्षेत्र मानगो पंचायत में दामोदर नदी के किनारे भंडारीदह रेल पुल के बगल में खेलायचंडी मेला 15 को लगेगा। 16 जनवरी को मानगो चौक के समीप बाबा चरका पत्थर मेला तथा पंचौरा दामोदर पिकनिक स्पॉट में बोरवाघाट मेला में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ती है। इसी प्रकार जरीडीह प्रखंड के तांतरी उत्तरी पंचायत के शाहीतुंगरी पहाड़ के समीप 17 जनवरी को तथा खुटरी पंचायत के केंदुआडीह में 18 जनवरी को मेला लगता है।

बोकारो थर्मल से बोलेरो की चोरी

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र अंतर्गत सीसीएल गोविंदपुर कॉलोनी से आवास के बाहर खड़ी बोलेरो की चोरी चोरों ने कर ली। घटना सोमवार रात्रि की है। घटना के संबंध में सीसीएल गोविंदपुर कॉलोनी स्थित आवास संख्या एमक्यू-328 निवासी बोलेरो मालिक प्रकाश साव ने बताया कि सोमवार की रात्रि लगभग साढ़े ग्यारह बजे पेंक नारायणपुर थाना अंतर्गत गोनियाटो निवासी बोलेरो का चालक संजय कुमार साव बोलेरो नंबर-जेएच09एके-9282 लेकर आया और सीसीएल गोविंदपुर कॉलोनी स्थित उसके आवास के बाहर लगाकर चाभी देकर अपने घर चला गया। मंगलवार की सुबह सवा पांच बजे जब वह सोकर उठा और घर से बाहर निकला तो बोलेरो नहीं था। चोरी गए बोलेरो की कीमत लगभग पांच लाख रुपये थी।

सदर अस्पताल में लगेगा रक्तदान शिविर

बोकारो। सामाजिकता-निर्वहन की कड़ी में स्वयंसेवी संस्था वेडआरएनएम केयर फाउंडेशन की ओर से एक और कदम बढ़ाया जा रहा है। विगत वर्ष की भांति इस बार भी फाउंडेशन की ओर से बोकारो सदर अस्पताल में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर आगामी 23 जनवरी को एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। 23 जनवरी को प्रातः 10:30 बजे से शिविर आयोजित किया जाएगा। इस आशय की जानकारी देते हुए फाउंडेशन की संस्थापक निभा चौधरी ने बताया कि नेताजी ने कहा था 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा'। देश को आजादी दिलाने में नेताजी के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता है।

रंगदारी मांगने पर दुकानदारों ने की पिटाई

जमशेदपुर। सिदगोड़ा के बारीडीह बाजार में एक युवक दुकानदारों से रंगदारी की मांग करने पहुंचा हुआ था। इस बीच बाजार के सभी दुकानदार एकजुट हो गए और उसकी पिटाई कर दी। बाद में उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि अभी मामले की जांच चल रही है। बिरसानगर का रहने वाला है आरोपी आरोपी का नाम राजेश गिरी है और वह बिरसानगर ईलाके का रहने वाला है। वह मिथिलेश साहू की गल्ले की दुकान पर पहुंचा था और रंगदारी की मांग करने लगा। नहीं देने पर उसने गल्ले में हाथ डाला और रुपये लूटकर भागने लगा था।

मनीष राज गुप्ता ने सेल के नए निदेशक का संभाला पदभार

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के नए निदेशक (तकनीकी, परियोजनाएं और कच्चा माल विभाग) का पदभार वरिष्ठ एवं अनुभवी अधिकारी मनीष राज गुप्ता ने मंगलवार को संभाल लिया। एमएएनआईटी, भोपाल से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक श्री गुप्ता ने वर्ष 1991 में दुगार्पुर स्टील प्लांट से मैनेजमेंट ट्रेनी (तकनीकी) के रूप में, सेल के साथ अपना करियर शुरू किया था। इस्पात उद्योग में तीन दशकों से अधिक अनुभव रखने वाले एक निपुण प्रोफेशनल श्री गुप्ता ने सेल के विभिन्न संयंत्रों और इकाइयों में काम किया है, जहां उन्होंने लगातार उत्कृष्ट तकनीकी विशेषज्ञता, परिचालन उत्कृष्टता और नेतृत्व का प्रदर्शन किया है। श्री गुप्ता ने अपनी विभिन्न भूमिकाओं के माध्यम से सेल में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दुगार्पुर स्टील प्लांट में अपने लंबे कार्यकाल के दौरान, उन्होंने स्टील मेल्टिंग शॉप की दक्षता और सुरक्षा में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 2019 में वह बोकारो स्टील प्लांट में मुख्य महाप्रबंधक बने और विभिन्न प्रौद्योगिकी उन्नयन का नेतृत्व किया और आधुनिकीकरण परियोजनाओं का हिस्सा रहे। बाद में इस्को स्टील प्लांट के कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) के रूप में उन्होंने सस्टेनेबिलिटी, लागत अनुकूलन और डिजिटल प्रौद्योगिकी अपनाने पर ध्यान केंद्रित किया।

गलत बिल पास नहीं किया, तो पिंटू को उतार दिया मौत के घाट

- प्रेम-प्रसंग और जमीन-विवाद के पहलुओं पर भी चल रही जांच

हजारीबाग कोषागार के कर्मी की हत्या में दो दिन बाद भी कोई सुराग नहीं

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। जिले कसमार थाना क्षेत्र अंतर्गत मधुकरपुर में दो अपराधियों ने 12 जनवरी की रात हजारीबाग ट्रेजरी ऑफिस में कार्यरत असिस्टेंट अकाउंटेंट पिंटू कुमार नायक को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। हत्या की वजह गलत बिल पास करने का दबाव बताया जा रहा है।

हालांकि, इसकी पुलिसिया पुष्टि फिलहाल नहीं हो सकी है। मर्डर के दो दिन बीतने के बाद भी पुलिस को कोई ठोस सुराग इस मामले में हाथ नहीं लग सका है। जांच जारी है। इधर, उक्त मामले का शीघ्र खुलासा करने की मांग तेज होने लगी है। वैसे, पुलिस शीघ्र खुलासा करने का दावा कर रही है। मंगलवार को टेक्निकल सेल की मदद से मोबाइल के सीडीआर रिपोर्ट के आधार पर अंतिम बातचीत व लोकेशन के आधार पर पुलिस दो संदिग्धों को गिरफ्त में लेकर पूछताछ कर रही है। खोजी कुत्ते के सहारे घर से लगभग 500 मीटर में अपराधियों के आने-जाने की की गतिविधि जानकारी मिली थी। इसके आगे अपराधी भागने में बाइक का सहारा लिया है। वरीय पुलिस अधिकारी की मानें तो इस गोली कांड मामले को लेकर तीन बिंदुओं पर छानबीन की जा रही है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बेरमो एसडीपीओ के नेतृत्व में जरीडीह पुलिस इंस्पेक्टर व कसमार, जरीडीह व पेटरवार के थानेदार तथा आईओ चंद्रदेव कुमार की विशेष टीम भी गठित की गई है। चर्चा है कि पुलिस प्रेम-प्रसंग, जमीन विवाद व हजारीबाग ट्रेजरी से गलत बिल पास कराने का दबाव मसले को लेकर जान से मारने की धमकी आदि बिंदुओं आदि पर छानबीन कर रही है। मृतक की मां सरस्वती देवी ने पुलिस को बताया कि ट्रेजरी ऑफिस में एक गलत बिल पास करने का दबाव भी फोन पर दिया जा रहा था, अन्यथा अंजाम भुगतने की धमकी मिली थी।

कई वर्ष पहले ही पैतृक जमीन विवाद को लेकर पिंटू की भाभी सुनीता देवी से झगड़ा हुआ था। हालांकि, एक जनप्रतिनिधि का कहना है कि भाभी के साथ जमीन विवाद पर समझौता हो चुका था। तीसरा मामला जो सामने आ रहा है, वह रांची के एक युवती से उनका प्रेम-प्रसंग बताया जा रहा है। युवती की शादी अन्यत्र होने के बावजूद भी पिंटू प्रेमिका के घर आना-जाना करता था। इस संबंध में पुलिस निरीक्षक मुकेश कुमार पांडेय ने भी बताया कि पुलिस तीन बिंदुओं पर जांच कर रही है। जल्द खुलासा किया जाएगा। बता दें कि मृतक पिंटू दो साल पहले ही हजारीबाग जिला ट्रेजरी में असिस्टेंट अकाउंटेंट पद पर कार्यरत था। वह साप्ताहिक अवकाश पर रविवार को अपने घर में आकर लिंटन का ढलाई कराया। उसी रात को घात लगाकर दो अपराधियों ने सो रहे पिंटू को गोली मारकर भाग गए। पहली गोली की आवाज के बाद पिता जगे। पिता ने जब तक हल्ला किया तब तक अपराधी दूसरा गोली मारकर छत से होकर भाग गए। पिता ने यह बातें पुलिस को दी है। बेड पर पुत्र का खून से लथपथ देख पिता बेहोश हो गए। इधर, सूत्रों से पता चला है कि सबसे पहले अपराधी घर के पीछे गए और खिड़की से झांका तो पिंटू को सोया देखा। इसके बाद छत से चढ़कर वारदात को अंजाम दिया।

तिलक लगाए, दिए फूल, कहा- भैया हेलमेट पहनना न जाना भूल

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। बोकारो सहित आसपास के इलाके में विभिन्न जगहों पर अलग-अलग संगठनों की ओर से इन दिनों सड़क सुरक्षा को लेकर सघन अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को बोकारो स्टील की ओर से भी नगर के मुख्य चौक-चौराहों पर विशेष अभियान चलाया गया।

बोकारो स्टील के सुरक्षा अभियंत्रण विभाग के द्वारा जनमानस के लिए सड़क सुरक्षा जागरूकता का विशेष अभियान चलाया गया। नगर के प्रमुख चौराहों - बीजीएच, गांधी चौक एवं पत्थरकट्टा चौराहे पर एनसीसी के कैडेट्स के द्वारा दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के माथे पर तिलक लगाकर और टॉफी देकर चालकों से सड़क सुरक्षा संबंधित नियमों का पालन करने का अनुरोध किया गया। इस मौके पर बच्चों के साथ सुरक्षा अभियंत्रण विभाग के सहायक महाप्रबंधक नेहाल पासवान, बीएस एल सिक्योरिटी विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद थे। सभी वाहन चालकों ने एन सी सी के कैडेट्स के इस प्रयास की बेहद सराहना और सराहना की। इधर, बोकारो स्टील प्लांट के एसएमएस (न्यू) विभाग में भी मंगलवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका शुभारम्भ अधिशासी निदेशक (संकार्य) सीआर महापात्रा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) बीके सरतापे, मुख्य महाप्रबंधक (एमआरडी एवं अतिरिक्त प्रभार एसएमएस - न्यू) राजीव धवन, मुख्य महाप्रबंधक (सीईडी) शालिग्राम सिंह, वरीय अधिकारी तथा विभाग के कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने सुरक्षा शपथ ली उसके बाद उन्हें सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया।

वृद्ध भिखारी का शव बरामद ठंड से मौत की आशंका

जमशेदपुर। जादूगोड़ा थाना क्षेत्र के गालूडीह बराज के पास एक 65 वर्षीय वृद्ध का शव बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, वृद्ध की मौत ठंड के कारण हुई है। जादूगोड़ा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर यूसिल शीतगृह में रख दिया है। ताकि पहचान के बाद शव को उसके परिजनों को सौंपा जा सके। वृद्ध के बारे में पता चले तो थाना से संपर्क करें। स्थानीय निवासियों की मानें तो वृद्ध विक्षुब्ध था और भीख मांगकर अपना जीवन यापन करता था। उसे अक्सर गालूडीह बराज के आसपास देखा जाता था।

चंदनकियारी में सोल्लास के साथ मना टुसू परब

तालगड़िया (बोकारो)। चंदनकियारी प्रखंड के पड़ुवा स्थित बिनोद बिहारी महतो पुल के नीचे नवयुवक संघ समिति डुंगरी और जोहार सिलफोर फाउंडेशन सिलफोर की ओर से आयोजित मंगलवार दो-दिवसीय टुसू परब का समापन सोल्लास हो गया। इसमें हजारों ग्रामीण शामिल हुए। वक्ताओं ने कहा कि टुसू परब झारखंड का एक सांस्कृतिक परब है। विलुप्त हो रहे टुसू गीतों का संरक्षण जरूरी है। उत्सव मानव जीवन का अभिन्न कार्य है। मौके पर झारखंड के जाने-माने लोकगीत गायक सतीश दास, गायिका रेवती महतो, सावित्री कर्मकार समेत कई लोगों ने भाग लिया। इसके अलावा झारखंड के विभिन्न जिलों से आए झारखंडी कलाकार, पाता नाच, झूमर नाच, नटुवा नाच देखकर लोग मंत्रमुग्ध हुए। बिनोद बिहारी महतो पुल पर टुसू मिलन प्रतियोगिता में 16 टुसू समूहों को पुरस्कृत किया गया। प्रथम पुरस्कार 10 हजार, द्वितीय पुरस्कार छह हजार, तृतीय पुरस्कार चार हजार, चतुर्थ पुरस्कार तीन हजार व पंचम पुरस्कार दो हजार रुपए दिए गए। मौके पर मनोज महतो, दीपक महतो, रूपेश महतो, सूरज महतो, सुभाष महतो, नितेश महतो, किशन महतो, प्रेम महतो, आशिक कर्मकार, आकाश महतो, सौरव महतो, आलोक महतो, रोहित महतो, दिनेश महतो, धनंजय महतो, अमृत महतो, दयानंद महतो आदि मौजूद रहे।

चिन्मय परिवार ने की विष्णु सहस्त्रनाम पूजा

बोकारो। चिन्मय विद्यालय बोकारो में मकर संक्रांति के अवसर पर मंगलवार को विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं विश्व कल्याण के लिए विष्णु सहस्त्रनाम की पूजा की गई। विद्यालय के तेजोमयानंद सभागार में विष्णु सहस्त्र नामों की पूजा अर्चना बहुत ही धूमधाम एवं वैदिक विधि-विधान के साथ की गई। इसमें विद्यालय के अध्यक्ष बिश्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आरएन मलिक, प्राचार्य सूरज शर्मा एवं उप प्राचार्य नरमेन्द्र कुमार ने पूजा में भाग लिया। विष्णु सहस्त्र नाम की पूजा-अर्चना पूरे विधि-विधान से पंकज कुमार मिश्रा, उदित कुमार पांडे एवं मनीष कुमार पांडे ने सम्पन्न किया। इस अवसर पर विद्यालय अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय, विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से सभी को ढेरों शुभकामनाएं दी एवं उनके खुशहाल जीवन के लिए प्रार्थना की। प्राचार्य सूरज शर्मा ने शुभकामनाएं आने वाले समय में छात्र छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों के जीवन में अनुशासन से भरी खुशियां, सफलता एवं उपलब्धियां हासिल होने की आशा व्यक्त की। मौके पर संजीव सिंह, सुप्रिया चौधरी, रणधीर नारायण, रजनीश चौधरी, पंचानंद शर्मा, विशाल मौर्या, आदर्श आचार्या, विजय भौमिक, संजय चक्रवर्ती, निखिल चंद्र मिश्रा, पुनीत दोसी एवं अन्य शिक्षक व शिक्षकेत्तरकर्मी उपस्थित रहे।

स्वदेशी मेले में समाज व संगठन में महिलाओं की भूमिका पर परिचर्चा आयोजित

महिला हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर काम करने में सक्षम : अनुजा

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। बोकारो के सेक्टर- 4 स्थित मजदूर मैदान में चल रहे स्वदेशी मेले के क्रम में समाज व संगठन में महिलाओं की भूमिका को लेकर स्वदेशी जागरण मंच के महिला कार्यकताओं की ओर से एक परिचर्चा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुजा सिंह की तथा संचालन पूनम सिन्हा ने किया। परिचर्चा को संबोधित करते हुए अनुजा सिंह ने कहा कि महिला शक्ति को समझते हुए आज सरकार को भी 33 प्रतिशत आरक्षण देना पड़ रहा है। महिलाएं किसी क्षेत्र में भी पुरुषों से काम नहीं हैं, बल्कि उनके साथ हर क्षेत्र में कदम से कदम मिलाकर काम करने में सक्षम हैं। वहीं, पूनम सिन्हा ने कहा कि आज अपना जिला और यह मेला महिला सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज अपने जिले की महिला डीसी व एसडीएम सहित अन्य कई महिला अधिकारी जिले को संभाली हुई हैं और बेहतरीन रूप से काम हो रहा है। इसी प्रकार इस मेल के सफल आयोजन में महिला कार्यकताओं की भूमिका को नकार नहीं सकते।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए मनोरमा चौधरी ने भी सामाजिक व सांगठनिक कार्यों में महिलाओं की अधिकाधिक भागीदारी पर बल दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राधा सिंह, नूतन वर्मा, रीता सिन्हा, आशा सिन्हा, नीलम सिंह, ममता वर्मा, सरिता श्रीवास्तव, दीपाश्री बोराल आदि महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई।

जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा ने सभी महिलाओं को डिजिटल हस्ताक्षर के बारे में जानकारी दी एवं कहा कि सभी अपना-अपने परिवार के सदस्यों का एवं समाज के लोगों का डिजिटल हस्ताक्षर कराए।

महात्मा बुद्ध के विचारों को आचार में लाना भी जरूरी

तनवीर जाफ़री

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि हम उस देश के वासी हैं जिसने दुनिया को युद्ध नहीं बुद्ध दिये हैं। वे अनेक बार बुद्ध की सत्य और अहिंसा की नीतियों का उल्लेख महत्वपूर्ण मंचों से करते रहे हैं। लगभग 3 माह पूर्व प्रधानमंत्री ने दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस को संबोधित करते हुए भी यही कहा था कि दुनिया युद्ध में नहीं बल्कि बुद्ध में समाधान ढूंढ सकती है।

हमारा देश भारत को देवी-देवताओं,संतों- ऋषियों व फकीरों की धरती कहा जाता है। हमारे देश में अलग अलग युग व काल में अनेकानेक देवी देवताओं , महापुरुषों , समाज सुधारक, युग प्रवर्तक व धर्म प्रवर्तकों ने जन्म लिया है। इन महापुरुषों द्वारा सत्य और धर्म के मार्ग पर चलते हुये विश्व को मानवता का सन्देश दिया गया है। ऐसे ही एक महान तपस्वी त्यागी तथा सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाते हुये पूरी मानवता को जीने की एक नई दिशा दिखाने वाले बौद्ध धर्म के प्रवर्तक भगवान गौतम बुद्ध का नाम भी सर्व प्रमुख है। बौद्ध धर्म कंबोडिया, म्यांमार, भूटान और श्रीलंका में राजकीय धर्म के रूप में अपना स्थान रखता है जबकि थाईलैंड और लाओस में बौद्ध धर्म को विशेष दर्जा हासिल है। चीन, हांगकांग, मकाऊ,जापान,सिंगापुर, ताइवान, वियतनाम,रूस व कलमीकिया में बौद्ध धर्म बहुसंख्य समाज द्वारा अपनाया जाता है जबकि उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, नेपाल और भारत में भी बौद्ध समुदाय की बड़ी आबादी रहती है। ईसा पूर्व 563 में नेपाल के लुम्बिनी में जन्मे महात्मा बुद्ध का पूरे विश्व में अपना प्रभाव छोड़ना और उनके अनुयाइयों का विश्वव्यापी विस्तार इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये काफी है कि वे जनमानस पर अपनी असाधारण छाप छोड़ने वाले एक ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने पूरी इंसानियत को सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाया।

हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपने महत्वपूर्ण भाषणों में यहाँ तक कि संयुक्त राष्ट्र संघ में अपने सम्बोधन में भी महात्मा बुध की शिक्षाओं का जिक्र करते रहे हैं। नवंबर 2019 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि हम उस देश के वासी हैं जिसने दुनिया को युद्ध नहीं बुद्ध दिये हैं। वे अनेक बार बुद्ध की सत्य और अहिंसा की नीतियों का उल्लेख महत्वपूर्ण मंचों से करते रहे हैं। लगभग 3 माह पूर्व प्रधानमंत्री ने दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस को संबोधित करते हुए भी यही कहा था कि दुनिया युद्ध में नहीं बल्कि बुद्ध में समाधान ढूंढ सकती है। दुनिया को शांति के रास्ते पर चलने के लिए बुद्ध की शिक्षाओं से सीखना चाहिए। ऐसे समय में जब दुनिया अस्थिरता से ग्रस्त है, बुद्ध न केवल प्रासंगिक

हैं बल्कि एक जरूरत भी हैं। इसी तरह पिछले दिनों एक बार फिर प्रधानमंत्री ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित 18वें प्रवासी भारतीय दिवस-2025 का उद्घाटन करते हुए बुद्ध की शिक्षाओं को याद किया और कहा कि यह देश अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह बता पाने में सक्षम है कि भविष्य 'युद्ध' में नहीं, बल्कि 'बुद्ध' में निहित है।

सवाल यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दुनिया को युद्ध के बजाये 'बुद्ध' के शांति अहिंसा के विचारों पर चलने व उसे आत्मसात करने का बार बार जो उपदेश दिया जाता है स्वयं उनकी पार्टी के नेता उनके विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग क्या 'बुद्ध' की बताई गयी सत्य और अहिंसा की नीतियों का अनुसरण करते भी हैं या नहीं ? क्या हमारे देश में समय समय पर धर्म,समुदाय व जातियों के नाम पर होने वाली हिंसा और इसे भड़काने वाले नेताओं को बुद्ध की सत्य और अहिंसा की शिक्षा से प्रेरित कहा जा सकता है ? यह बुद्ध का ही तो कथन है कि भले ही चाहे कितनी अच्छी बातों को पढ़ लें या उन्हें सुन लें उसका तब तक फायदा नहीं है जबतक हम खुद उस पर अमल नहीं करते । और यह भी बुद्ध ने ही कहा है कि बुराई करने वालों को हमेशा अपने पास रखो क्योंकि वही तुम्हारी गलतियां तुम्हें बता सकते हैं । बुद्ध की इन शिक्षाओं के सन्दर्भ में बुराई करने वालों को तो छोड़िये सरकार की नीतियों की आलोचना करने वाले विपक्ष व मीडिया से सत्ता कैसे पेश आ रही है क्या यही बुद्ध की नीतियों का अनुसरण है ? मनमोहन सिंह जैसे काबिल व्यक्ति की खामोशी पर उन्हें मौन मोहन जैसे नाम दे दिये गये और अपनी लफ़्फ़ाजियों को ज्ञान वर्षा का मरतबा दिया जाता है। जबकि बुद्ध का कथन है कि -जो लोग ज्यादा बोलते हैं वे सीखने की कोशिश नहीं करते जबकि समझदार व्यक्ति हमेशा निडर और धैर्यशाली होता है जो समय आने पर ही बोलता है। यह भी बुद्ध का कथन है कि 'दूसरों की आलोचना करने से पहले, खुद की आलोचना करो'। परन्तु यहाँ तो गाँधी - नेहरू परिवार व खास समुदाय को कोसने से ही फुर्सत नहीं मिलती। साथ ही स्व महिमामंडन इतना कि स्वयं को अवतारी पुरुष बताने से भी नहीं चूकते ? ऐसे राजनेताओं को बुद्ध का यह कथन जरूर याद रखना चाहये कि -जो इर्ष्या और जलन की आग में तपते रहते है उन्हें कभी भी शांति और सच्चा सुख प्राप्त नहीं हो सकता है। और यह भी कि-आप तभी खुश रह सकते है जब बीत गयी बातों को भुला देते है। परन्तु यहाँ तो गड़े मुर्दे उखाड़ कर ही अपनी राजनीति के परचम लहराये जा रहे हैं ?

इसी तरह म्यांमार के कट्टरपंथी बौद्ध भिक्षु अशीन विराथु को उनके कट्टरपंथी भाषणों व उनके हिंसक तेवरों की वजह से जाना जाता है। स्वयं को महात्मा बुद्ध का अनुयायी ही नहीं बल्कि बौद्ध भिक्षु बताने वाला यह शख़्स केवल आग ही उगलता रहता है। भारत की बहुसंख्यवादी राजनीति की तर्ज पर यह भी अपने भाषणों के द्वारा बौद्ध समुदाय की भावना को यह कहकर भड़काने का काम करता है कि मुस्लिम अल्पसंख्यक एक दिन देश भर में फैल जाएंगे। इसी कथित बौद्ध भिक्षु को लेकर टाइम मैगजीन ने अपने 1 जुलाई, 2013 के अंक में मुख्य पृष्ठ पर उसकी फोटो दि फेस ऑफ बुद्धिस्ट टेरर या बौद्ध आतंक का चेहरा जैसे शीर्षक के साथ प्रकाशित की थी? स्वयं को बौद्ध भिक्षु बताने वाले इसी आतंकी अशीन विराथु ने म्यांमार में संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रतिनिधि यांगी ली को कुतिया और वेश्या कहकर सम्बोधित किया था। इस व्यक्ति पर अपने भाषणों के माध्यम से म्यांमार में लोगों को सताने की साजिश रचने व उनकी सामूहिक हत्या कराने का आरोप लगाया गया है। इस के उपदेशों में वैमनस्यता की बात होती है और इसका निशाना मुस्लिम खासकर रोहंग्या समुदाय ही होता है। हालांकि बर्मा के अनेक बौद्ध भिक्षु ऐसे भी हैं जो उसके वैमनस्य पूर्ण बयानों से नाखुश हैं। ऐसे भिक्षु साफतौर से यह कहते हैं कि उन्हें यह सब बहुत खराब लगता है। इस तरह के शब्दों का प्रयोग किसी बौद्ध भिक्षु को नहीं करना चाहिए। इसी तरह पिछले दिनों श्रीलंका में कट्टरपंथी बौद्ध भिक्षु गालागोडाटे ज्ञान सारा को इस्लाम धर्म का अपमान करने और धार्मिक नफरत फैलाने के आरोप में नौ महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। 2018 में भी ज्ञान सारा को एक आपराधिक मामले में छह साल की सजा सुनाई गई थी। दरअसल महात्मा बुद्ध के विचारों की बात करना ही पर्याप्त नहीं बल्कि इन्हें अपने आचार व व्यवहार में लाना भी उतना ही जरूरी है।

संपादकीय

संबंधों में कसैलापन

बांग्लादेश में शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट जारी है। ताजा मसला सीमा पर तारबंदी को लेकर उपजा है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने रविवार को भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को जिस वजह से तलब किया, वह इस छोटे से मुल्क की भारत के प्रति कटुता को जाहिर करने के लिए काफी है। आरोप लगाया गया कि भारत द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन करते हुए सीमा पर पांच स्थानों पर तारबंदी की कोशिश कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश हमेशा से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की कार्रवाई का विरोधी रहा है। हमेशा से सीमा पर बीएसएफ की बीजीबी (बार्डर गार्ड.बांग्लादेश) से भिड़ंत होती रही है। कई बार बांग्लादेशी नागरिक अवैध तरीके से सीमा पार कर भारत घुसने की कोशिश करते हैं। स्वाभाविक है, बीएसएफ उन लोगों को रोकने की कोशिश करती है और न मानने पर उन्हें मार गिराती है। बांग्लादेश के हुक्मरान को इसी बात से चिढ़रूहै। वैसे भी मोहम्मद युनूस के कार्यवाहक राष्ट्रपति बनने के बाद से जिस तरह पड़ोसी देश भारत के प्रति आक्रामक रुख अख्तियार किए हुए है, वह वाकई बहुत कुछ सोचने पर विवश करती है। शेख हसीना सरकार के हटने के बाद से जिस तरह वहां हिन्दू समुदाय के साथ लोमहर्षक घटना को अंजाम दिया गया, वह तथ्य की पुष्टि करने के लिए काफी है कि अब बांग्लादेश किसी और देश द्वारा निर्देशित हो रहा है। वहां वर्षों से रहने वाले अल्पसंख्यक हिन्दुओं के साथ अब तक का सबसे बुरा व्यवहार हुआ है। कई लोग मारे गए, कइयों से लूटपाट की गई और सबकुछ छीन लिया गया। यह सब कुकर्म उस देश में और उस समुदाय के साथ किया गया जिसने इस देश को बनाने के लिए हर तरह की कुर्बानियां दीं। इस बात में शक नहीं कि पाकिस्तान और चीन के बाद बांग्लादेश ही ऐसा पड़ोसी है, जिसने भारत को चोट पहुंचाई। लिहाजा, भारत को अब नये सिरे से इस बारे में मंथन करने की दरकार है। भारत जानता है कि सीमा पर गड़ब़ड़ी को नजरअंदाज करना उसके लिए बड़ी मुसीबत बन सकता है। इसलिए उस मोर्चे पर सख्ती जरूरी है। बांग्लादेश छोटी सी बात का बतंगड़.बनाकर माहौल को खराब करने की साजिश में जुटा है। भारत भी इस बात को समझता है। इसलिए वह भी फूंक-फूंक कर कदम आगे बढ़ख़ रहा है। बहरहाल, ज्यादा नरमी से पेश आने के कारण ही बांग्लादेश का निजाम बदमिजाजी पर आतुर है। चुनांचे, भारत को अपने हित के लिए अंगुली टेढ़ी करनी चाहिए।

चिंतन-मनन

चमत्कारों ने किया है अहित

जो कुछ सुना जाता है, उस पर विश्वास न हो तो सुनने का विशेष अर्थ नहीं हो सकता. गहरे विश्वास के साथ सुनी हुई बात ही दिल को छू सकती है. विश्वास के साथ आवश्यक तत्व है आचरण. तत्व को सुन लिया, उस पर विश्वास भी कर लिया, पर आचरण नहीं किया तो कोई परिणाम नहीं आ सकेगा. भोजन सामने पड़ा है. मन में दृढ़ विश्वास है कि भोजन करने से भूख समाप्त हो जाएगी, पर जब तक भोजन नहीं किया जाता है, भूख कैसे मिटेगी. धर्म भी जब तक व्यक्ति के आचरण का विषय नहीं बनता है, उससे जीवन में कोई परिवर्तन नहीं आ सकता। श्रुति, श्रद्धा और आचरण तीनों हों, फिर भी धर्म का असर न हो, यह हो ही नहीं सकता।

श्रुति और श्रद्धा के साथ सम्यक आचरण हो जाए तो धर्म के प्रभाव की निश्चित गारंटी दी जा सकती है। स्थिति आज इससे भिन्न है। लोगों का विश्वास धर्म पर नहीं, चमत्कार पर है। संतों के दर्शन करें, उनसे मंगल पाठ सुने, इससे संतति-लाभ हो जाए, व्यापार में लाभ हो जाए, वर्षों से उलझा हुआ काम सुलझ जाए तो संत अच्छे हैं, अन्यथा उनके पास जाने की इच्छा नहीं होती। ऐसे चमत्कारों में मेरा कतई विश्वास नहीं है। इन चमत्कारों ने धर्म और अध्यात्म का जितना अहित किया है, शायद ही किसी ने किया हो। चमत्कारों में ही अपनी साधना की सफलता समझने वाला साधक साधना के योग्य हो ही नहीं सकता। चमत्कार में मेरा विश्वास नहीं है, इसलिए मैं आपको कोई दिव्य विभूति देने का दावा नहीं करता। मैं अति कल्पना भी नहीं करता कि हर मनुष्य में देवत्व जग जाए।

देश में सड़क हादसे एक अभिशाप, जिम्मेवार कौन?

नरेन्द्र भारती

बेशक प्रतिवर्ष की तरह 11 जनवरी 2025 से 17 जनवरी 2025 तक पूरे भारतवर्ष में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है ऐसे आयोजनों पर करोड़ों रुपया खर्च किया जा रहा है सेमिनार लगाए जा रहे हैं और कार्यक्रम किये जा रहे हैं ' यातायात के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है लेकिन सड़क हादसे कम नहीं हो रहे हैं ' सड़क हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं ' मानव जीवन अनमोल है। देश के नागरिको को यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए ताकि सड़क हादसों पर रोक लग सके। सड़क सुरक्षा के ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गए हैं। प्रतिवर्ष सड़क सुरक्षा हेतू करोडों रुपया बहाया जाता है मगर नतीजा वही ढाक के तीन पात ही निकलता है अगर सही तरीके से पैसा खर्चा किया जाए तो इन हादसो पर विराम लग सकता है मगर ऐसा नहीं हो रहा है। हर वर्ष लाखों लोग मारे जा रहे है। प्रतिवर्ष डेढ लाख लोग सड़क हादसों में मारे जाते है। नववर्ष 2025 के पहले सप्ताह से ही लोग सड़क हादसों में मारे जा रहें है। देश में हर रोज इतने भीषण हादसे हो रहे है कि पूरे के पूरे परिवार मौत की नीद सो रहे हैं। कोहरे के कारण हजारों सड़क हादसे हो रहे है प्रतिदिन लोग मारे जा रहे है। यातायात के नियमों का पालन न करने पर ही इन हादसों में निरंतर वृद्वि हो रही है। क्योकि प्रशासन द्वारा लोगों को इन सात दिनों में यातायात नियमों के बारे में बताया जाता है फिर पूरा वर्ष लोग अपनी मनमानी करते है और यातयात नियमों का उल्लंघन करते है और मौत के मुंह में समाते जा रहे है। लापरवाही से सड़कें रक्तरंजित हो रही है। चिराग बूझ रहें हैं। बच्चे अनाथ हो रहे हैं। आज युवा लापरवाही के कारण जान गंवा रहे है। युवा देश के कर्णधार है जो देश का भविष्य है। प्रतिवर्ष लाखों युवा हादसों में बेमौत मारे जा रहे है। इकलौते चिराग अस्त हो रहे है। कोखें उजड़ रही है। माताओं व बहनों का सिंदूर मिट रहर हैं। बच्चे अनाथ हो रहे है। युवाओं को जागरुक करना होगा क्योकि युवा ही विकराल हो रही सड़क हादसों की समस्या को रोक सकते है। लॉकडाउन में सड़क हादसों पर लगाम लग गई थी। सड़क सुरक्षा सप्ताह पर लाखों रुपया बहाया जाता है मगर फिर भी सुधार नहीं होता। जब तक लोग यातायात के नियमों का उल्लधन करते रहेंगे तब तक इन हादसों में लोग बेंमौत मरतें रहेंगें। देश में जब 22 मार्च 2020 को जब लॉकडाउन लगा था तब हादसे पूरी तरह रुक गए थे। लॉकडाउन के खुलते ही सड़क हादसों में अप्रत्याशित वृद्वि हो गई। कोरोना महामारी में हादसे कम हो गए थे। लॉकडाउन में जगली जानवर सड़को पर विचरण करते थे। परिवहन पूरी तरह बंद था। प्रदूषण भी शून्य हो गया था। साल 2020 के अप्रैल व मई माह में यातायात के साधन बंद हो गए थे। जून माह में ज्यों ही लॉकडाउन खुल गया था तो फिर से करोडों वाहन सड़को पर दौड़ पड़े। जनवरी 2025 से ही सड़क हादसों की रफतार बढ़ती जा रही है । साल 2024 में भी सड़क हादसों का सिलसिला पूरी साल अनवरत चलता रहा था और लोग लाखो लोग हादसों का शिकार होते रहे थे। देश के सैंकडों सैनिक भी सड़क हादसों में शहीद हो गए थे। हजारों लोग बेमौत मारे जा रहे है। प्रतिदिन हो रही दुर्घटनाओं में हजारों लोग अपंग हो गए जो ताउम्र हादसों का दंश झेलते रहेगें। देश में हर चार मिनट में एक व्यक्ति सड़क हादसे में मारा जाता है। प्रतिदिन देश की सडकें रक्तरजित हो रही है नौजवानों से लेकर बुजुर्ग काल का ग्रास बन रहे हैं। आंकडें बताते है कि सड़क दुर्घटनाओं में भारत अन्य देशों से शीर्ष पर हैं। शराब पीकर बाहन चलाना तथा चलते वाहनों में मोबाइल का प्रयोग ही हादसों का मुख्य कारण माना जा रहा है। इसके कारण ही लाखो लोग सड़क हादसों में मौत का शिकार हुए। 2025 में भी सडक हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं तथा प्रतिदिन दुर्घटनाओं का आंकड़ा बढता ही जा रहा है इसे सरकारों की लापरवाही की संज्ञा देना गलत नहीं होगा। ज्यादातर सड़क हादसे सर्दियों में होते है। लापरवाही के कारण हजारों सड़क हादसे हो रहे है सडक हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं। धुंध के कारण आपसी टक्कर में दुर्घटनाएं होती हैं। देश के प्रत्येक राज्यों में हादसों की दर बढती जा रही है दुर्घटना के बाद मुआवजे की राशि बांटने में व समाचार पत्रों में सुखियों में रहने में प्रशासन व नेता लोग आगे रहते हैं नेताओं द्वारा घड़ियाली आंसू बहाए जातें है। सड़क हादसों को रोकने के लिए एक नीति बनानी होगी। जागरुकता अभियान चलाने होगें। देश की सड़को पर लाशों के चिथड़े बिखर रहे हैं। पंजाब, दिल्ली व उतरप्रदेश व हिमाचल प्रदेश में धूंध के कारण दर्जनों हादसों में सैकड़ों लोग मारे जा रहे हैं। मगर राज्यों की सरकारों को इससे कोई सरोकार नहीं है। देश के प्रत्येक राज्यों में हादसों की दर बढती जा रही है दुर्घटना के बाद मुआवजे की राशि बांटने में व समाचार पत्रों में सुखियों में रहने में प्रशासन व नेता लोग आगे रहते हैं नेताओं द्वारा घड़ियाली आंसू बहाए जातें है। सड़क हादसों को रोकने के लिए एक नीति बनानी होगी। जागरुकता अभियान चलाने होगें। सरकारों को लोगों को यातयात नियमों से संबधित शिविरों का आयोजन करना चाहिए। आज करोडों के हिसाब से वाहन पंजीकृत है मगर सही ढंग से वाहन चलाने वालो की संख्या कम है क्योकि आधे से ज्यादा लोगों को यातयात के नियमों का ज्ञान तक नहीं होता। पुलिस प्रशासन चालान काटकर अपना कर्तव्य निभा रहे है मगर चालान इसका हल नहीं है इसका स्थायी समाधान ढूंढना होगा। बिना हैलमैट के नाबालिग से लेकर अधेड़ उम्र के लोग वाहनो को हवा में चलाते है और दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। जानबूझकर व नशे की हालत में दुर्घटना करने वाले चालकों के लाईसैस रदद करने चाहिए। ज्यादातर हादसे में नाबालिग चालक ही मारे जाते हैं। प्रशासन की लापरवाही के कारण भी इसमें साफ झलकती है आज ज्यादातर युवा व लोग शराब पीकर व अन्य प्रकार का नशा करके वाहन चलाते है नतीजन खुद ही मौत को दावत देते हैं भले ही पुलिस यन्त्रों के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर शिकंजा कस रही है मगर फिर भी लोग नियमों का उल्लघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं। राज्यों की सरकारों द्वारा पुलिस को दी गई हाईवे पैट्रोलिंग की गाड़ियां भी यातायात को कम करने में नाकाम साबित हो रही हैं। बढती सड़क दुर्घटनाओं के अनेक कारण है सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि 80 प्रतिशत हादसे मानवीय लापरवाही के कारण होते हैं। लापरवाह लोग सीट बैल्ट तक नहीं लगाते और तेज रफतार में वाहन चलाते हैं। देश में सड़क हादसों में स्कूली बच्चों के मारे जाने के हादसे भी समय-समय

पर होते रहते हैं मगर कुछ दिन चैक रखा जाता है फिर वही परिपाटी चलती रहती है। जबकि होना तो यह चाहिए कि इन लापरवाह चालको को सजा देनी चाहिए ताकि मासूम बेमोत न मारे जा सके। अक्सर देखा गया है कि वाहन चालकों के पास प्राथमिक चिकित्सा बाकस तक नहीं होतें ताकि आपातकालिन स्थिती में प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध करवाई जा सके । प्रत्येक साल नवरात्रों में श्रध्दालू मंदिरों में ट्रको में जाते है और गाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है तथा मारे जाते हैं। ओबरलोडिग से भी ज्यादातर हादसे होते हैं। सरकार को इन हादसों से सबक लेना चाहिए और व्यवस्था की खामियों को दूर करना चाहिए। सरकारों को अपना दायित्व निभाना चाहिए ताकि सड़क दादसों पर पूरी तरह रोक लग सके। सडक हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं। बेलगाम हो रहे यातायात पर लगाम लगाना सरकार व प्रशासन का कर्तव्य है लोगों को भी इसमें सहयोग करना होगा तभी इस समस्या का स्थायी हल हो सकता है यदि लोग सही तरीके से यातायात नियमों का पालन करते है तो सड़को पर हो रहे मौत के तांडव को रोका जा सकता हैकेन्द्र सरकार को इस पर गौर करना होगा तथा देश में बढ रही सड़क दुर्घटनाओ पर रोक के लिए कारगर कदम उठाने होगें नही तो देश के प्रत्येक महानगरों व शहरों से लेकर गांवों तक हर रोज लाशें बिछती रहेगी लोग मरते रहेंगें। दुर्घटनाओं का कहर बरपता रहेगा। यदि सरकारे ऐसे ही सोती रहेगी तो देश की सड़के खून से लाल होती रहेगी। मावन जीवन को बचाना होगा क्योकि मानव जीवन दुर्लभ है। तभी सड़क सुरक्षा सप्ताह की सार्थकता होगी।

सशक्त होगी हमारी 'ब्लू वाटर नेवी'

ड़ॉ. सुरेन्द्र कुमार मिश्र

हिन्द महासागर में चालाक चीन की चुनौती का जवाब देने और शक्तिशाली 'ब्लू वाटर नेवी' बनने की दिशा में भारतीय नौसेना न केवल आत्मनिर्भरता के साथ आधुनिकीकरण की दिशा में कदम बढ़ाए हैं, बल्कि जलयानों की संख्या में भारी वृद्धि करने का निर्णय लिया है। यही कारण कि आज (15 जनवरी) को अग्रिम पंक्ति के दो अत्याधुनिक युद्धपोत नीलगिरि और सूरत के साथ ही वाग्शीर नामक एक सशक्त पनडुब्बी नौ सेना के बाड़े में शामिल हो रही है। भारतीय नौ सेना के इतिहास में पहली बार एक साथ दो युद्धपोत एवं एक पनडुब्बी को साथ शामिल किया जा रहा है। उनके शामिल हो जाने से भारतीय नौ सेना की परिचालन क्षमता एवं युद्ध तत्परता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

नीलगिरि प्रोजेक्ट, 17 ए. स्टील्थ फ्रिगेट का पहला युद्धक जलयान है जो, सेवा में सक्रिय शिवालिक श्रेणी 1 प्रोजेक्ट 17 स्टील्थ फ्रिगेट का पहला जलयान फ्रिगेट का अनुवर्ती है। नीलगिरि एम डी एल, मुम्बई और जीआरएस ई, कोलकाता द्वारा निमार्णाधीन सात पी 17 ए फ्रिगेट्स में पहला है। ये बहुउद्देशीयीय युद्धपोत भारत के समुद्री हितों के क्षेत्र में पारम्परिक तथा गैरपारम्परिक दोनों प्रकार के संकट से निपटने के लिए 'गहरे समुद्री' वातावरण में कार्य करने में सक्षम है। नवीनतम तकनीकी से युक्त इन जलयानों का निर्माण भी 'एकीकृत निर्माण' दर्शन का उपयोग करके किया गया है। यह जलयान संयुक्त रूप से डीजल या गैस (सीओडीओजी) मेन प्रोपल्शन द्वारा संचालित होता है। इसमें सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, 76 मिमी. उन्नत तोप और तीव्रगति प्रहारक नजदीकी हथियार प्रणालियों से सुसज्जित है। आत्मनिर्भरता के साथ राष्ट्र निर्माण को विशेष रूप से दृष्टि में रखते हुए इस जलयान में 75 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का उपयोग हुआ है। नीलगिरि के निर्माण कार्य की आधारशिला 28 दिसम्बर 2017 को रखी गई और निर्मित इस पोत को पहली बार 28 सितम्बर 2019 को समुद्र में उतारा गया। यह जलपोत 24 अगस्त को अपने पहले समुद्री परीक्षण के लिए रवाना किया गया और तब से बंदरगाह व समुद्र में इसके व्यापक परीक्षण किए गए हैं। अब इसे भारतीय नौ सेना को सौंप दिया गया है। स्टील्थ तकनीक युक्त यह जलपोत कई प्रकार के हेलीकॉप्टर संचालित करने की क्षमता के साथ अत्याधुनिक हथियार और सेंसरयुक्त है। 'सूरत' जलपोत भी भारतीय नौ सेना को मिलने जा रहा है। विशाखापट्टनम क्लास मिसाइल विध्वंसक जलयान के नौ सेना में शामिल होने से भारत की समुद्री शक्ति और अधिक बढ़ जाएगी, क्योंकि इसके साथ बराक और ब्रहमोस मिसाइलें लगी हुई हैं। सूरत प्रोजेक्ट 15 की स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक श्रेणी का चौथा और अंतिम जलपोत है, जो विगत तीन वर्षों में शामिल किए गए अपने पूर्ववर्ती भारतीय नौ सेना के जलयानों विशाखापट्टनम, मोरमुगाओ तथा इम्फाल के बाद आया है। यार्ड 12707 सूरत को भारतीय नौ सेना को सौंपा जाना, उस प्रतिष्ठित स्वदेशी विध्वसंक निर्माण परियोजना का समाधन है, जो प्रोजेक्ट 15 (तीन दिल्ली श्रेणी) के साथ शुरू हुई थी। यह 7400 टन भार विस्थापित करने वाला तथा 164 मीटर लम्बा व एक निर्देशित मिसाइल युक्त विध्वसंक श्रेणी का जलपोत है। नौ सेना के विवसंक पोत 'सूरत' में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, जलयान रोधी मिसाइलों तथा तारपीडो सहित अत्याधुनिक हथियारों व सेंसरों से सुसज्जित है।

यह स्वदेशी रूप से विकसित आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस समाधान का उपयोग करने वाला भारतीय नौ सेना का पहला एआई सक्षम युद्धपोत होगा। यह जलपोत समुद्र के भीतर युद्ध करने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित पनडुब्बी रोधी हथियारों और सेंसर से लैस है। वाग्शीर कलवरी क्लास प्रोजेक्ट-75 के अंतर्गत छठी स्कार्पीन क्लास पनडुब्बी दुनिया की सबसे शांत एवं बहुमुखी डीजल इलेक्ट्रिक

पनडुब्बियों में से एक है। इसे एंटी सरफेस वारफेयर, एंटी सबमरीन वारफेयर, खुफिया जानकारी जुटाने, क्षेत्र की निगरानी और विशेष अभियानों सहित अनेक तरह के मिशन को अंजाम देने के लिए खासतौर पर डिजाइन किया गया है। भारत की ब्लू वाटर नौसेना समुद्री मोचक्र पर शांति स्थापित करने में अपना अनवरत सक्रिय सहयोग देती रही है। वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए भारतीय नौसेना को निरंतर सजग एवं सतर्क रहने की जरूरत है। स्वदेशीकरण और नवाचार के प्रति भारतीय नौसेना का दृष्टिकोण सकारात्मक सिद्ध हो रहा है। युद्धक पोत 'नीलगिरि', विध्वसंक पोत 'सूरत' और 'पनडुब्बी वाग्शीर' का संयुक्त कमीशन रक्षा आत्मनिर्भरता और स्वदेशी जलयान निर्माण में भारत की अद्वितीय प्रगति का ही प्रतीक है। हिन्द महासागर क्षेत्र में अपनी स्थिति को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक भारतीय नौसेना का तेजी के साथ नवीनीकरण हो रहा है।

कंगारुओं के देश में शिक्षा की छलांग

ऑस्ट्रेलिया में आपको विश्व के अधिकांश देशों के लोग मिल जाएंगे। इनमें काफी बड़ी संख्या यहां उच्च शिक्षा के लिए आए विद्यार्थियों की है और इसका कारण है यहां किफायती दाम में मिलने वाली अच्छी शिक्षा।

अगर कोई यह पूछे कि दूसरे देश में शिक्षा के लिए ऑस्ट्रेलिया का ही चयन क्यों किया जाए, तो इस प्रश्न के कई जवाब दिए जा सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया में ऐसी बहुत-सी विशेषताएं हैं, जो इस देश को शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनाती हैं। विदेशी विद्यार्थी इस देश के नागरिकों से कला और संस्कृति के बारे में बहुत कुछ सीख सकते हैं।

किफायती शिक्षा

पिछले दो दशकों में लगातार इस देश की साख अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ी है। एशियाई ही नहीं, योरपीय देशों के विद्यार्थी भी शिक्षा के लिए इसका चयन कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया में विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा किफायती दामों में दी जाती है। यही यहां की शिक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता है। विश्व के अधिकतर प्रमुख देशों में एंप्लॉयर और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा ऑस्ट्रेलियाई डिग्री को मान्यता मिली हुई है। विश्व की सभी प्रमुख कंपनियां अपने यहां जॉब के लिए भी यहां की डिग्री को वरीयता देती हैं।

किस तरह के कोर्स?

ऑस्ट्रेलिया में वोकेशनल एजुकेशन, यूनिवर्सिटी, स्कूल, अंग्रेजी भाषा आदि सभी स्तर की शिक्षा दी जाती है। ये सभी क्षेत्र एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इससे आप एक कोर्स से दूसरे की ओर आसानी से कदम बढ़ा सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया में एक संस्थान से दूसरे संस्थान में जाना भी आसान होता है। ऑस्ट्रेलिया में आम तौर पर आईटी, बायोटेक्नोलॉजी, एमबीए, एविएशन, पेट्रोलियम इंजीनियरिंग, पायलट ट्रेनिंग, ग्राफिक्स, मीडिया आदि विषयों में विदेशी विद्यार्थियों की रुचि अधिक दिखाई देती है।

स्कॉलरशिप

ऑस्ट्रेलिया में पढ़ने वाले अधिकतर विदेशी विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप हासिल करने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा से गुजरना पड़ता है। ऑस्ट्रेलिया में सरकार एवं अन्य संगठनों द्वारा चलाई जा रही अनेक स्कॉलरशिप योजनाओं के लिए आप आवेदन कर सकते हैं।

गुणवत्ता प्रमाणित है

ऑस्ट्रेलिया के आठ विश्वविद्यालय विश्व के शीर्ष 200 विश्वविद्यालयों में शामिल हैं। इनमें से पांच शीर्ष 50 यूनिवर्सिटियों में अपनी जगह बनाने में सफल हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया में अंडर ग्रेजुएट लेवल पर दी जाने वाली शिक्षा को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

प्रमुख संस्थान

- यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न
- यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी
- यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड
- ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी
- मोनैश यूनिवर्सिटी

एक समय था, जब यह आशंका जताई जाती थी कि रोबोट कहीं इंसानों का रोजगार छीन न लें। मगर आज हकीकत यह है कि रोबोट बनाने और उन्हें संचालित करने के क्षेत्र में करियर बनाने के अनेक सुनहरे अवसर हैं। जैसे-जैसे रोबोटों की मांग बढ़ रही है, रोबोटिक्स से जुड़े प्रोफेशनल्स की भी डिमांड बढ़ रही है।

जॉब दिलाएगा रोबोट!

रोबोट यानी मशीनी मानव। इंसानों की तरह काम करने वाली, लेकिन इंसानों से कई गुना ताकतवर मशीन। रोबोटिक्स में इसी के ऐप्लीकेशन का काम होता है। दुनिया भर में 10 लाख से ज्यादा रोबोट हैं। इनमें से आधे से भी ज्यादा अकेले जापान में हैं। 15 फीसद अमेरिका में और बाकी 30-35 फीसद विकसित देशों में हैं। एक दशक पहले तक करीब 90 फीसद रोबोट से केवल कार मैन्युफैक्चरिंग में ही काम लिया जाता था, लेकिन अब इस फील्ड में केवल 50 फीसद रोबोट से ही काम कराया जाता है। दूसरे नए-नए क्षेत्रों में भी रोबोट का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। इसीलिए इन्हें बनाने और हैंडल करने वालों की भी जरूरत तेजी से बढ़ रही है।

रोबोट से होने लगा है काम

रोबोट का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल आजकल खुदाई और उत्खनन जैसी मुश्किल और इंसानों के लिए खतरनाक जगहों पर ज्यादा किया जा रहा है। इसके अलावा, खेती और माल-ढुलाई जैसे अधिक परिश्रम वाले कामों में भी रोबोट बखूबी काम कर रहे हैं। यहां तक कि चिकित्सा जैसे सूक्ष्म और तकनीकी क्षेत्रों में भी रोबोट अपना असर दिखा रहे हैं। अब तो इन्हें मानवरहित हवाई यानों को उड़ाने के लिए भी प्रशिक्षित किया जा रहा है।

कहां हैं अवसर?

रोबोटिक साइंस में एमई की डिग्री हासिल कर चुके स्टूडेंट्स को इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन यानी इसरो में नौकरी मिल सकती है। इसके अलावा, माइक्रो-चिप इंडस्ट्री में भी रोबोटिक्स से जुड़े स्टूडेंट्स की काफी डिमांड रहती है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी यानी आईआईटी में भी रिचर्स वर्क के लिए रोबोटिक इंजीनियर्स की जरूरत होती है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल बायोलॉजी रोबोटिक्स व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में फैलोशिप ऑफर करती है। विदेश में भी इनके लिए रोजगार के बेहतर मौके हैं। अमेरिकी कंपनी प्लासटेक में रोबोटिक्स इंजीनियर के लिए काम करने का बेहतरीन मौका है। इसके अलावा, इंटेल जैसी कंपनी इंटेलिजेंस स्पेशलिस्ट को माइक्रो-चिप मैन्युफैक्चरिंग के लिए हायर करती है। रोबोटिक्स इंडस्ट्रीज एसोसिएशन अमेरिका में रोबोटिक मैन्युफैक्चरिंग और मेंटेनेंस सिस्टम के लिए लोगों को हायर करती है। नासा रोबोटिक्स इंजीनियर के लिए जॉब का सबसे बड़ा डेस्टिनेशन है।

भारत में रोबोट

रोबोट का इस्तेमाल मैन्युफैक्चरिंग के साथ-साथ न्यूक्लियर साइंस, सी-एक्सप्लोरेशन, हार्ट-सर्जरी, कार असेम्बलिंग, लैंड माइंस, बायोमेडिकल आदि क्षेत्र में खूब हो रहा है। भारत में रिसर्च एंड डेवलपमेंट, ऑटोमोटिव इंडस्ट्री, एयरोस्पेस, भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर, स्टील इंडस्ट्री, शीट टेस्टिंग आदि में रोबोट का इस्तेमाल होने लगा है। इसके अलावा, मेडिकल फील्ड में कैंसर के इलाज में भी रोबोट का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है।

एलिजिबिलिटी

रोबोटिक्स फील्ड में करियर बनाने के लिए इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल और कम्प्यूटर साइंस की अच्छी नॉलेज या डिग्री होनी चाहिए। आम तौर पर मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इंस्ट्रूमेंटेशन, कम्प्यूटर साइंस से ग्रेजुएशन कर चुके स्टूडेंट्स इस कोर्स के लिए योग्य माने जाते हैं।

कोर्स

रोबोटिक एक्सपर्ट दिवाकर वैश्य के अनुसार, रोबोटिक साइंस एक तरह से लॉन्ग टर्म रिसर्च ओरिएंटेड कोर्स है। आप इस क्षेत्र से जुड़े कुछ स्पेशलाइजेशन कोर्स भी कर सकते हैं, जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, एडवांस्ड रोबोटिक्स सिस्टम आदि। इस तरह के कोर्स आईआईटी के अलावा, कई इंजीनियरिंग कॉलेज भी ऑफर कर रहे हैं। स्पेशलाइजेशन के लिए पोस्ट ग्रेजुएट लेवल कोर्स भी कर सकते हैं।

क्या पढ़ाया जाता है?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
कम्प्यूटर इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग
कम्प्यूटेशनल जियोमेट्री
रोबोट मोशन प्लानिंग
डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स एंड माइक्रो-प्रोसेसर
रोबोट मैनिपुलेटर।

सैलरी पैकेज

रोबोटिक इंडस्ट्री में इंजीनियरिंग बैकग्राउंड के लोगों को ही हायर किया जाता है। इनकी शुरूआती सैलरी कम से कम 25 से 30 हजार रुपए के करीब होती है।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूशन ऑफ टेक्नोलॉजी, कानपुर
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वारंगल
- जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता
- बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी
- पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबतूर
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रोबोटिक्स

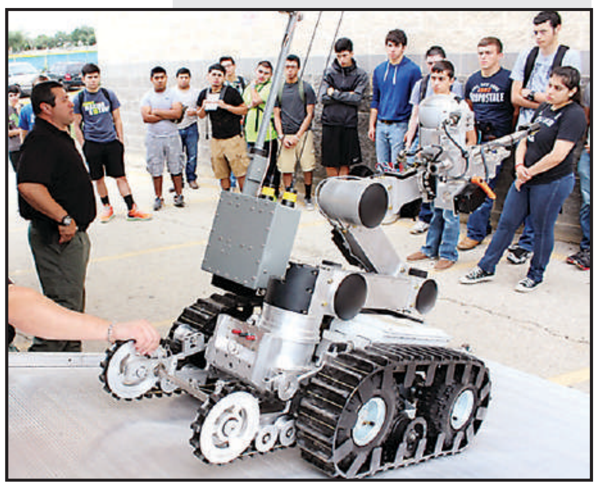

अब तक जिस कंपनी ने आपको अपने तरीके से काम करने की पूरी छूट दी थी, उसी ने अचानक आपके ऊपर एक बॉस नियुक्त कर दिया। अब आपको हर काम उससे पूछकर करना है। ऐसे में आप क्या करेंगे चिढ़कर उसके प्रति असहयोगात्मक रवैया अपनाएंगे या फिर इस बदलाव को स्वीकार कर कंपनी को अपना सर्वश्रेष्ठ देना जारी रखेंगे

जब ऑफिस में हो अप्रिय परिवर्तन

वे कुछ दिनों से बड़े अनमने लग रहे हैं। रूटीन के अपने सभी काम तो निबटा रहे हैं, लेकिन मन ही मन उन्हें कुछ टूटा-सा लग रहा है। उनके भीतर एक कसक है, जिसे वे घर या ऑफिस में किसी के साथ शेयर नहीं कर पा रहे। एक दिन मौका देख उन्होंने अपने एक करीबी और बेहद सुलझे हुए मित्र से इस बात की चर्चा की। उन्हें बताया कि मैं अपने वर्तमान संस्थान से पिछले 15 साल से बेहद समर्पण के साथ जुड़ा हुआ हूं। कुछ समय के लिए दूसरी कंपनी में भी गया लेकिन फिर जैसे घर वापसी हो गई।
मेरे काम के प्रोफेशनल व परफेक्ट तरीके और विनम्र स्वभाव से मैनेजमेंट, कलीग और क्लाइंट भी बेहद खुश रहते हैं। इतने लंबे समय में मुझे कभी किसी से शिकायत नहीं रही लेकिन पिछले कुछ समय से मुझे अजीब लग रहा है। शानदार रेकॉर्ड होने के बावजूद कंपनी ने मेरे ऊपर किसी अधिकारी को लाकर बिठा दिया है। वैसे तो मुझे कंपनी का हर निर्णय सहर्ष स्वीकार होता है। किसी संवेदनशील मुद्दे पर मेरी राय की कभी अनदेखी भी नहीं की जाती लेकिन पहले जहां मैं हर निर्णय खुद लेने के लिए स्वतंत्र था, वहीं अब मुझे हर बात के लिए परमिशन लेने की जरूरत पड़ती है। मेरी खिन्नता का कारण भी यही है। हालांकि इससे मेरी परफॉर्मेंस पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा। हां, उत्साह जरूर थोड़ा कम हो गया है।

बदलाव को स्वीकारें

इस तरह की समस्या कोई नई नहीं है। हर संस्थान में कभी-न-कभी इस तरह की परिस्थिति का सामना काबिल और उत्साही कर्मचारियों को करना पड़ता है। आप कह सकते हैं कि बिजनेस तो आसानी से आ ही रहा था, फिर इस तरह के हस्तक्षेप का क्या मतलब है? दरअसल, परिस्थितियां कभी एक जैसी नहीं रहतीं लेकिन किसी भी बदलाव को सकारात्मक नजरिये से देखने पर वह दु:खी नहीं करता।
एक जैसी स्थिति बने रहने से आप कंफर्ट जोन में रहते हुए, बिना किसी व्यवधान के, अपने तरीके से काम करते जाते हैं। मगर आप खुद को किसी कंपनी के ऐसे कोर ग्रुप में रखकर देखें, जिस पर लगातार बिजनेस बढ़ाने का दबाव होता है। तब आपको लगेगा कि नहीं, मैं गलत ही था। अगर मैं मैनेजमेंट में होता, तो शायद मैं भी यही करता। इसलिए किसी भी तरह के बदलाव को स्वीकार करने के लिए हमेशा तैयार रहें और उसे हमेशा सकारात्मक नजरिये से देखें।

न करें रुकावट की परवाह

हो सकता है कि परिस्थितियां बदलने से आप अपना धैर्य खो दें। अपना आपा खोते हुए अपने व्यवहार की विनम्रता और परफेक्ट परफॉर्मेंस का सिलसिला भी खुद तोड़ दें। जरा सोचें, अगर आपने ठंडे दिमाग से काम नहीं लिया, तो आपकी इस प्रतिक्रिया से किसका नुकसान होगा? जाहिर है, आपका ही! क्या रास्ते में कोई रोड़ा या गड्ढा आने पर आप चलना छोड़ देंगे? नहीं न? फिर क्यों परेशान होते हैं? उस गड्ढे या रोड़े की परवाह किए बिना अपना सफर जारी रखें।

सामंजस्य बनाएं

हो सकता है कि बीच में किसी का आना या उसके प्रति जवाबदेह बना दिया जाना आपके स्वाभिमान को गवारा न हो रहा हो लेकिन ऐसे में क्या आप उसके साथ असहयोगात्मक रवैया अपना सकते हैं? आप चाहें या न चाहें, आपको उसके साथ सहयोग करना ही पड़ेगा। तो फिर क्यों न सामंजस्य स्थापित करने की दिशा में बढ़ें? अगर आपको अपनी प्रतिभा पर भरोसा है, तो आप अपने काम से ऐसा कुछ कर दिखाएं, जिससे हर कोई वाह-वाह करने को मजबूर हो जाए।

नजरिये की जीत

आपकी प्रोफेशनल लाइफ में समय-समय पर रुकावटें या अवरोध आ सकते हैं। अगर आप इन्हें सकारात्मक नजरिये से नहीं देखेंगे, तो कदम-कदम पर परेशानी हो सकती है। मगर यदि आपने अपने सोचने और देखने का तरीका बदल लिया, तो हर परेशानी या रुकावट को आप अपने लिए अवसर में भी बदल सकते हैं। बस, आप खुद को शांत और एकाग्र रखें। किसी भी सूरत में (चाहे कोई आपको उकसाने का प्रयास ही क्यों न करे) अपने प्रदर्शन को प्रभावित न होने दें। अपना सर्वश्रेष्ठ देने की निरंतरता बनाए रखें। आप देखेंगे कि एक-न-एक दिन वही अवरोध या रोड़ा आपकी राह में बिछकर आपके लिए कामयाबी की सीढ़ी बन जाएगा।

खुरचें नहीं, खींचें बड़ी लकीर

अगर कोई आपके सामने एक लकीर खींचकर यह सवाल करे कि इस लकीर को छोटा कैसे किया जा सकता है, तो बहुत संभव है कि आपमें से बहुतेरे यह कहें कि इसमें क्या है और उस लकीर को इरेजर से मिटाने या खुरचने लगें। सवाल यह है कि क्या लकीर को छोटा करने का यही एकमात्र तरीका है? यह कितना उचित है? क्या इस विध्वंसकारी और अनुचित तरीके से आपमें से हर कोई सहमत हो सकता है? नहीं न?
तो फिर क्यों न इस चुनौती को सकारात्मक तरीके से लेते हुए अपनी थोड़ी विवेक-बुद्धि का इस्तेमाल करें! अगर उस लकीर को छोटा करना है, तो आप उसके बराबर एक बड़ी लकीर खींचकर पहले वाली लकीर को बिना हाथ लगाए छोटा कर सकते हैं। यही बात हम सबकी जिंदगी पर भी लागू होती है।

मकर संक्रांति पर बड़ी संख्या में लोगों ने गंगा में लगाई डुबकी

पटना। पटना में गंगा नदी सहित बिहार के सभी प्रमुख नदी घाटों पर आज सुबह से ही करोड़ लोगों ने मकर संक्रांति के पावन पर्व पर आस्था की डुबकी लगायी। पटना में सुबह से ही घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने आस्था और विश्वास के साथ गंगा में डुबकी लगाई और पूजा-अर्चना की।

घाट पर मौजूद पंडित-पुजारियों के मुताबिक, मकर संक्रांति पर गंगा स्नान और दान को विशेष महत्व है। इस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं, जिसे शुभ और पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन गंगा स्नान करने से व्यक्ति के सभी पाप, चाहे वे जाने-अनजाने में किए गए हों, सब खत्म हो जाते हैं। घाटों पर महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने गंगा में स्नान के बाद सूर्य को अर्घ्य दिया। इसके बाद दान-पुण्य का विशेष महत्व होने के कारण लोगों ने अन्न, कपड़े, तिल, गुड़ और अन्य वस्तुओं का दान किया। पटना नगर निगम और पटना पुलिस के सुरक्षा कर्मियों ने इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए थे। नगर निगम ने घाटों की साफ-सफाई सुनिश्चित की। नावों और गोताखोरों की भी व्यवस्था की गई, ताकि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

उल्लेखनीय है कि मकर संक्रांति पूरे भारत और नेपाल में विभिन्न रूपों में मनाया जाता है। हिन्दू परम्परा के अनुसार, माघ मास में जिस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं उस दिन इस पर्व को मनाया जाता है। वर्तमान शताब्दी में यह त्योहार जनवरी माह के चौदहवें या पन्द्रहवें दिन ही पड़ता है। इस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश करता है। तमिलनाडु में इसे पोंगल नामक उत्सव के रूप में जाना जाता हैं जबकि कर्नाटक, केरल तथा आंध्र प्रदेश में इसे केवल संक्रांति ही कहते हैं। बिहार के कुछ जिलों में यह पर्व 'तिला संक्रांत' नाम से भी प्रसिद्ध है। मकर संक्रान्ति पर्व को कहीं-कहीं उत्तरायण भी कहते हैं। 14 जनवरी के बाद से सूर्य उत्तर दिशा की ओर अग्रसर (जाता हुआ) होते हैं। इसी कारण इस पर्व को 'उतरायण' (सूर्य उत्तर की ओर) भी कहते हैं। वैज्ञानिक तौर पर इसका मुख्य कारण पृथ्वी का निरंतर 6 महीनों के समय अवधि के उपरांत उत्तर से दक्षिण की ओर वलन कर लेना होता है और यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है।

मंत्री संतोष सिंह से लॉरेंस के नाम पर मांगी 30 लाख की रंगदारी

पटना। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर श्रम संसाधन मंत्री संतोष सिंह से फोन पर 30 लाख रुपये फिरौती मांगी गयी है। नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी है। फोन तब आया जब वह नियोजन भवन में थे। संतोष सिंह ने बताया कि फोन करने वाले शख्स ने कहा कि मैं लॉरेंस बिश्नोई बोल रहा हूं। 30 लाख रुपये दे दो नहीं तो अंजाम भुगतने को तैयार हो जाओ। मंत्री ने फोन काट दिया। इसके बाद कई कॉल करने के बाद भी जब मंत्री ने फोन नहीं उठाया, तो मैसेज आया कि जिस तरह बाबा सिद्दीकी का मर्डर हुआ, तेरा भी होगा। तेरी गाड़ी का नंबर 0011 है। जिस भी गाड़ी में बैठोगे, मार देंगे। कौन से गांव में बैठे हो, मैसेज कर उधर ही मार दूंगा। जिंदगी की सलामती चाहते है, तो 30 लाख ट्रांसफर कर दो। सोच कर बताना, दोबारा मैसेज नहीं करूंगा।

रोहतास में कई घरों और राइस मिल से पुलिस ने जब्त किया कई ट्रक लॉटरी टिकट

डेहरी सदर (रोहतास)। डेहरी शहर के बारह पत्थर व मोहन बिगहा मुहल्ले और चेनारी थाना क्षेत्र के खुर्माबाद की एक राइस मिल में पटना एसटीएफ के साथ जिला पुलिस ने प्रतिबंधित लॉटरी के खिलाफ मंगलवार की दोपहर छापेमारी शुरू की, जो देर रात तक चलती रही। एसपी रौशन कुमार ने बताया कि डेहरी के बारह पत्थर मुहल्ले के दो घरों और मोहन बिगहा के एक घर सहित चेनारी थाना क्षेत्र के खुर्माबाद की एक राइस मिल में छापेमारी की गयी है। इन जगहों से काफी संख्या में लॉटरी के टिकट बरामद किये गये हैं। अभी तक चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। बुधवार को लॉटरी टिकटों की गिनती के बाद ही उसकी सही संख्या बतायी जा सकती है।

पटना से आयी एसटीएफ की टीम, जिला आसूचना (डीआइयू) और जिला पुलिस की टीम ने एक साथ चार जगहों पर छापेमारी की। छापेमारी में शामिल अधिकारी कुछ भी बोलने से परहेज करते रहे। करीब 12 बजे दंडाधिकारी के रूप में डेहरी अंचल के राजस्व पदाधिकारी अकरम अंसारी की उपस्थिति में छापेमारी टीम ने डेहरी के बारह पत्थर स्थित पूजा मिक्सिंग लैब संचालक राजेश गुप्ता के घर में छापेमारी की, जहां से कई बैग लॉटरी के टिकट, एक बंद अलमारी और कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त की गयी। इसके साथी राजेश गुप्ता के घर से रिशु कुमार, खीरू कुमार और शिवम कुमार नामक तीन लोगों को हिरासत में लिया गया। वहीं, बारह पत्थर मुहल्ले में ओमप्रकाश गुप्ता व प्रकाश पासवान के घर से भी टीम ने कई बैग लॉटरी और उपकरणों को जब्त किया। यहां से सोनू कुमार नामक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। उधर, मोहन बिगहा में गोपाल प्रसाद के घर में पुलिस टीम ने छापेमारी की। वहां से क्या मिला, इसकी जानकारी नहीं दी।

ग्रामीणों के हमले में दो दारोगा समेत पांच घायल, दो गिरफ्तार

बरहट (जमुई)। थाना क्षेत्र के भंदरा गांव में सोमवार की रात एक प्रेमी जोड़े को पकड़ने गयी पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इसमें बरहट थाने में पदस्थापित एसआइ धनंजय सिंह, प्रशिक्षु एसआइ शुभम कुमार झा, शेखपुरा टाउन थाने की महिला पुलिस पदाधिकारी प्रीति कुमारी व पुलिस जवान अजय कुमार, रवि कुमार घायल हो गये। इस घटना में एसआइ धनंजय सिंह के बाएं हाथ व पुलिस पदाधिकारी प्रति कुमारी की उंगली में चोटें आयीं। सभी घायल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरहट में इलाजरत हैं। घटना में पुलिस वाहन का शीशा टूट गया। हालांकि इसके बाद अतिरिक्त पुलिस को बुलाकर अपहृता को बरामद कर लिया गया, जबकि आरोपित युवक भागने में सफल रहा। पुलिस के साथ मारपीट करने के आरोप में मुन्ना पासवान और अशोक पासवान को गिरफ्तार भी किया गया। दोनों गिरफ्तार व्यक्ति नामजद आरोपित युवक के परिजन हैं। पुलिस नामजद आरोपित के घर पहुंच कर पूछताछ कर रही थी, तभी महिला व पुरुष पुलिस के साथ बकझक करने लगे और देखते-ही-देखते ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और इस दौरान आरोपित युवक फरार हो गया। ग्रामीणों के उग्र रवैया को देखकर घटनास्थल पर रहे पुलिस पदाधिकारियों ने इसकी सूचना वरीय पदाधिकारियों को दी। सूचना पाकर काफी संख्या पुलिस वहां पहुंची और अपहृत लड़की के साथ-साथ उपर्युक्त दोनों को गिरफ्तार कर थाना ले गयी।

बरहट थानाध्यक्ष कुमार संजीव ने बताया कि इस मामले में 11 नामजद और 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस पर हमला करने वालों की पहचान कर ली गयी है। सभी की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस छापेमारी कर रही है।

पेज एक का शेष

18 घंटे में साढ़े...

श्रद्धालु अब प्रयागराज के साथ चित्रकूट, विंध्यवासिनी धाम, वाराणसी व अयोध्या की तरफ भी जाएंगे। इन शहरों के रास्तों पर भी श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो, हमने इसकी भी व्यवस्था की है।

हर जगह कैमरे की नजर में : प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने कहा कि मकर संक्रांति पर 3.50 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। मुख्यमंत्री पल-पल की जानकारी ले रहे हैं। पीएम मोदी की अपेक्षा थी कि इसे डिजिटल महाकुंभ के रूप में स्थापित किया जाए। इसे देखते हुए पूरे मेला क्षेत्र को कैमरे से स्कैन किया गया है। गूगल लोकेशन, यूपीआई समेत सारी सुविधा उपलब्ध कराते हुए इसे डिजिटल स्वरूप देने का प्रयास किया गया है। भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक मैनेजमेंट, खोया-पाया लोकेशन आदि में एआई समेत टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है।

सीएम योगी ने महाकुम्भ को सनातन धर्म की अनुपम शक्ति और आस्था का प्रतीक बताते हुए कहा, ₹प्रथम अमृत स्नान पर्व पर आज 3.50 करोड़ से अधिक पूज्य संतों और श्रद्धालुओं ने अविरल-निर्मल त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ अर्जित किया।₹

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ के प्रथम अमृत स्नान पर्व के सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित विभागों और संगठनों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, ₹सनातन धर्म के आधार सभी पूज्य अखाड़ों, महाकुम्भ मेला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन, पुलिस प्रशासन, स्वच्छताकर्मियों, स्वयंसेवी संगठनों एवं धार्मिक संस्थाओं, नाविकों तथा महाकुम्भ से जुड़े केंद्र व प्रदेश सरकार के सभी विभागों को हृदय से साधुवाद।₹

इस मौके पर उन्होंने प्रदेशवासियों और श्रद्धालुओं को अपनी शुभकामनाएं दीं और आस्था के इस महायज्ञ के सुचारु रूप से चलने की कामना करते हुए उन्होंने लिखा, ₹पुण्य फलें, महाकुम्भ चलें।₹ महाकुम्भ 2025 में मकर संक्रांति पर संगम तट पर उमड़ी भक्तों की भीड़ और उनके उत्साह ने एक बार फिर भारतीय संस्कृति और परंपरा की अद्वितीय छवि प्रस्तुत की।

पाकिस्तान और अरब देशों में भी महाकुंभ की धूम : महाकुंभ अब सिर्फ भारतीय आयोजन नहीं रहा, यह एक वैश्विक पर्व बन गया है। तीर्थराज प्रयागराज में सोमवार को महाकुम्भ 2025 का भव्य शुभारंभ हो चुका है। ब्राजील, जर्मनी, जापान, इंग्लैंड, अमेरिका और स्पेन जैसे देशों के श्रद्धालु भी प्रयागराज पहुंचने लगे हैं। यह आयोजन अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सनातन संस्कृति के बढ़ते प्रभाव को दिखा रहा है। खास बात ये है कि पाकिस्तान और अरब समेत इस्लामिक देश भी महाकुम्भ में रुचि दिखा रहे हैं। गूगल ट्रेंड्स के अनुसार, इस्लामिक देशों में योगी सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे महाकुम्भ के आयोजन को खूब सर्च किया जा रहा है।

पाकिस्तान में महाकुंभ के चर्चे : महाकुम्भ को सर्च करने वाले देशों की सूची पर नज़र डालें तो पहला नाम सबसे ज्यादा चौंकाता है जो कि पाकिस्तान है। भारत के परस्पर विरोधी देश में लोग महाकुम्भ के आयोजन और यहां जुट रही व्यापक भीड़ को खूब सर्च कर रहे हैं। पाकिस्तान के बाद कतर, यूएई और बहरीन जैसे देशों ने महाकुम्भ में गहरी रुचि दिखाई है। इसके अलावा, नेपाल, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, आयरलैंड, ब्रिटेन, थाईलैंड और अमेरिका जैसे देशों के लोग भी महाकुम्भ के बारे में पढ़ और खोज रहे हैं।

निधि खरे को...

देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करता है मंत्रालय : नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय भारत सरकार का नोडल मंत्रालय है, जो नवीन और अक्षय ऊर्जा से संबंधित मामलों की देखरेख करता है। इसका मुख्य उद्देश्य देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नवीन और अक्षय ऊर्जा का विकास और स्थापना करना है। निधि खरे ने इस मंत्रालय में नये सचिव के रूप में अपना पदभार ग्रहण कर लिया है।

क्रैश हुआ अडानी...

यह ड्रोन 70% स्वदेशी है और इसकी 36 घंटे तक की उड़ान क्षमता है। 450 किलोग्राम तक का पेलोड ले जाने में सक्षम यह ड्रोन निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने में अहम भूमिका निभाता है। भारतीय नौसेना ने पहले ही दृष्टि 10 को अपने बेड़े में शामिल कर लिया था और यह ड्रोन सेना और नौसेना की खुफिया, निगरानी और टोही क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से खरीदा गया था। प्रत्येक दृष्टि 10 ड्रोन की कीमत लगभग 145 करोड़ रुपये है।

दुर्घटना के बाद ड्रोन को बरामद कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब भारतीय नौसेना अपनी समुद्री सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। चार महीने पहले एमक्यू-9बी सीगार्डियन ड्रोन भी बंगाल की खाड़ी में तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। भारतीय नौसेना जल्द ही दो युद्धपोत और एक पनडुब्बी को अपने बेड़े में शामिल करने जा रही है। इनमें कलवरी-क्लास की अंतिम पनडुब्बी 'वाघशीर', विध्वंसक 'सूरत', और फ्रिगेट 'नीलगिरी' शामिल हैं। ये मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में निर्मित हुए हैं। नौसेना अपने टोही क्षमताओं को मजबूत करने के लिए अमेरिका से 31 एमक्यू-9बी ड्रोन खरीदने के समझौते पर भी हस्ताक्षर कर चुकी है, जिसका मुख्य उद्देश्य भारतीय महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती गतिविधियों पर नजर रखना है।

सड़क दुर्घटना में...

हादसे के बाद भाग रहा था कंटेनर ड्राइवर : कंटेनर का ड्राइवर टक्कर मारने के बाद घटनास्थल से भागने लगा। पूर्व मंत्री राजा पीटर ने तत्काल तमाड़ पुलिस को इसकी सूचना दी। तमाड़ पुलिस सूचना मिलते ही एक्शन में आयी और भागते कंटेनर ड्राइवर को तमाड़ के पास पकड़ लिया।

कंटेनर के ड्राइवर व खलासी से पूछताछ : तमाड़ के थाना प्रभारी रोशन कुमार झा सड़क हादसे की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। कंटेनर के ड्राइवर और खलासी को पुलिस ने पकड़ लिया है। तमाड़ थाने में उनसे पूछताछ की जा रही है।

लोहरदगा में....

उसके भाई की कुछ समय पहले गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने फायरिंग करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान एनामुल अंसारी के रूप में हुई है। एनामुल भी पूर्व में कई आपराधिक मामलों में संलिप्त रहा है। उस पर कुड़ू के पूर्व अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह पर जानलेवा हमला करने का आरोप है। बहरहाल, पूरे मामले में हर एंगल से तहकीकात की जा रही है। जिले के वरीय अफसर भी घटना की जानकारी मिलने के बाद कुड़ू पहुंचे हैं।

झारखंड में 24 घंटे के भीतर चार लोगों की हत्या: झारखंड में पिछले 24 घंटे के भीतर अलग-अलग इलाकों में हुई आपराधिक वारदातों में चार लोगों की गोली मारकर हत्या की गई है। सोमवार को बोकारो जिले के कसमार प्रखंड में हजारीबाग डिस्ट्रिक्ट ट्रेजरी के स्टाफ पिंटू कुमार नायक, सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल में स्टूडियो संचालक दिलीप कुमार गोराई और साहिबगंज जिले के मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र में ग्राम प्रधान होली कोड़ा की हत्या कर दी गई थी।

झारखंड विधानसभा...

इस बार का बजट सत्र 20 दिनों का होगा। 20 दिनों में 9 दिन अवकाश रहेगा। पहले दिन 24 फरवरी 2025 को नए सदस्यों के शपथ ग्रहण के अलावा राज्यपाल के अभिभाषण और शोक प्रकाश का कार्यक्रम है। सत्र के अंतिम दिन 27 मार्च को प्रश्नकाल, राजकीय विधेयक और गैर सरकारी संकल्प लाए जाएंगे। इससे पहले 27 फरवरी को पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 का तीसरा अनुपूरक बजट सरकार सदन में लाएगी।

24 फरवरी को राज्यपाल का अभिभाषण

बजट सत्र के पहले दिन 24 फरवरी को राज्यपाल का अभिभाषण होगा। देश की दिवंगत विभूतियों को इस दिन याद किया जाएगा। उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी जाएगी। अगले दिन 25 फरवरी को पूरे दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर पक्ष-विपक्ष के सदस्य चर्चा करेंगे। अनुपूरक बजट पर वाद-विवाद के लिए भी एक दिन रखा गया है। 3 मार्च को मुख्य बजट पेश किया जाएगा। इसके बाद दूसरी पाली में 24 मार्च तक चर्चा होगी। 25 मार्च को राजकीय विधेयक और राजकीय कार्य होंगे।

बजट सत्र में किस दिन क्या होगा?

- ❑ 24 फरवरी : नए सदस्यों की शपथ, राज्यपाल का अभिभाषण, शोक प्रकाश
- ❑ 25 फरवरी : प्रश्नकाल, राज्यपाल के अभिभाषण पर वाद-विवाद
- ❑ 26 फरवरी : अवकाश
- ❑ 27 फरवरी : प्रश्नकाल, वित्तीय वर्ष 2024-25 का तीसरा अनुपूरक बजट, राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा
- ❑ 28 फरवरी : प्रश्नकाल, अनुपूरक पर चर्चा
- ❑ 01-02 मार्च : अवकाश
- ❑ 03 मार्च : वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट
- ❑ 04 मार्च : प्रश्नकाल, बजट पर वाद-विवाद
- ❑ 05 मार्च : प्रश्नकाल, बजट पर वाद-विवाद
- ❑ 06 मार्च : प्रश्नकाल, बजट पर वाद-विवाद
- ❑ 07 मार्च : प्रश्नकाल, बजट पर वाद-विवाद
- ❑ 08-09 मार्च: अवकाश
- ❑ 10 मार्च : प्रश्नकाल, बजट पर वाद-विवाद
- ❑ 11 मार्च : प्रश्नकाल, बजट पर वाद-विवाद
- ❑ 12 से 16 मार्च तक : अवकाश
- ❑ 17 मार्च : प्रश्नकाल, बजट पर वाद-विवाद
- ❑ 18 मार्च : प्रश्नकाल, बजट पर वाद-विवाद
- ❑ 19 मार्च : प्रश्नकाल, बजट पर वाद-विवाद
- ❑ 20 मार्च : प्रश्नकाल, बजट पर वाद-विवाद
- ❑ 21 मार्च : प्रश्नकाल बजट पर वाद-विवाद
- ❑ 22-23 मार्च : अवकाश
- ❑ 24 मार्च: प्रश्नकाल, बजट पर वाद-विवाद, विनियोग विधेयक
- ❑ 25 मार्च : प्रश्नकाल, राजकीय विधेयक
- ❑ 26 मार्च : प्रश्नकाल, राजकीय विधेयक व अन्य राजकीय कार्य
- ❑ 27 मार्च : प्रश्नकाल, राजकीय विधेयक, गैर सरकारी संकल्प

नीरू शांति भगत...

वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद पार्टी के अंदर खलबली मची हुई थी। नीरू शांति भगत ने कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं पर पार्टी और उन्हें चुनाव हराने को लेकर आरोप लगाया था। हाल के समय में नीरू शांति भगत की मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात के बाद जेएमएम में जाने की चर्चा भी तेज हो गई थी। वहीं विगत दिन आजसू पार्टी की चुनाव समीक्षा बैठक में नीरू शांति भगत पर जेएमएम में जाने की पहल करने और आजसू को तोड़ने की पहल करने का आरोप लगाया गया था और पार्टी विरोधी कार्य करने को लेकर उन पर कार्रवाई के लिये केंद्रीय नेतृत्व को प्रस्ताव भेजा गया था। इस बैठक में पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता देवशरण भगत भी मौजूद थे। वहीं मामले में नीरू शांति भगत ने कहा कि कुछ लोग अपनी गलती को छिपाने को लेकर उन पर आरोप लगा रहे हैं। वे लोग मानसिक तनाव देने का प्रयास कर रहे हैं। वह किसी पार्टी में जातीं, तो सबको पता चल जाता।

अब केंद्रीय अध्यक्ष को भेजा पत्र, दिया सुझाव : केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो को भेजे पत्र में नीरू शांति भगत ने कहा है कि वह बिना किसी राग, द्वेष, भेदभाव के पार्टी के सभी पदों और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रही हैं। पार्टी ने उन्हें एक झारखंड आंदोलनकारी की पत्नी के रूप में जो मान सम्मान और प्यार दिया, उसके लिए वह पूरे दिल से शुक्रिया अदा करती हैं।

उन्होंने पत्र में लिखा कि एक छोटी सलाह देना चाहूंगी कि पार्टी के पदाधिकारियों- कार्यकर्ताओं को अपनी बोली- चाली, बात- व्यवहार और लेखन में शालीनता और सौम्यता लाने के लिए प्रशिक्षण अवश्य प्रदान करें। यह पार्टी के लिए हितकारी होगा। साथ ही झारखंड आंदोलन के इतिहास का प्रशिक्षण पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को अवश्य देने की कृपा करें।

कार्मेल स्कूल की...

इस दौरान छात्राओं ने जिस शर्ट पर शुभकामनाएं लिखी थीं, उसकी भी जांच की गई। स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों की सहमति से पूरे मामले का पटाक्षेप कर दिया गया। स्कूल प्रिंसिपल ने खेद जताते हुए कहा है कि छात्राओं को पढ़ाई में कोई परेशानी नहीं होगी।

वहीं एसडीएम राजेश कुमार ने कहा कि मामला पूरी तरह खत्म हो गया है। आरोप लगाने वाले बच्चों से पूछताछ की गई। सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। जांच में कोई आपत्तिजनक चीज नजर नहीं आई। स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों की सहमति से मामले को खत्म कर दिया गया है। ऐसा कोई मामला नहीं है, दोनों की सहमति से इसे समाप्त कर दिया गया है। स्कूल की प्रिंसिपल एम वेदश्री ने खेद जताते हुए कहा है कि भविष्य में छात्रों की पढ़ाई में कोई दिक्कत नहीं आएगी।

पीएम मोदी ने मनाया...

इस बार काइट फेस्टिवल में 11 राज्यों और 47 देशों के 143 पतंगबाज हिस्सा ले रहे हैं। यहां विभिन्न आकार और डिजाइन की पतंगें आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

पतंग उड़ाने की परंपरा सूर्य देव की पूजा का प्रतीक मानी जाती है। इस महोत्सव में बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। सूर्य के उत्तरायण होने यानी कि उत्तरायण पूर्व पर पतंगबाजी करना गुजरात की संस्कृति हिस्सा है। हालांकि, अब दूसरे देशों के पर्यटक भी इसमें हिस्सा लेते हैं।

हाई कोर्ट ने...

जुर्माना की यह राशि 2 सप्ताह में हाईकोर्ट लीगल सर्विस कमेटी के पास जमा करने का निर्देश दिया है। खंडपीठ ने मामले में प्रतिवादी राज्य सरकार एवं अन्य को नोटिस जारी किया है।

दरअसल, प्रार्थी द्वारा कहा गया था कि उन्हें ब्लैकलिस्टेड किए जाने से संबंधित इंक्वारी रिपोर्ट की प्रति नहीं मिली है। वहीं, सरकार की ओर से कहा गया कि इंक्वारी रिपोर्ट की प्रति प्रार्थी को दी गई है या नहीं, इस पर वह संबंधित विभाग से इंस्ट्रक्शन लेंगे। इसलिए समय दिया जाए। इस पर कोर्ट ने कहा कि रिट दाखिल किए जाने के एक माह के समय बीत जाने के बावजूद भी सरकार की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया जा रहा है कि प्रार्थी को इंक्वारी रिपोर्ट दी गई है या नहीं।

दरअसल, पेयजल स्वच्छता विभाग ने उक्त कंपनी को जल मीनार के मामले में 5 साल के लिए ब्लैकलिस्टेड किया था। इसे लेकर तीन सदस्य वाली एक कमेटी बनी थी। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर मेसर्स एकेजी कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड को ब्लैकलिस्ट किया गया। जिसे कंपनी ने हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

अब भूकंप की...

मिशन मौसम की शुरुआत की : पीएम नरेंद्र मोदी ने मिशन मौसम की शुरुआत की। इस मिशन का लक्ष्य अत्याधुनिक मौसम निगरानी तकनीक और सिस्टम विकसित करके, उच्च-रिजोल्यूशन वायुमंडलीय अवलोकन, अगली पीढ़ी के रडार और उपग्रहों एवं उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटरों को कार्यान्वित करते हुए उच्च स्तरीय क्षमता को हासिल करना है। पीएम मोदी ने कहा कि मिशन का मकसद भारत को मौसम के प्रति तैयार और जलवायु के प्रति स्मार्ट राष्ट्र बनाना है। मिशन मौसम का उद्देश्य मौसम और जलवायु प्रक्रियाओं की समझ को बेहतर बनाने, वायु गुणवत्ता डेटा प्रदान करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा जो लंबे समय में मौसम प्रबंधन और हस्तक्षेप की रणनीति बनाने में सहायता प्रदान करेगा।

'विश्व में भारत को लेकर भरोसा भी बढ़ा' : उन्होंने कहा कि हमारी मौसम संबंधी प्रगति के साथ हमारी आपदा प्रबंधन क्षमता का निर्माण हुआ है। इसका फायदा पूरी दुनिया को मिल रहा है। आज हमारा फ्लैश फ्लड गाइडेंस सिस्टम नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका को भी मदद दे रहा है। हमारे पड़ोस में कहीं कोई आपदा आती है, तो भारत सबसे पहले मदद के लिए उपस्थित होता है। इससे विश्व में भारत को लेकर भरोसा भी बढ़ा है। दुनिया में विश्व बंधु के रूप में भारत की छवि और भी मजबूत हुई है।

आईएमडी विजन-2047 दस्तावेज भी जारी किया : प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम में मौसम संबंधी अनुकूलता और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के लिए आईएमडी विजन-2047 दस्तावेज भी जारी किया। इसमें मौसम पूर्वानुमान, मौसम प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन शमन की योजनाएं शामिल है। कार्यक्रम में विश्व मौसम विज्ञान विभाग की महासचिव सेलेस्टे सौलो, पृथ्वी विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह, पृथ्वी विज्ञान सचिव एम रविचंद्रन, आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा मौजूद रहे।

'परीक्षा पे चर्चा': पीएम...

शिक्षा विभाग ने छात्रों को प्रेरित करने और इस कार्यक्रम की जानकारी देने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास किए हैं।

देश भर से करोड़ों छात्रों का होगा रजिस्ट्रेशन : राष्ट्रीय स्तर पर इस कार्यक्रम को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। अब तक 3.5 करोड़ से अधिक छात्रों ने रजिस्ट्रेशन किया है। इसमें उत्तराखंड के छात्रों का उत्साह भी काबिले तारीफ है। इस पहल के माध्यम से छात्रों को न केवल परीक्षा के लिए मानसिक रूप से तैयार किया जा रहा है, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ाया जा रहा है।

जानें क्या है 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम

'परीक्षा पे चर्चा' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित एक वार्षिक कार्यक्रम है, जो बोर्ड परीक्षाओं से पहले छात्रों को तनाव मुक्त करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम में छात्र न केवल पीएम मोदी से संवाद करते हैं। बल्कि परीक्षा की तैयारी और तनाव प्रबंधन से जुड़ी उनकी सलाह भी प्राप्त करते हैं। छात्र और अभिभावक इस कार्यक्रम को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उनका मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी के सुझाव परीक्षा के दौरान आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करेंगे। छात्रों के सवालों के जवाब देते हुए पीएम मोदी उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं।

केजरीवाल पर हमला...

केजरीवाल पर कब-कब हुए हमले? : ❑ अरविंद केजरीवाल पर पहले कई हमले हो चुके हैं। 2019 में मई के महीने में केजरीवाल सुल्तानपुरी में रोड शो कर रहे थे तभी एक शख्स उनकी गाड़ी के सामने आया और उन्हें थप्पड़ मार दिया था। ❑ इससे पहले नवंबर 2018 में अरविंद केजरीवाल पर अनिल शर्मा नाम के एक शख्स ने मिर्च पाउडर फेंक दिया था। 20 नवंबर 2018 को दिल्ली सचिवालय में अनिल नाम के शख्स ने दोपहर करीब 2 बजकर 10 मिनट पर केजरीवाल पर मिर्च पाउडर फेंका था। ❑ 9 अप्रैल 2016 को केजरीवाल पर एक शख्स ने जूता फेंका था। ये शख्स ऑड-ईवन स्कीम के दौरान सीएनजी स्टिकर की बिक्री में धांधली को लेकर नाराज था। ❑ फरवरी 2016 में पंजाब के लुधियाना में केजरीवाल की कार पर कुछ लोगों ने लोहे की रॉड और डंडों से हमला किया था। इस घटना में केजरीवाल की कार का सामने वाला शीशा टूट गया था। ❑ जनवरी 2016 में आम आदमी सेना की सदस्यस भावना अरोड़ा ने केजरीवाल पर स्याकही फेंकी थी। ❑ 4 अप्रैल 2014 को एक ऑटो रिक्शास ड्राइवर ने दिल्ली के सुल्तााानपुरी इलाके में केजरीवाल को थप्परड़ मारा था। बाद में केजरीवाल ऑटो चालक के घर भी गए जहां उससे माफ़ी भी मांगी थी। इस घटना के मात्र 4 दिन बाद 8 अप्रैल 2014 को अरविंद केजरीवाल पर दिल्ली में रोड शो के दौरान एक शख्स को थप्पड़ मारने की कोशिश की थी। ❑ 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान ही वारासणी में कुछ लोगों ने केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के कुछ नेताओं पर अंडे और स्याही फेंकी थी।

महाकुंभ में स्नान कर रहे थे एनसीपी नेता, त्रिवेणी संगम में ही हो गई मौत

प्रयागराज। सोलापुर के पूर्व महापौर और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता महेश कोठे की मंगलवार को प्रयागगाज के त्रिवेणी संगम पर स्नान करते समय दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। उनके करीबी ने यह जानकारी दी। वह 60 वर्ष के थे। घटना सुबह करीब साढ़े सात बजे गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदी के त्रिवेणी संगम पर हुई। उन्होंने कहा, 'कोठे (मकर संक्रांति पर) अमृत स्नान के लिए त्रिवेणी संगम गए थे। नदी के पानी में उन्हें दिल का दौरा पड़ा। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहा उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।' कोठे का पार्थिव शरीर बुधवार को अंतिम संस्कार के लिए सोलापुर लाया जाएगा। कोठे ने 20 नवंबर को सोलापुर (उत्तर) से भाजपा के विजय देशमुख के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। कोठे के परिवार में पत्नी और एक बेटा है। प्रयागराज में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। विभिन्न अखाड़ों के संतों ने मकर संक्रांति के अवसर पर महाकुंभ में पहला अमृत स्नान किया। सुबह 8:30 बजे तक 1.38 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। एनसीपी (SP) के प्रमुख शरद पवार ने कोठे के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, "मेरे पुराने सहयोगी महेश कोठे का प्रयागराज में निधन हो गया। महेश कोठे का सोलापुर शहर के सामाजिक व राजनीतिक परिदृश्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव था। उनके निधन से सोलापुर ने एक गतिशील और समर्पित कार्यकर्ता खो दिया। हम सभी दुख की इस घड़ी में कोठे परिवार के साथ खड़े हैं। हार्दिक संवेदना!"

बीआरएस नेता केटी रामाराव को तेलंगाना पुलिस ने किया नजरबंद

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) को नजरबंद कर दिया। गाचीबोवली में उनके आवास के बाहर पुलिस बल तैनात की गई। एक अन्य बीआरएस नेता, पूर्व मंत्री हरीश राव को भी घर में नजरबंद कर किया गया है। कोकापेट में उनके आवास के बाहर पुलिसकर्मी तैनात है। पार्टी विधायक कौशिक रेड्डी को हिरासत में लेने के बाद बीआरएस के दो वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ पुलिस कार्रवाई हुई। हुजूराबाद से विधायक रेड्डी को गिरफ्तारी के बाद भारी सुरक्षा के बीच करीमनगर कोर्ट में पेश किया गया। उनके खिलाफ तीन मामले दर्ज थे, और जगतियाल विधायक संजय कुमार द्वारा उनके खिलाफ दायर शिकायत पर करीमनगर पुलिस ने उन्हें जुबली हिल्स, हैदराबाद से गिरफ्तार किया था। दरअसल करीमनगर में जिला समीक्षा समिति की बैठक में रेड्डी और कुमार के बीच विवाद हो गया। बीआरएस विधायक रेड्डी पर बैठक में बाधा डालने और अन्य नेताओं, खासकर कुमार से बात करने पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगा था। रेड्डी की गिरफ्तारी के बाद केटीआर ने कांग्रेस रेडडी सरकार की आलोचना की। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर आदतन झूठे मामले दर्ज करने और उनकी पार्टी के नेताओं को बार-बार गिरफ्तार करने का आरोप लगाया। इससे पहले, केटीआर और हरीश राव को फॉर्मूला ई रेस फंडिंग की अनियमितताओं में कथित संलिप्तता के लिए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा घर में नजरबंद रखा गया था।

तीन बार से ज्यादा ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर बिहार में रद्द या निलंबित होगा ड्राइविंग लाइसेंस

पटना। बिहार में वाहन चालक ध्यान दें, अगर आपने तीन बार से ज़्यादा ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया, तब आपका ड्राइविंग लाइसेंस रद्द या निलंबित हो सकता है। इस संबंध में, बिहार में ट्रैफिक पुलिस ने तीन बार से ज़्यादा नियमों का उल्लंघन करने वाले करीब 10,000 लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द या निलंबित करने की सिफारिश की है। अपर पुलिस महानिदेशक (ट्रैफिक) सुधांशु कुमार ने बताया कि ट्रैफिक नियमों का बार-बार उल्लंघन करने पर ड्राइविंग लाइसेंस रद्द या निलंबित होगा। उन्होंने कहा, ट्रैफ़िक पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों में तीन बार से ज़्यादा ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले करीब 10,000 लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द या निलंबित करने की सिफ़ारिश की है। उन्होंने बताया कि सिफारिशें संबंधित जिलों के अधिकारियों को भेज दी गई हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि अगर कोई तीन बार से अधिक यातायात नियमों का उल्लंघन करता है, तब उसका ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित होगा और अगर वह इसके बाद भी उल्लंघन करता है, तब ड्राइविंग लाइसेंस रद्द ही कर दिया जाएगा। ट्रैफिक सिग्नल का उल्लंघन, तेज गति से गाड़ी चलाना, ओवरलोडिंग और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने जैसे अपराधों के लिए लगातार तीन बार से अधिक चालान प्राप्त करने वाले व्यक्ति का लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी।

राजौरी : लैंड माइन ब्लास्ट से छह जवान हुए घायल

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में एलओसी के पास लैंड माइन ब्लास्ट में सेना के 6 जवान घायल हो गए हैं। धमाका भवानी सेक्टर के मकरी इलाके में हुआ। इस दौरान सेना के जवान खंबा फोर्ट के पास पेट्रोलिंग कर रहे थे। घायलों को आर्मी अस्पताल भेजा गया है। धमाके की जांच की जा रही है। गोरखा राइफल्स के जवानों की एक टुकड़ी सुबह करीब 10.45 बजे राजौरी में खंबा किले के पास पेट्रोलिंग कर रही थी, उसी समय ब्लास्ट हुआ। घायल जवानों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। उन्हें मामूली चोटें आई हैं और उनकी हालत स्थिर है।

देशभर में एचएमपीवी के 18 मामले, पुंडुचेरी में एक और बच्चा मिला पॉजिटिव

नई दिल्ली। कोरोना वायरस जैसे ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के देश में कुल 18 मामले हो गए हैं। सोमवार को पुडुचेरी में एक और बच्चा पॉजिटिव आया है। इससे पहले 3 और 5 साल के दो बच्चे संक्रमित पाए गए थे। पुडुचेरी के मेडिकल सर्विस डायरेक्टर वी रविचंद्रन ने कहा- बच्चे को बुखार, खांसी जैसी शिकायतें थीं। उसे 10 जनवरी को जेआईपीएमईआर में भर्ती कराया गया था। बच्चा ठीक हो रहा है। देश में एचएमपीवी के सबसे ज्यादा 4 मामले गुजरात में हैं। महाराष्ट्र में 3, कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, यूपी, राजस्थान, असम और बंगाल में एक-एक केस सामने आया है। एचएमपीवी केस बढ़ने पर अब राज्यों ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। पंजाब में बुजुर्गों और बच्चों को मास्क पहनने की सलाह दी गई है। इधर, गुजरात में अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड बनाए जा रहे हैं। हरियाणा में भी स्वास्थ्य विभाग को एचएमपीवी केसेस पर निगरानी रखने के आदेश दिए गए हैं।

दुष्कर्म मामले में फंसे हरियाणा भाजपा अध्यक्ष, महिला की शिकायत पर मामला दर्ज

पंचकूला। हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली (61) और सिंगर रॉकी मित्तल के खिलाफ गैंगरेप की एफआईआर दर्ज हुई है। ये केस हिमाचल के कसौली पुलिस थाने में 13 दिसंबर 2024 को दर्ज हुआ था। जिसकी जानकारी अब सार्वजनिक हुई है। दिल्ली की रहने वाली महिला का आरोप है कि उसके साथ कसौली के होटल में जबरन शराब पिलाकर रेप किया गया। इसके लिए रॉकी मित्तल ने उसे अपनी एल्बम में एक्ट्रेस बनाने और बड़ौली ने सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा दिया। रेप के बाद उसे डरा-धमकाकर कमरे से बाहर निकाल दिया। उसकी अश्लील फोटो और वीडियो भी बनाई गईं। इसके बाद पंचकूला में उसे केस में फंसाने की कोशिश की गई।

जम्मू-कश्मीर के अखनूर में गरजे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, बोले-
पीओके के बिना अधूरा है जम्मू-कश्मीर

-यह पाकिस्तान के लिए विदेशी जमीन, यहां आतंकी ट्रेनिंग कैंप चलाए जा रहे

श्रीनगर (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पीओके यानी पाक अधिकृत कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताया है। उन्होंने कहा कि पीओके के बिना जम्मू-कश्मीर अधूरा है। पीओके और कुछ नहीं बल्कि पाकिस्तान के लिए विदेशी जमीन है और इस जमीन का इस्तेमाल वह आतंकवाद फैलाने के लिए कर रहा है। पीओके में आतंकियों के लिए ट्रेनिंग कैंप चलाए जा रहे हैं। राजनाथ सिंह ने यह बात मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के अखनूर में 9वें आर्म्ड फोर्सेज वेटरंस डे इवेंट में कही।

उन्होंने कहा कि 1965 में अखनूर में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध लड़ा गया था। भारत ने पाकिस्तानी सेना के सभी प्रयासों को विफल कर दिया था। अब तक भारत और पाकिस्तान के बीच जितने युद्ध हुए, उनमें भारत ने पाकिस्तान को हराया है। 1965 से ही पाकिस्तान ने भारत में अवैध घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा देना शुरू कर दिया था। राजनाथ ने कहा कि हमारे मुस्लिम भाइयों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दी है। आज भी भारत में घुसने वाले 80 प्रतिशत से अधिक आतंकवादी पाकिस्तान से आते हैं। 1965 में ही सीमापार आतंकवाद खत्म हो सकता था, लेकिन तब की लाल बहादुर शास्त्री की अगुआई वाली केंद्र सरकार युद्ध में प्राप्त सामरिक लाभ को रणनीतिक लाभ में बदलने में असमर्थ रही।

दूरी खत्म करना हमारी प्राथमिकता

राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि कश्मीर और बाकी देश के बीच जो भी दूरी है, उसे खत्म किया जाए। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला इस दिशा में कदम उठा रहे हैं। अखनूर में वेटरंस डे सेलिब्रेशन से यही साबित होता है कि अखनूर की हमारे दिलों में वही जगह है, जो दिल्ली की है।

वेटरंस की सेवा करना हमारी जिम्मेदारी

कार्यक्रम में शामिल हुए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पूर्व सैनिकों ने देश के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया। आप वही लोग हैं जिन्होंने अपने भविष्य या जीवन की चिंता किए बिना देश की सुरक्षा के लिए त्याग किया। अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम आपकी सेवा करें। यह हमारा कर्तव्य है कि हम सुनिश्चित करके कि आपको आरामदायक जीवन मिल सके। ऐसा करके ही हम कर्ज चुका पाएंगे। उन्होंने कहा कि हम अपनी पूरी कोशिश करेंगे कि भर्ती में आरक्षण का पूरा उपयोग हो और योजनाओं के तहत आपको जरूरी आर्थिक मदद बिना किसी रुकावट के मिले। मुझे यह कहते हुए कोई झिझक नहीं है कि एक सेवानिवृत्त सैनिक के बेटे, सतीश शर्मा, मेरी कैबिनेट में हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के मुंबई दौरे से पहले यातायात पुलिस ने जारी किया परामर्श

मुंबई। मुंबई यातायात पुलिस के द्वारा परामर्श जारी किया गया है। इसमें बुधवार को इस्कॉन मंदिर के उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री मोदी के मुंबई दौरे से पहले प्रतिबंध लगे हैं। नवी मुंबई यातायात पुलिस ने खारघर में यातायात प्रतिबंधों की एक श्रृंखला लागू की है। ये प्रतिबंध यातायात प्रवाह को सुचारू बनाने और कार्यक्रम में अपेक्षित बड़ी भीड़ को प्रबंधित करने के लिए लगे हैं। इस्कॉन मंदिर का उद्घाटन समारोह सेक्टर 23 में शाम 5 बजे होगा और अधिकारियों को इस मौके पर बड़ी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकार के मंत्री, राजनीतिक नेता और आम लोग शामिल हो सकते है। यातायात परामर्श के अनुसार, ओवे गांव पुलिस स्टेशन से जे कुमार सर्किल और ग्रीन हेरिटेज तक सड़क के दोनों ओर वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। हालांकि, वीआईपी वाहन, पुलिस वाहन, आपातकालीन सेवाएं, सरकारी वाहन और कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोगों को प्रवेश की अनुमति होगी। वैक्लपिक मार्ग में प्रशांत कॉर्नर से ओवे गांव पुलिस स्टेशन की ओर प्रवेश करने वाले और जे कुमार सर्किल तक पहुँचने के इच्छुक वाहनों को ओवे गांव चौक पर बाएँ मुड़ना चाहिए। ओवे गांव चौक से जे कुमार सर्किल की ओर आने वाली कारों को प्रशांत कॉर्नर पर दाएँ मुड़ना चाहिए। शिल्प चौक से जे कुमार सर्किल की ओर जाने वाले वाहन चालकों को ग्रीन हेरिटेज चौक पर पहुँचना चाहिए और फिर उसी के अनुसार मुड़ना चाहिए।

भारत-बांग्लादेश के तनाव में, अपने हित की रोटी सेंकने में जुटा चीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में लगातार तनाव चरम पर है। हाल ही में, भारत ने बांग्लादेश बॉर्डर पर बाड़ लगाने की योजना तैयार की, ताकि अवैध घुसपैठियों को भारत में आने से रोक सके। इस पर बांग्लादेश ने कड़ा विरोध जताया। इसके जवाब में, भारत ने बांग्लादेश के राजदूत को नई दिल्ली में बुलाकर दो टूक कह दिया हैं कि बांग्लादेश को पिछले सरकारों द्वारा किए गए अनुबंधों को मानना होगा। एक घटनाक्रम में शेख हसीना सरकार के जाने के बाद, बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ी है, इसकारण दोनों देशों के बीच छोटे-छोटे मुद्दों पर तनातनी की स्थिति बन रही है।

चीन दोनों देशों के बीच तनाव का फायदा उठाने के लिए ढाका में राजनीतिक दलों के साथ अपने रिश्तों को मजबूत कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी राजदूत याओ वेन ने खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर से मुलाकात की। यह मुलाकात शेख हसीना की सरकार के तख्तापलट के बाद की गई, जब बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतें अधिक सक्रिय हुई हैं।

चीन को पता है कि बीएनपी का भारत के प्रति रुख सकारात्मक नहीं है, जबकि हसीना सरकार का झुकाव भारत की ओर था। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने जी20 समिट के दौरान हसीना को विश्व नेताओं से मिलवाया था, इससे भारत और बांग्लादेश के संबंध मजबूत हुए थे। लेकिन बीएनपी पार्टी ने भारत विरोधी प्रदर्शन किए थे, जिसमें उन्होंने भारतीय उत्पादों को जलाया था।

चीन की रणनीति है कि वह बांग्लादेश की नई सरकार से करीबी संबंध बनाकर बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का हिस्सा बनवाए। यदि ऐसा होता हैं तब यह भारत के लिए एक बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि भारत चीन के बेल्ट एंड रोड कार्यक्रम के खिलाफ है।

स्कूलों में बम की फर्जी धमकी देने का आरोपी निकला 12वीं का छात्रा, अफजल गुरु से लिंक

-मामले में एक राजनीतिक पार्टी का कनेक्शन भी आ रहा सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के 400 स्कूलों में बम की फर्जी धमकी देने वाले को दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को पकड़ लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी 12वीं का छात्रा है। उसकी फैमिली एक एनजीओ के संपर्क में थी, जो अफजल गुरु की फांसी का विरोध कर रहा था।

दरअसल, दिल्ली में 2024 में मई से लेकर दिसंबर तक 50 बम की धमकियां भेजी गईं। इसमें सिर्फ स्कूल ही नहीं अस्पताल, एयरपोर्ट और एयरलाइन कंपनियां भी शामिल हैं। इस महीने 4 बार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है।

मामले के सामने आते ही भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेसवार्ता कर कहा कि सभी को पता है कि आप का इसतरह के एनजीओ से गहरा संबंध है, जिन्होंने अफजल गुरु की फांसी का विरोध किया था। फरवरी 2015 में अफजल गुरु की बरसी पर टुकड़े-टुकड़े के नारे लगाए गए थे और आप ने महीनों तक उस फाइल को बंद रखा। आप को सामने आकर इन सवालों का जवाब देना चाहिए।

वहीं दिल्ली पुलिस ने बताया कि मामले में एक राजनीतिक दल का नाम सामने आया स्पेशल पुलिस कमिश्नर (लॉ एंड ऑर्डर) मधुप तिवारी ने प्रेसवार्ता कर मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमारी टीमों ने 8 जनवरी को आए ई-मेल के बाद नाबालिग को ट्रैक किया। ई-मेल भेजने वाला नाबालिग था, इसलिए टीम ने फोरेंसिक जांच के लिए उसका लैपटॉप और मोबाइल फोन अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने नाबालिग के भेजे 400 धमकी भरे ईमेल ट्रैक किए। छात्र के पिता के बैकग्राउंड की भी जांच की। वे एक एनजीओ के साथ काम कर रहे हैं। जांच में सामने आया हैं कि यह एनजीओ अफजल गुरु की फांसी के विरोध से जुड़ा था और एक राजनीतिक दल की भी मदद कर रहा है। पुलिस ने राजनीतिक दल का नाम नहीं जाहिर किया है। पुलिस अब इस एंगल पर जांच कर रही है कि इस बच्चे के पीछे कहीं कोई और नहीं जो मेल करवा रहा है।

भाजपा नेता त्रिवेदी ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के माता-पिता ने गुरु की दया याचिका का समर्थन किया था। इन दोनों के बीच एक सीधा दिखाई देता है। क्या आप इसमें शामिल है? इन एनजीओ के लोग कौन हैं और क्या उनका आम आदमी पार्टी से संबंध है?

मैं अरविंद केजरीवाल से अपील करता हूं कि वे सामने आएं और आप को यह स्पष्ट करना चाहिए कि इन लोगों के साथ उनका क्या संबंध है। अगर नाबालिग यह सब कर रहे हैं, तब इसतरह के एनजीओ देश के बच्चों के दिमाग में किस तरह का जहर घोल रहे हैं? हम आप से स्पष्ट जवाब चाहते हैं। अगर उन्होंने साफ जवाब नहीं दिया, तब संदेह और गहरा हो जाएगा।

शरद पवार ने भी दिए अकेले चुनाव लड़ने के संकेत, स्थानीय चुनाव के लिए नहीं था इंडिया गठबंधन

मुंबई। महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय चुनाव से पहले महा विकास अघाड़ी गठबंधन टूट की कगार पर पहुंचता दिख रहा है। दरअसल हाल ही में शिवसेना यूबीटी ने स्थानीय चुनाव अकेले लडने् का एलान किया था। अब एनसीपी एसपी प्रमुख शरद पवार ने भी ऐसे संकेत दिए हैं कि उनकी पार्टी भी स्थानीय चुनाव अकेले लड़ सकती है। शरद पवार ने कहा कि अगले 8-10 दिनों में बैठक होगी, जिसमें इस पर फैसला होगा कि चुनाव गठबंधन में लड़ा जाए या फिर अकेले। शरद पवार से जब इंडी गठबंधन को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन में कभी भी राज्य और स्थानीय चुनाव को लेकर चर्चा नहीं हुई। इंडी गठबंधन सिर्फ राष्ट्रीय स्तर के चुनाव के लिए था। महाराष्ट्र के आगामी निकाय चुनाव में हम गठबंधन के साथ चुनाव लड़ेंगे या अकेले, इसका फैसला करने के लिए अगले 8-10 दिनों में बैठक होगी। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि दिल्ली चुनाव में, मुझे ऐसा लगता है कि हमें अरविंद केजरीवाल की मदद करनी चाहिए।

उत्तर भारत के 17 राज्यों में कोहरा, नौ में हुई बारिश, -12 डिग्री पहुंचा हिमाचल में तापमान

-मप्र में आज से गिरेगा मावठा

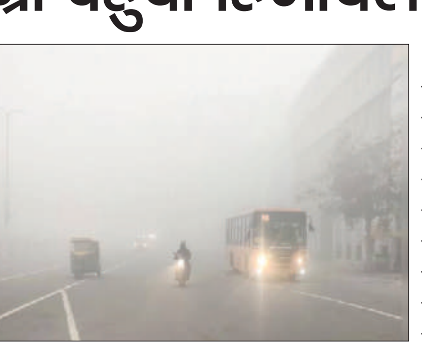

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बर्फीली हवाओं के कारण उत्तर भारत के राज्यों में तापमान लगातार गिर रहा है। इसके अलावा मौसम विभाग ने बुधवार को 17 राज्यों में कोहरा और 9 राज्यों में बारिश होने का अनुमान भी जताया है। मप्र में 15 जनवरी को मावठा गिरेगा। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और उज्जैन संभाग में बारिश हो सकती है। सिस्टम के गुजरने के बाद 17 जनवरी से ठंड का असर फिर बढ़ जाएगा। मौसम वैज्ञानिक प्रकाश धामले ने बताया, मंगलवार से एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो गया है। इसका असर 15 और 16 जनवरी को प्रदेश में देखने को मिलेगा। सिस्टम जैसे ही गुजरेगा, प्रदेश में ठंड का असर फिर से बढ़ जाएगा।

हिमाचल में बर्फबारी के कारण कुकुमसेरी का इलाका सबसे ठंडा रहा। यहां रात का तापमान -12.3 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि ताबो में -10.9 डिग्री तापमान रहा। हरियाणा में भी सर्दी के कारण 2 लोगों की मौत हुई। पंजाब के अमृतसर में तापमान 1.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। यूपी में मंगलवार सुबह से 43 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। सहारनपुर में विजिबिलिटी जीरो तक पहुंच गई। ठंड के चलते गाजियाबाद में 8वीं क्लास तक के बच्चों की 18 जनवरी तक छुट्टी कर दी गई है। कुछ जिलों में आज ओले गिरने का भी अलर्ट है। मौसम विभाग ने कहा कि राजस्थान के भी 15 जिलों में ओले गिर सकते हैं। जोधपुर में सभी स्टूडेंट्स के लिए 15 जनवरी और सवाई माधोपुर के स्कूलों में 8वीं तक के बच्चों के लिए 16 जनवरी तक छुट्टी की गई है।

हरियाणा में दो दिन बारिश

हरियाणा में 15 और 16 जनवरी को बारिश की संभावना है। 15 जनवरी को कई जगहों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है। अगले 6 दिन में मौसम कई बार करवट बदलेगा। वहीं मंगलवार को सुबह 11 जिलों में घनी धुंध छाई। इससे विजिबिलिटी भी 10 से 50 मीटर तक रही। हालांकि सुबह 11 बजे के बाद धूप निकलने से धुंध कम हो गई। मौसम विभाग ने प्रदेश के 10 जिलों में कोल्ड वेव का यलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में हिसार, रोहतक, चरखी-दादरी, झज्जर, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नूंह और पलवल शामिल है।

श्रीनगर में तापमान -5.1 डिग्री

कश्मीर घाटी में शीतलहर का दौर जारी है। हालांकि, कई दिनों बाद सोमवार सुबह श्रीनगर में धूप निकली। इससे पहले रविवार को शहर का न्यूनतम तापमान 3.1 डिग्री की गिरावट के साथ -5.1 डिग्री पहुंच गया। पहलगाम का तापमान सबसे कम -8.4 डिग्री दर्ज किया गया।

महागठबंधन में नीतीश कुमार की एंट्री की अटकलों पर बोलीं मीसा भारती : राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं

पटना (एजेंसी)। बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी, जेडी (यू) को लेकर एक और राजनीतिक बदलाव की बढ़ती अटकलों के बीच, राजद सांसद और लालू प्रसाद यादव की बेटी मीसा भारती ने वह बयान छेड़ दिया है, जिससे आने वाले दिनों में सियासी हलचल और तेज हो सकती है। राजद के साथ गठबंधन में नीतीश की संभावित वापसी के बारे में पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए भारती ने कहा कि काफी समय से चर्चा चल रही है...मुझे नहीं लगता कि कुछ होने वाला है।'

अपने जवाब में राजद नेता ने आने वाले दिनों में किसी भी संभावित राजनीतिक उथल-पुथल से इनकार कर दिया। राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में बड़े बदलाव को लेकर चल रही चर्चा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'मैं कहती रहती हूं कि राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं है। इस पर टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी... खरमास (मकर संक्रांति से पहले एक अशुभ अवधि) आज के बाद समाप्त हो जाएगा। राजनीति सहित सभी शुभ कार्यक्रम आज के बाद हो सकते हैं।'

विशेष रूप से, पिछले साल, नीतीश कुमार ने सीएम पद से इस्तीफा देकर औपचारिक रूप से राजद के साथ अपना गठबंधन तोड़ दिया था और भाजपा के साथ मिलकर राज्य सरकार के शीर्ष पर एक और कार्यकाल के लिए शपथ ली थी। इस साल 4 जनवरी को, नीतीश ने उस समय की स्थिति की आलोचना की जब लालू बिहार के सीएम के रूप में शासन करते थे, 'बिहार की हालत काफी खराब थी।'

इससे पहले केंद्रीय मंत्री और जेडीयू नेता लल्लन सिंह ने लालू के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी थी जिसमें उन्होंने कहा था कि नीतीश के लिए महागठबंधन गठबंधन के दरवाजे हमेशा खुले हैं। बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सिंह ने कहा, 'हम (जेडीयू) एनडीए के साथ हैं और पूरी मजबूती के साथ हैं। लोग क्या कहते हैं, मैं उस पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकता-अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। लोग जो चाहें कह सकते हैं।'

नये आविष्कारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा एआई : रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सहित दुनिया भर के 69 प्रतिशत अधिकारी मानते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) नए आविष्कारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह दावा किया है 'एक्सेंचर टेक्नोलॉजी विजन 2025' रिपोर्ट में।

ताजा रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि एआई अब एक टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट पार्टनर, पर्सनल ब्रांड एम्बेसडर, और पावर रोबोटिक बॉडी के रूप में भी तेजी से कार्य करेगा, जो बेहतर प्रदर्शन के लिए लोगों की मदद करेगा। एआई का प्रसार अब उद्यमों और समाज में इतनी तेजी से हो रहा है, जिसे किसी पिछली टेक्नोलॉजी से तुलना नहीं की जा सकती। एक्सेंचर की अध्यक्ष और सीईओ जूली स्वीट ने इस संदर्भ में कहा कि एआई के फायदों का सही उपयोग तभी संभव होगा जब नेता इसे एक व्यवस्थित तरीके से अपनाएं और इसके परिणामों पर विश्वास बनाए रखें।

केवल इसी तरह से व्यवसाय और लोग एआई की अद्भुत संभावनाओं का लाभ उठा सकेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, एआई के वास्तविक लाभ तभी संभव होंगे, जब इसे भरोसे की नींव पर स्थापित किया जाएगा। 77 प्रतिशत अधिकारी इस बात से सहमत हैं कि एआई के सफल कार्यान्वयन के लिए भरोसा आवश्यक है। इसके अलावा, 81 प्रतिशत अधिकारियों का मानना है कि भरोसे की रणनीति को किसी भी टेक्नोलॉजी रणनीति के समानांतर विकसित किया जाना चाहिए। इस शोध में 21 उद्योगों और 28 देशों के 4,000 से अधिक अधिकारियों ने भाग लिया, जिसमें भारत भी शामिल था। एक्सेंचर के समूह मुख्य कार्यकारी-प्रौद्योगिकी और सीटीओ कार्तिक नारायण ने कहा कि नए एआई मॉडल, एजेंटिक एआई सिस्टम और आर्किटेक्चर के साथ, उद्यमों को अपना डिजिटल ब्रेन बनाने में मदद मिलेगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि डिजिटल सिस्टम किस प्रकार डिज़ाइन किए जाते हैं, लोग कैसे काम करते हैं, और वे अपने ग्राहकों से किस प्रकार संवाद करते हैं। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि 80 प्रतिशत कार्यकारी इस बात से चिंतित हैं कि बड़े भाषा मॉडल (एलएलएम) और चैटबॉट्स हर ब्रांड को एक जैसी आवाज़ दे सकते हैं। हालांकि, 77 प्रतिशत अधिकारी इस बात से सहमत हैं कि ब्रांड अपनी पर्सनल एआई एक्सपीरियंस के माध्यम से संस्कृति, मूल्यों और आवाज़ जैसे विशिष्ट ब्रांड तत्वों को इस समस्या का समाधान बनाने में सक्षम हो सकते हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले दशक में सामान्य रोबोट उभरेंगे, जो फिजिकल वर्ल्ड में एआई स्वायत्तता को बढ़ाएंगे।

बिहार की बेटी अंशिका कुमारी ने रचा इतिहास, सीनियर तीरंदाजी टीम में हुआ चयन

पटना, एजेंसी। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रन शंकरन ने कहा कि अंशिका का राष्ट्रीय टीम में चयन न केवल बिहार के लिए गौरव की बात है, बल्कि यह प्रदेश के अन्य खिलाड़ियों को भी प्रेरित करेगा।

बिहार की बेटी अंशिका कुमारी ने राज्य का नाम रोशन करते हुए आगामी तीरंदाजी विश्व कप 2025 के लिए भारतीय सीनियर तीरंदाजी टीम में जगह बना ली है। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रन शंकरन ने इस खबर को साझा करते हुए इसे प्रदेश के लिए गर्व का पल बताया। जानकारी के मुताबिक, अंशिका ने दीपिका, अंकिता और सिमरनजोत जैसी प्रतिष्ठित तीरंदाजों के साथ टीम में स्थान पाकर अपनी मेहनत और प्रतिभा का परिचय दिया है। उनके इस चयन को बिहार के अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत माना जा रहा है।

वहीं, रवीन्द्रन शंकरन ने कहा कि अंशिका का राष्ट्रीय टीम में चयन न केवल बिहार के लिए गौरव की बात है, बल्कि यह प्रदेश के अन्य खिलाड़ियों को भी प्रेरित करेगा।

दिनेश कार्तिक के साथ साउथ अफ्रीका में बड़ा 'हादसा', हो गया इतना बुरा हाल

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी दिनेश कार्तिक ने पिछले साल भारतीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था. वह अब विदेशी लीग में खेल रहे हैं. वह साउथ अफ्रीका की एसए टी-20 लीग में पार्ल रॉयल्स की टीम का हिस्सा हैं. दिनेश कार्तिक इस लीग में खेलने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं. उन्होंने सनराइजर्स ईस्टर्न केप के खिलाफ खेले गए मुकाबले से लीग में डेब्यू किया था. इस मुकाबले में उनकी टीम को जीत भी मिली थी. लेकिन कार्तिक को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था. हालांकि उन्हें दूसरे मुकाबले में खेलने का मौका मिला और वह पूरी

तरह फ्लॉप रहे.

दिनेश कार्तिक के साथ बड़ा 'हादसा'– एसए टी-20 लीग के मौजूदा सीजन में पार्ल रॉयल्स की टीम ने अपना दूसरा मैच एमआई केप टाउन के खिलाफ खेला. इस मुकाबले में पार्ल रॉयल्स को करारी हार का सामना करना पड़ा. वहीं, लीग में पहली बार बल्लेबाजी करने उतरे दिनेश कार्तिक भी पूरी तरह फ्लॉप रहे. टी20 क्रिकेट में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाने वाले दिनेश कार्तिक ने इस मैच में सिर्फ 28.57 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए. वह 7 गेंदों पर 2 रन की ही पारी खेल सके और रन आउट हो गए. यानी उनके लिए इस लीग की शुरुआत काफी खराब रही. बता दें, दिनेश कार्तिक ने 7 महीने के बाद प्रोफेशनल क्रिकेट में वापसी की है. इससे पहले वह आखिरी बार मई 2024 में आईपीएल में खेलने उतरे थे. इसके बाद से ही वह मैदान से बाहर थे. वहीं, उन्होंने 1 जून, 2024 को क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था. दिनेश कार्तिक ने इंटरनेशनल और घरेलू दोनों तरह के क्रिकेट को अलविदा कह दिया था. खास बात ये थी कि दिनेश कार्तिक ने अपने जन्मदिन पर ये फैसला लिया था.

एमआई केप टाउन की धमाकेदार जीत– मुकाबले की बात की जाए तो एमआई केप टाउन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था. एमआई केप टाउन का ये फैसला सही साबित हुआ. उन्होंने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 172 रन बनाए. रीजा हेंड्रिक्स ने 37 गेंदों पर 59 रनों की पारी खेली. वहीं, रासी वैन डेर डुसेन ने भी 33 गेंदों पर 43 रनों का योगदान दिया. डेलानो पोटगीटर ने भी 29 रन की पारी खेली।

डीडीसीए सूत्र ने दी जानकारी

विराट कोहली रणजी ट्रॉफी में खेलेंगे या नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने खुलासा किया है कि उन्हें अभी तक विराट कोहली की ओर से मौजूदा रणजी ट्रॉफी सत्र के लिए उनकी उपलब्धता के बारे में कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। डीडीसीए के एक सूत्र ने कहा, हमें रणजी सत्र के लिए उनकी उपलब्धता के बारे में विराट कोहली की ओर से कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। यह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश के बीच आया है कि घरेलू सत्र के दौरान घरेलू मैचों में भाग न लेने वाले खिलाड़ियों को वैध कारण बताना होगा, जिसकी समीक्षा राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) या उनके संबंधित राज्य संघ द्वारा की जाएगी। इस बीच रिपोर्ट के अनुसार भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा को मंगलवार को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई के रणजी ट्रॉफी अभ्यास शिविर में भाग लेते देखा गया। हालांकि आगामी मैचों के लिए उनकी भागीदारी की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शामिल रहने के उनके इरादे को दर्शाता है।

घरेलू भागीदारी के लिए जवाबदेही लागू करने का बीसीसीआई का कदम राष्ट्रीय खिलाड़ियों के बीच मैच-तैयारी और फॉर्म सुनिश्चित करने की उनकी रणनीति का हिस्सा है। यह ऑस्ट्रेलिया में भारत की हाल की 3-1 टेस्ट सीरीज हार के बाद हुआ है, जिसने खिलाड़ियों के घरेलू सर्किट से जुड़े रहने के महत्व के बारे में चर्चा को जन्म दिया। शुभमन गिल ने कर्नाटक के खिलाफ पंजाब के आगामी रणजी ट्रॉफी के छठे दौर के मैच के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है, जो 23 जनवरी को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुरू होगा। हालांकि पंजाब की टीम की आधिकारिक घोषणा होनी बाकी है, लेकिन गिल का शामिल होना टीम के लिए एक स्वागत योग्य बढ़ावा होगा।

मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने मैच के लिए तैयार रहने के लिए भारत के शीर्ष खिलाड़ियों के अपने राज्य की टीमों में योगदान देने के महत्व पर जोर दिया है। गिल ने खुद ऑस्ट्रेलिया में एक कठिन श्रृंखला का सामना किया, जिसमें उंगली की चोट से उबरने के बाद पांच पारियों में 31 का सर्वोच्च स्कोर हासिल किया जिसने उन्हें पर्थ में पहले टेस्ट से बाहर कर दिया था।

गिल ने पूरी श्रृंखला में 18.60 का औसत से रन बनाए जबकि बॉक्सिंग डे टेस्ट से बाहर रहे। यदि रणजी ट्रॉफी में कोहली की उपस्थिति की पुष्टि हो जाती है तो इस पर कड़ी नजर रखी जाएगी क्योंकि राज्य स्तरीय क्रिकेट में खिलाड़ियों की भागीदारी भारत की लाल गेंद की गहराई और प्रतिस्पर्धात्मकता को बनाए रखने में एक केंद्र बिंदु बनी हुई है।

भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज से पहले सुनील गावस्कर की टीम मैनेजमेंट को सलाह

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज की तैयारी में है। खिलाड़ी इस समय घरेलू क्रिकेट में खेल रहे हैं। टीम सीरीज की शुरुआत करे इससे पहले मैनेजमेंट को सुनील गावस्कर की ओर से सलाह दी गई है। उन्होंने बड़ा बयान देते हुए कहा कि टीम इंडिया की कैप ऐसे ही नहीं देनी चाहिए। साथ ही यह भी बताया कि भारत को किस तरह विदेश में अभ्यास के लिए तैयारी करनी चाहिए।

गावस्कर के मुताबिक विदेशी दौरों पर टीम को ज्यादा अभ्यास करने के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर 20 खिलाड़ियों को ले जाना ठीक लगता है क्योंकि शरीर को टाइम जोन के हिसाब से ढलने में समय लगता है। हालांकि इंग्लैंड में यह दिक्कत नहीं होती है। भारत को जून में टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करना है। उन्होंने स्पोर्ट्स्टार के कॉलम में लिखा, 'इंग्लैंड में खिलाड़ियों के लिए मौसम एक चुनौती होती है। भारत के गर्म मौसम से निकलकर इंग्लैंड की ठंडी हवा में रहना आसान नहीं होता है। फिर भी 16 खिलाड़ियों को लेकर जाना यह दिखाता है कि सेलेक्टर्स को पूरा विश्वास नहीं है। यह अच्छा संकेत नहीं है।'

किसी को भी न दे दें इंडिया कैप

उन्होंने आगे कहा, 'माना बीसीसीआई के पास पैसा है और वह बड़ा दल भेज सकती है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि किसी को भी इंडिया कैप ऐसे ही दे दो। विदेशी दौरों पर प्रैक्टिस गेंदबाजों की कमी खलती है। इसलिए आप गेंदबाज ले जाएं, उन्हें ट्रेनिंग दें, कपड़े दें लेकिन इंडिया कैप न दें।' गावस्कर ने टेस्ट मैच के बीच के गैप में अभ्यास मैच खेलने की सलाह दी है। उन्होंने कहा, 'टेस्ट मैचों के बीच कुछ अंतराल होंगे, और इनका उपयोग अभ्यास खेलों के लिए किया जाना चाहिए।

एल क्लासिको:

एल क्लासिको भिड़ंत में बार्सिलोना की रियल मैड्रिड पर लगातार दूसरी जीत, सुपर कप भी अपने नाम किया

जेद्दा, एजेंसी। स्पेनिश ला लिगा के अक्तूबर में हुए पिछले मुकाबले में बार्सिलोना ने रियल पर 4-0 से जीत हासिल की थी। बार्सिलोना के लिए इस मुकाबले में गोल लैमिन यमाल, राबर्ट लेवांडोवस्की, राफिन्हा (दो गोल) और अलेजांद्रो बाल्डे ने किए। रियल के लिए दूसरा गोल रोड्रिगो ने दूसरे हाफ में किया।

कोच कार्लो एंसेलोटी का रियल मैड्रिड के फुटबालरों में बार्सिलोना के हाथों मिली पिछली हार का बदला लेने का भरा गया जोश काम नहीं आया। स्पेनिश सुपर कप के फाइनल में बार्सिलोना ने इस बार भी रियल मैड्रिड पर 5-2 के अंतर से बड़ी जीत हासिल कर खिताब जीत लिया। रियल को यह हार तब मिली जब फ्रांस के स्टार फुटबालर काइलिन म्बापे ने उनके लिए पांचवें मिनट में ही शानदार गोल कर बढ़त दिलाई, लेकिन इसके बाद बार्सिलोना ने ऐसी वापसी की कि पहले ही हाफ में पांच गोल दागकर रियल की उम्मीदों को खत्म कर दिया। स्पेनिश ला लिगा के अक्तूबर में हुए पिछले मुकाबले में बार्सिलोना ने रियल पर 4-0 से जीत हासिल की थी। बार्सिलोना के लिए इस मुकाबले में गोल लैमिन यमाल, राबर्ट लेवांडोवस्की, राफिन्हा (दो गोल) और अलेजांद्रो बाल्डे ने किए। रियल के लिए दूसरा गोल रोड्रिगो ने दूसरे हाफ में किया।

इस वर्ष लगातार तीसरी जीत

बार्सिलोना के लिए वर्ष की शुरुआत काफी अच्छी रही है। उसने 2025 में यह लगातार तीसरा मुकाबला जीता है। इससे पहले उसे बीते वर्ष लगातार दो मैचों में हार मिली थी। सभी टूर्नामेंटों में 27 मैचों में 26 गोल करने वाले लेवांडोवस्की ने कहा, क्रिसमस की छुट्टियों ने यह जानने में सहायता की है कि हमने अब तक कहां पर क्या गलतियां की थीं। मैड्रिड को लगातार पांच मैचों में जीत के बाद यह पहली हार मिली है। एंसेलोटी ने कहा, यह हमारे लिए खराब रात थी। हम इसे छुपा नहीं सकते हैं, लेकिन यही फुटबाल है। अक्तूबर में हुए मुकाबले म्बापे को बार्सिलोना के रक्षकों ने उन्हें खुलकर नहीं खेलने दिया, लेकिन इस बारे उन्होंने पांचवें मिनट में ही शानदार गोल दागा। बार्सिलोना ने पांचों गोल पहले ही हाफ में किए। राफिन्हा इस सत्र में अब तक 19 और यमाल 8 गोल कर चुके हैं।

एटलेटिको की रिकॉर्ड 14वीं जीत

एटलेटिको मैड्रिड ने ला लिगा में शानदार प्रदर्शन का क्रम जारी रखते हुए लगातार 14वीं जीत दर्ज की। उसने जूलिनय अल्वारेज के गोल की बदौलत ओसासुना को 1-0 से हराकर लीग में शीर्ष स्थान बना लिया है। एटलेटिको का यह लगातार जीत का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड है। एटेलेटिको की दूसरे स्थान पर चल रहे रियल पर एक अंक की बढ़त है, जबकि तीसरे स्थान पर चल रहे बार्सिलोना पर उसकी छह अंक की बढ़त हो गई है। उसे पिछली हार 0-1 से 27 अक्तूबर को रियल बेटिस के हाथों मिली थी।

जसप्रीत बुमराह होते तो 99.94 नहीं होता ब्रैडमैन का औसत, भारतीय पेसर पर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान का बयान

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में भले ही भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा हो लेकिन जसप्रीत बुमराह का खौफ पूरी सीरीज में रहा। बुमराह ने पांच मैचों क नौ पारियों में 32 विकेट लिए। पूरी सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज इस खिलाड़ी की तारीफों का पुल बांधते हुए नजर आए। सीरीज खत्म होने के बाद भी यह सिलसिला कायम है। ऑस्ट्रेलिया के वर्ल्ड चैंपियन कप्तान माइकल क्लार्क ने बुमराह को लेकर बयान दिया है। जसप्रीत बुमराह को लेकर गिलक्रिस्ट ने क्लब पेयरी फायर पॉडकास्ट में कहास 'मैं उनकी रेटिंग नहीं कर रहा हूं, खेल की दुनिया में ऐसा कोई नंबर ही नहीं है जो उनकी स्थिति के अनुरूप हो।

ऑस्ट्रेलियन ओपन:

बोपन्ना-निकोलस की जोड़ी पुरुष युगल के पहले दौर में हारकर बाहर, स्पेन के पेड्रो-मुनार ने हराया

मेलबर्न, एजेंसी। बोपन्ना और उनके जोड़ीदार ने मजबूत शुरुआत की और शुरुआती गेम में अपनी सर्विस बरकरार रखी। स्पेन की जोड़ी ने हालांकि धीरे धीरे लय पकड़ी और बेसलाइन पर प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई। दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और कोलंबिया के निकोलस बैरिएंटोस की जोड़ी मंगलवार को पेड्रो मार्टिनेज और जाउमे मुनार की स्पेनिश जोड़ी से हारकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन पुरुष युगल स्पर्धा से बाहर हो गई।

बोपन्ना और बैरिएंटोस को लगभग दो घंटे तक चले मैच में 5-7, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा। भारत और कोलंबिया की 14वीं वरीय जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन अहम क्षणों में वे पिछड़ गए और स्पैनिश जोड़ी जीत सुनिश्चित करने में सफल रही।

बोपन्ना और उनके जोड़ीदार ने मजबूत शुरुआत की और शुरुआती गेम में अपनी सर्विस बरकरार रखी। स्पेन की जोड़ी ने हालांकि धीरे धीरे लय पकड़ी और बेसलाइन पर प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई। स्पेनिश जोड़ी ने अहम ब्रेक प्वाइंट बनाकर पहला सेट जीता। दूसरे सेट में भी मुकाबला बराबरी का रहा लेकिन टाइब्रेकर में स्पेनिश जोड़ी ने जीत दर्ज की।

खो-खो वर्ल्डकप:

खो–खो विश्वकप में भारत का जीत के साथ आगाज, नेपाल पर हासिल की संघर्षपूर्ण जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। खो-खो विश्वकप के रंगारंग आगाज के बीच भारतीय टीम ने नेपाल को 42-37 से हराकर शानदार शुरुआत की। नेपाल ने भारत को कड़ी टक्कर दी, जिसकी उम्मीद नहीं की जा रही थी। नेपाल ने आक्रमण पर अपने दोनों टर्न जीते, लेकिन भारत ने पांच अंक से श्रेष्ठता दर्ज की। इससे पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने विश्वकप इंदिरा गांधी स्टेडियम में उद्घाटन किया। इस मौके पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना, राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा, केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे और भारतीय खो खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल मौजूद रहे। विश्व कप में 23 देश शिरकत कर रहे हैं। 19 जनवरी को पुरुषों का फाइनल खेला जाएगा। नेपाल के खिलाफ मैच में भारत ने पहले आक्रमण करते हुए 24-0 से जीत हासिल की, लेकिन दूसरे टर्न में नेपाल ने आक्रमण का फायदा उठाते हुए 20-0 से टर्न जीत लिया।

तीसरे टर्न में आक्रमण की बारी भारत की थी, जिसका उसे फायदा मिला और 18-1 से जीत दर्ज की। अगले टर्न में नेपाल ने आक्रमण पर 16-0 से जीत दर्ज की, लेकिन भारत पांच अंकों की बढ़त के साथ जीत दर्ज करने में सफल रहा।

बीसीसीआई का सख्त रुख

खिलाड़ियों के परिवार के साथ दौरे पर जाने पर रोक लगाई

- पत्नियों के लिए भी बनाए सख्त नियम

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने बड़ा फैसला किया है. अब क्रिकेटर के परिवार के लिए सख्त नियम बनाए गए हैं. नए नियमों के तहत अगर कोई टूर्नामेंट 45 या उससे ज्यादा दिनों का है तो परिवार को खिलाड़ियों के साथ सिर्फ 14 दिन रहने की इजाजत होगी, और अगर टूर इससे कम दिनों का है तो यह 7 दिन हो सकता है. वहीं नए नियमों के तहत पूरे टूर्नामेंट के दौरान पत्नियां खिलाड़ियों के साथ नहीं रह सकतीं हैं. परिवार सिर्फ 2 सप्ताह तक साथ रह सकता है. सभी खिलाड़ियों को टीम की बस में यात्रा करनी होगी. वहीं गौतम गंभीर के निजी मैनेजर को भी बॉक्स या टीम बस में बैठने की इजाजत नहीं होगी. उन्हें किसी दूसरे होटल में रहना होगा. अगर खिलाड़ियों का सामान 150 किलो से ज्यादा है तो खिलाड़ियों को दिए जाने वाले अतिरिक्त सामान शुल्क का भुगतान नहीं करेगा.

बीसीसीआई ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बाद रोहित शर्मा और गौतम गंभीर के साथ समीक्षा बैठक की थी. इस दौरान बीसीसीआई ने टीम कॉम्बिनेशन के मामले में किसी भी तरह की जल्दबाजी वाली प्रतिक्रिया से बचने का फैसला किया.

यह समझा जाता है कि चैंपियंस ट्रॉफी जैसे महत्वपूर्ण वनडे टूर्नामेंट को अगले छह सप्ताह में आयोजित किया जाना है, ऐसे में किसी भी तरह की तत्काल प्रतिक्रिया से टीम के साथ-साथ सहयोगी स्टाफ पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है. ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ

टेस्ट सीरीज में खराब प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड से पहले टी20 और फिर वनडे सीरीज खेलेगी. उसके बाद फरवरी माह में उसे चैम्पियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेना है.

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत का रहा बुरा हाल

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में संपन्न पांच मैचों की बॉर्डर गावस्कर टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया को 1-3 से शर्मनाक हार झेलनी पड़ी. इस वजह से भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के लिए भी क्वालिफाई नहीं कर पाई थी. यही वजह थी कि भारतीय टीम पहली बार वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के तीन सीजन में में पहली बार डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालिफाई करने में विफल रहा था.

रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम ने एक दशक बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी गत रविवार को ऑस्ट्रेलिया के सामने सरेंडर कर दी. इससे पहले टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था. इन दो झटकों के कारण ही भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल खेलने से चूक गया.

भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़त, बजट विस्तार व खाद्य मुद्रास्फीति का मुद्दा

- 2026 तक कई क्षेत्रों में आर्थिक स्थिति मजबूत होने की संभावना

नई दिल्ली ।

भारतीय अर्थव्यवस्था का उत्थान और खाद्य मुद्रास्फीति की चिंता के बीच सरकार ने तेजी से कदम बढ़ाया है। ग्रामीण क्षेत्रों में मांग का बढ़ना व्यापक तौर पर देखा जा रहा है। एक कैपिटल ग्रुप के अनुसार त्योहारों और शादियों के मौसम ने विभिन्न क्षेत्रों में मांग को बढ़ाया है। एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री ने बताया कि 2026 तक कई क्षेत्रों में आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। रिटेल सेक्टर में भी बड़े बदलाव के दौर पर है, जिसमें क्विक कॉमर्स का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। वित्त वर्ष 2025 में व्यय में बढ़ोतरी से जुड़ी संभावनाएं हैं और रक्षा, बिजली, डेटा सेंटर और रेलवे सेक्टर में निवेश के लिए बजट महत्वपूर्ण होगा। कृषि क्षेत्र में भी अच्छी फसलों की संभावना है, जो मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है। इस प्रकार भारतीय अर्थव्यवस्था में नए संकेत और उम्मीद देखने को मिल रहे हैं। आने वाली बजट में और विकेंद्रीकरण के माध्यम से सरकार ने वित्तीय स्थिति पर संक्रमण लाने की कोशिश की है, जो व्यापक विकास और भावनात्मक बाजार के लिए एक अनुकूल दौर की शुरुआत कर सकती है। दुनिया भर में अर्थव्यवस्था की ताजगी को ध्यान में रखते हुए भारत की मुद्रास्फीति को कम करने की दिशा में सरकार के कदम निर्णायक हों सकते हैं।

एसबीआई लाइफ ने बनाया इतिहास, एलआईसी को पीछे छोड़ा

- एलआईसी का कलेक्शन 15 फीसदी कम होकर 2,628 करोड़ रुपये रह गया

नई दिल्ली ।

एलआईसी देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी है, ले किन पहली बार एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने एलआईसी को पछाड़ दिया है। दिसंबर में एसबीआई लाइफ का प्रीमियम एलआईसी से अधिक रहा, जो इस कंपनी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। नई व्यक्तिगत गैर-एकल प्रीमियम पॉलिसीज से जुटाए गए 3,416 करोड़ रुपये, जो 2023 की तुलना में 16.7 फीसदी अधिक है। दूसरी ओर एलआईसी का कलेक्शन 15 फीसदी कम होकर 2,628 करोड़ रुपये रह गया। एलआईसी का दिसंबर में प्रीमियम पिछले साल के मुकाबले 40 फीसदी गिरकर 22,981 करोड़ रुपये है। सबसे बड़ी गिरावट ग्रुप सिंगल प्रीमियम पॉलिसीज से आई, जो पिछले साल के 17,601 करोड़ रुपये से 8,191 करोड़ रुपये रह गई। अपनी बढ़त बनाए रखने के लिए एलआईसी ने दिसंबर 2024 में 13,523 करोड़ रुपये के कुल नए व्यवसाय प्रीमियम के साथ सबसे बड़ी कंपनी के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। एसबीआई लाइफ की भी प्रीमियम में वृद्धि दर्ज की गई है, जो इसे इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनाती है। मार्केट हिस्सेदारी में भी इसकी ज़बरदस्त बढ़त देखने को मिल रही है।

नॉर्वे इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में सबसे आगे

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के मामले में नॉर्वे सबसे आगे निकल गया है, वहीं भारत को इस क्षेत्र में अभी काफी मेहनत करने की जरुरत है। नार्वेजियन रोड फेडरेशन (ओएफवी) के आंकड़ों के मुताबिक, 2024 में नॉर्वे में कुल 1,28,691 नई गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन हुआ, जिनमें से 1,14,400 गाड़ियां इलेक्ट्रिक थीं।

यह संख्या देश में 89प्रतिशत नई गाड़ियों की इलेक्ट्रिक बिक्री को दर्शाती है। यह उपलब्धि नॉर्वे के 2025 तक सभी नई गाड़ियों को ÷जीरो उत्सर्जन÷ बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के करीब पहुंचने का संकेत देती है। गौरतलब है कि नॉर्वे, जो कि एक प्रमुख ऊर्जा उत्पादक और तेल निर्यातक देश है, ने पिछले 12 वर्षों में ईवी क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति की है। 2012 में नॉर्वे में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की हिस्सेदारी केवल 2.8 प्रतिशत थी। लेकिन, सरकार द्वारा टैक्स छूट, टोल माफी, मुफ्त पार्किंग, और सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट लेन के उपयोग जैसे प्रोत्साहन देने से यह आंकड़ा तेजी से बढ़ा। हालांकि, हाल के वर्षों में कुछ प्रोत्साहनों को हटाया गया है, लेकिन इलेक्ट्रिक गाड़ियां नॉर्वे की जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी हैं। 2024 में नॉर्वे के ईवी बाजार में टेस्ला ने 19प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद फोक्सवागन, टोयोटा, वॉल्वो और बीएमडब्ल्यू जैसी कंपनियां रहीं। दिलचस्प बात यह है कि चीनी ब्रांड्स भी नॉर्वे के ईवी बाजार में प्रवेश कर रहे हैं, और 2025 में यह देखना रोचक होगा कि वे खरीदारों को कितना आकर्षित कर पाते हैं।

वहीं, भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की स्थिति नॉर्वे से बिल्कुल अलग है। इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन के अनुसार, 2024 में भारत में बिकने वाली कुल गाड़ियों में से केवल 2प्रतिशत गाड़ियां इलेक्ट्रिक थीं। भारत में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी और उच्च लागत ईवी की लोकप्रियता में बड़ी बाधा है। हालांकि, टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर सेगमेंट में इलेक्ट्रिक वाहनों का अच्छा प्रदर्शन देखा गया। 2024 में बिकने वाले थ्री-व्हीलरों में 50प्रतिशत और टू-व्हीलरों में 5 प्रतिशत हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक वाहनों की थी। भारतीय बाजार में टाटा, महिंद्रा, हुंडई, और एमजी जैसी कंपनियां प्रमुख हैं।

हीरो स्प्लैंडर प्लस की हर माह तीन लाख से अधिक यूनिट्स की बिक्री

नई दिल्ली ।

हीरो स्प्लैंडर प्लस बाइक न केवल भारतीय बाजार में बल्कि बाइकिंग समुदाय में भी एक लोकप्रिय विकल्प बन चुकी है। हर महीने हीरो स्प्लैंडर प्लस बाइक की 3 लाख से अधिक यूनिट्स बिकती हैं।

हालांकि, अब हीरो ने इस बाइक की कीमत में बढ़ोतरी की है, जो उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव साबित हो सकता है। पहले हीरो स्प्लैंडर प्लस की एक्स-शोरूम कीमत रुपए 75,441 थी, जिसे अब रुपए 1,735 बढ़ाकर रुपए 77,176 कर दिया गया है। यह बढ़ोतरी विभिन्न कारणों से हुई है, जिसमें उत्पादन लागत में वृद्धि और अन्य कारकों का योगदान हो सकता है। हालांकि, यह कीमत राज्य और स्थानीय टैक्स के हिसाब से थोड़ा अलग हो सकती है। इसके बावजूद, हीरो स्प्लैंडर प्लस के ग्राहक अभी भी इसे एक किफायती और मजबूत विकल्प मानते हैं।

हीरो स्प्लैंडर प्लस में 100सीसी का एयर-कूल्ड, 4-स्ट्रोक, सिंगल-सिलेंडर ओएचसी इंजन है, जो 5.9 केडब्ल्यू की पावर और 8.05 एनएम का टॉर्क उत्पन्न करता है। इसके साथ ही इसमें 4-स्पीड गियरबॉक्स मिलता है, जो इसे एक स्लीक और किफायती राइड बनाता है। इसमें प्रोग्राम्ड फ्यूल इंजेक्शन सिस्टम भी है, जो बाइक की माइलेज को बेहतर बनाता है।

यह बाइक एक लीटर पेट्रोल में लगभग 70 किलोमीटर तक चल सकती है, जो इसे भारत के अधिकतर राइडर्स के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है। इसकी बढ़ी हुई कीमत के बावजूद, हीरो स्प्लैंडर प्लस की लोकप्रियता में कोई कमी आने की संभावना नहीं है, क्योंकि यह भारतीय बाइक बाजार में अपनी विश्वसनीयता और किफायती राइडिंग अनुभव के लिए प्रसिद्ध है। बता दें कि भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली बाइक्स में हीरो स्प्लैंडर प्लस का नाम हमेशा शीर्ष पर आता है। इसकी सफलता का मुख्य कारण इसका सिंपल डिजाइन, बेहतरीन माइलेज और भरोसेमंद इंजन है।

शेयर बाजार में गिरावट के साथ अडानी को 5.06 अरब डॉलर की संपत्ति का नुकसान

दुनिया के अमीरों की सूची में 22वें स्थान पर पहुंचे, एलन मस्क टॉप पर

नई दिल्ली।

देश के तीसरे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी के लिए सोमवार का दिन काफी चुनौतीपूर्ण रहा। शेयर बाजार में भारी गिरावट का असर अडानी ग्रुप के शेयरों पर भी पड़ा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबक सोमवार को गौतम अडानी की संपत्ति में 5.06 अरब डॉलर यानी करीब 4,37,71 करोड़ रुपए की भारी गिरावट दर्ज की गई। अडानी को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इसके चलते वह दुनिया के अमीरों की सूची में नीचे गिरकर 22वें स्थान पर पहुंच गए। इस साल अब तक उनकी संपत्ति में 12.7 अरब डॉलर की गिरावट आई है। दुनिया के टॉप 20 अमीरों में से केवल चार की नेटवर्थ में तेजी आई। एलन मस्क 432 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ टॉप पर अपनी जगह बनाए हुए हैं। सोमवार को उनकी नेटवर्थ में 6.17 अरब डॉलर की तेजी आई। जेफ बेजोस 238 अरब डॉलर के साथ दूसरे, मार्क जकरबर्ग 215 अरब डॉलर के साथ तीसरे, लैरी एलिसन 181 अरब डॉलर चौथे और बर्नार्ड अरनॉल्ट 176 अरब डॉलर के साथ पांचवें नंबर पर बने हुए हैं। इसके बाद लैरी पेज 169 अरब डॉलर, सर्गेई ब्रिन 159 अरब डॉलर, बिल गेट्स 158 अरब डॉलर, स्टीव बालमर 145 अरब डॉलर और वॉरेन बफे 139 अरब डॉलर के नंबर पर है। इस बीच देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में सोमवार को 1.23 अरब डॉलर की गिरावट आई। वह 90.2 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें स्थान पर हैं।

कच्चा तेल 80 डॉलर के पार, पेट्रोल-डीजल स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। इसी आधार पर देशभर में पेट्रोल-डीजल की कीमत तय की जाती है। हालांकि लंबे समय से राष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई फेरबदल देखने को नहीं मिला है। हालांकि, राज्य स्तर पर कीमतों में मामूली बदलाव देखा गया है। वैश्विक बाजार में कच्चा तेल 80 डॉलर के पार है। ब्रेंट क्रूड 80.75 डॉलर प्रति बैरल है, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 78.63 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार को भी सभी महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर ही रखी हैं।

चालू वित्त वर्ष में देश के प्रत्यक्ष कर संग्रह में अच्छी बढ़ोतरी

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 15.88 फीसदी बढ़कर 16.90 लाख करोड़ तक पहुंच गया

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष में देश के प्रत्यक्ष कर संग्रह में अच्छी बढ़ोतरी देखी गई है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के आंकड़ों के मुताबिक 12 जनवरी 2025 तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 15.88 फीसदी बढ़कर लगभग 16.90 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। इसमें व्यक्तिगत आयकर से जुड़ा गैर-कंपनी कर संग्रह 8.74 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा। इसके साथ ही शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह लगभग 7.68 लाख करोड़ रुपए और प्रतिभूति लेनदेन कर संग्रह 44,538 करोड़ रुपए दर्ज किया गया। इस अवधि के दौरान 3.74 लाख करोड़ रुपए से अधिक के रिफंड जारी किए गए। यह एक साल पहले इसी अवधि की तुलना में 42.49 प्रतिशत अधिक है। एक अप्रैल से 12 जनवरी के बीच सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 20 प्रतिशत बढ़कर 20.64 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष करों से 22.07 लाख करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा है। इसमें 10.20 लाख करोड़ रुपए का कॉरपोरेट कर संग्रह, 11.87 लाख करोड़ रुपए का व्यक्तिगत आयकर और अन्य कर शामिल हैं। नॉन-कॉरपोरेट टैक्स में तेजी देखी गई है। इसमें पर्सनल इनकम टैक्स भी शामिल है। कुल संग्रह बढ़कर 10.45 लाख करोड़ रुपए रहा जो पिछले साल समान अवधि में 8.58 लाख करोड़ रुपए था। इस सेगमेंट में नेट कलेक्शन में 15.88 फीसदी तेजी के साथ 8.74 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया जो पिछले साल 7.19 लाख करोड़ रुपए था। डायरेक्ट टैक्स में कॉरपोरेट टैक्स, पर्सनल इनकम टैक्स, सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स, इक्विलाइजेशन लेवी, फ्रिंज बेनिफिट्स टैक्स, वेल्थ टैक्स, बैंकिंग कैश ट्रांजैक्शन टैक्स, होटल रिसीट टैक्स, इंटरेस्ट टैक्स, एक्सपेंडीचर टैक्स, एस्टेट ड्यूटी और गिफ्ट टैक्स आते हैं।

क्वाड्रेंट फ्यूचर का शेयर 29 फीसदी तेजी के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 290 से 29 फीसदी की तेजी के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 28.96 प्रतिशत चढ़कर 374 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ और बाद में 54.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 448.75 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने 27.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 370 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 1,795 करोड़ रुपये रहा। क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड के 290 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) कि पिछले गुरुवार को बोली के अंतिम दिन 185.82 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने आईपीओ के लिए 275-290 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया था। आईपीओ पूर्णतः 290 करोड़ रुपये तक के नए शेयर का निर्गम था जिसमें कोई बिक्री पेशकश (ओएफएस) नहीं थी। क्वाड्रेंट एक शोध कंपनी है, जो भारतीय रेलवे की 'कवच' परियोजना के तहत नई पीढ़ी के ट्रेन नियंत्रक तथा 'सिग्नलिंग सिस्टम' विकसित करती है।

चीन की हरकत से एप्पल की निर्माण योजनाओं पर बढ़ा खतरा

नई दिल्ली । एप्पल ने भारत में अपने निर्माण और विस्तार की योजनाओं को आगे बढाने का ऐलान किया जबकि चीन ने एप्पल की निर्यात श्रृंखला को लक्ष्य स्थल बनाते हुए उद्योग पर मुहर लगाने की या चिंता जताने की कोशिश की है। फॉक्सकॉन ने भारत सरकार से मदद मांगी है, जबकि विशेषज्ञों का कहना है कि चीन इसमें भारत को स्वास्थ्य क्षेत्र में एक वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की चुनौती दे रहा है। चीन ने एप्पल के लिए जरूरी निर्माण उपकरणों की शिपमेंट में देरी शुरू कर दी है, जिससे उत्पादन को बाधित किया जा सकता है। इससे नए आइफोन मॉडल्स के ट्रायल रन के लिए चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। इस मामले पर भारत सरकार सतर्क है और एप्पल की समस्या को हल करने के लिए कार्रवाई करने के लिए कूटनीतिक स्तर पर कदम उठा सकती है।

दिसंबर 2024 में थोक मुद्रास्फीति बढ़कर हुई 2.37 प्रतिशत

- थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति नवंबर 2024 में 1.89 प्रतिशत थी

नई दिल्ली । विनिर्मित उत्पादों के महंगे होने की वजह से थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति दिसंबर 2024 में बढ़कर 2.37 प्रतिशत हो गई। हालांकि, खाद्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट देखी गई है। मंगलवार को सरकारी आंकड़ें जारी किए गए हैं जिनसे यह जानकारी मिली है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति नवंबर 2024 में 1.89 प्रतिशत थी। दिसंबर 2023 में यह 0.86 प्रतिशत रही थी। आंकड़ों के अनुसार खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति दिसंबर 2024 में कम होकर 8.47 प्रतिशत रह गई, जबकि नवंबर में यह 8.63 प्रतिशत थी। सब्जियों की मुद्रास्फीति नवंबर में 28.57 प्रतिशत के मुकाबले दिसंबर में 28.65 प्रतिशत रही। आलू की मुद्रास्फीति 93.20 प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी रही और प्याज की मुद्रास्फीति दिसंबर में बढ़कर 16.81 प्रतिशत हो गई। खाद्य पदार्थों में अनाज, दालें, गेहूं की मुद्रास्फीति दिसंबर में कम हुई। ईंधन और बिजली के मामले में बात की जाए तो दिसंबर में मुद्रास्फीति घटकर 3.79 प्रतिशत हो गई जो नवंबर में 5.83 प्रतिशत थी। विनिर्मित वस्तुओं में मुद्रास्फीति 2.14 प्रतिशत रही, जबकि नवंबर में यह दो प्रतिशत थी। खुदरा मुद्रास्फीति के सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार खाद्य कीमतों में कमी के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति दिसंबर 2024 में चार महीने के निचले स्तर 5.22 प्रतिशत पर आ गई।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। इस प्रकार बाजार गत दिवस की बड़ी गिरावट से कुछ हद तक उबर गया। बाजार में आज दूसरे कारोबारी दिन बढ़त का कारण दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होना रहा पर आईटी स्टॉक्स में गिरावट से बाजारों की इस तेजी पर कुछ हद तक अंकुश लग गया। इसके अलावा आर्थिक वृद्धि और तीसरी तिमाही के परिणामों को लेकर भी बाजार पर प्रभाव पड़ा। विदेशी निवेशकों ने जनवरी में अब तक भारतीय शेयरों से 2.75 अरब डॉलर निकाल लिए हैं। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 169 अंक करीब 0.22 फीसदी बढ़कर 76,499.63 पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 23,200 के पार तक चला गया था। अंत में यह 90.10 अंक या 0.39 फीसदी की बढ़त लेकर 23,176.05 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स का शेयर सबसे अधिक 5 फीसदी से ज्यादा ऊपर आकर बंद हुआ। एनटीपीसी, जोमैटो, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स, एसबीआई, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति और बजाज फाइनेंस के शेयर बढ़त पर रहे।

एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर में नौ फीसदी से अधिक की गिरावट आई। टेक महिन्द्रा, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और नेस्ले के शेयर भी नीचे आये।

दूसरी ओर एशियाई बाजारों में आज मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कम्पोजिट फायदे में रहे जबकि जापान का निक्की नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजार सोमवार को मिलेजुले रुख के साथ बंद हुए थे। डॉव जोंस 0.86 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ, जहां निवेशकों ने कैटरपिलर, जेपी मॉर्गन और यूनाइटेडहेल्थ जैसे गैर-तकनीकी शेयरों पर ध्यान दिया। दूसरी ओर, नैस्डैक 0.38 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि एसएंडपी 500 ने 0.16 फीसदी की हल्की बढ़त दर्ज की।

इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। हालांकि, आईटी स्टॉक्स में गिरावट ने बाजारों में तेजी को सीमित कर दिया। सेंसेक्स हल्की बढ़त के साथ 76,335 अंक पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी मजबूती के साथ खुलकर 112.95 अंक चढ़कर 23,198.90 पर कारोबार कर रहा था।

मेले में ब्रांडिंग का जोर : कंपनियां लगा रही हैं मार्केटिंग के महाकुंभ में डुबकी

नई दिल्ली।

महाकुंभ में लगभग 40 करोड़ तीर्थयात्रियों के आने की उम्मीद जताई जा रही है। 12 साल में एक बार आयोजित होने वाले इस विशाल धार्मिक समागम का फायदा भारतीय कंपनियां अपनी ब्रांडिंग और प्रचार के लिए पूरी तरह से उठाना चाहती हैं। महाकुंभ की ब्रांडिंग में प्रमुख कंपनियों ने अपने बजट का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा शाही स्नानों के इर्द-गिर्द केंद्रित किया है।

कोका-कोला इंडिया के ग्रीष्म सिंह ने कहा कि वे अपने बेवरेज पोर्टफोलियो को स्थानीय स्वादों और खाद्य पदार्थों के साथ जोड़ने की योजना बना रहे हैं। इन विज्ञापनों के माध्यम से कंपनियां न केवल स्थानीय उपभोक्ताओं को आकर्षित करना चाहती हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय श्रद्धालुओं को भी अपनी ब्रांडिंग से जोड़ने का अवसर प्राप्त करना चाहती हैं। महाकुंभ जैसे बड़े आयोजनों में ब्रांड्स के लिए यह एक अवसर होता है, जहां वे सीधे उपभोक्ताओं से जुड़ सकते हैं और उनके साथ अपने रिश्ते को मजबूत कर सकते हैं।

क्रेयॉन्स एडवरटाइजिंग के चेयरमैन कुणाल ललानी ने कहा कि ब्रांड्स का मुख्य उद्देश्य छह शाही स्नानों के दौरान अधिकतम विजिबिलिटी हासिल करना है। इस दौरान महाकुंभ में सोशल मीडिया और इनफ्लूएंसर्स का इस्तेमाल भी किया जाएगा, ताकि कंपनियां अपनी पहुँच और प्रभाव बढ़ा सकें।

इस बार के महाकुंभ में आईटीसी, कोका-कोला, अडानी ग्रुप, हिंदुस्तान यूनिलीवर, डाबर, बिसलेरी, पार्क, इमामी, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, बैंक ऑफ बड़ौदा, और स्पाइसजेट जैसी प्रमुख कंपनियों ने ब्रांडिंग अधिकार खरीदे हैं। इन कंपनियों ने कुंभ के दौरान अपने उत्पादों की मौजूदगी को बढ़ाने के लिए विभिन्न रणनीतियों को अपनाया है, जिसमें नावों, होर्डिंग्स, यूनिपोल्स और लग्जरी टेंट्स पर ब्रांडिंग के अवसर शामिल हैं। आईटीसी के माचिस और अगरबत्ती डिवीजन के डिवीजनल चीफ एग्जीक्यूटिव गौरव तयाल ने बताया कि कंपनी सोशल मीडिया और इनफ्लूएंसर्स के जरिए अपनी ब्रांड विजिबिलिटी बढ़ाने की योजना बना रही है। ब्रांडिंग के लिए 2019 के कुंभ की तुलना में दरें 50-60त्न तक बढ़ चुकी हैं। इसके अलावा, डाबर ने अपने ब्रांड के लिए श्रद्धालुओं के स्नान क्षेत्र में चेंजिंग रूम और हेयर ड्रायर जैसी सुविधाएं प्रदान की हैं, जबकि अडानी ग्रुप ने यूनिपोल्स और गोल्फ कार्ट्स पर ब्रांडिंग की है।

डिजिटल लेन-देन में तेजी के साथ-साथ लगातार बढ़ रहे साइबर फ्रॉड के मामले भी

- भारतीय स्टेट बैंक ने ग्राहकों को सतर्क रहने की अपील की

नई दिल्ली ।

भारत में डिजिटल लेन-देन के क्षेत्र में तेजी से वृद्धि के साथ-साथ साइबर फ्रॉड के मामले भी लगातार बढ़ रहे हैं। जबकि लोग एक तरह के धोखाधड़ी से अवगत हो रहे हैं, तो दूसरी ओर फर्जी ऐप्स के माध्यम से लोगों को धोखा देकर पैसे लूट रहे हैं। यूपीआई के माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी के मामलों में तेज़ी आई है। लाखों लोग इस ऐप के जरिए लेनदेन करते हैं, जिससे करोड़ों रुपए के लेन-देन का समापन होता है। भारतीय स्टेट बैंक जैसे विशाल सरकारी बैंक ने ग्राहकों को सतर्क रहने की अपील की है। ऐप स्टोर पर कई फर्जी यूपीआई ऐप्स उपलब्ध हो गए हैं, जिनके माध्यम से साइबर अपराधी लोगों को फर्जी मैसेज भेजकर पैसे लूट रहे हैं। अपराधी आपके बैंक खाते से पैसे निकाल लेते हैं, जिसके बाद वे आपको गलती से पैसे भेज दिए हैं का दावा करके पैसे वापस मांगने की कोशिश करते हैं। यदि आपके साथ भी ऐसा होता है, तो सबसे पहले आपको अपने बैंक खाते की स्थिति जांचनी चाहिए। अगर आपके खाते में अप्रत्याशित लेन-देन होता है, तो तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन पर कॉल करें और शिकायत दर्ज करें। साइबर अपराधियों को बढ़ती हुई चुनौती का सामना करने के लिए हमें सतर्क और सुरक्षित रहने की जरूरत है।

परीक्षा पे चर्चा कर 8वां आयोजन ले रिकॉर्ड 3.5 करोड़ से बेसी पंजीकरन

- भारत आउर बिदेस में छात्र, सिछक आउर अभिभावकमन करालयं पंजीकरन

सोनू सपरवार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर परमुख पहल परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी) ले छात्रमन, सिछकमन आउर अभिभावकमन कर रिकॉर्ड तीन करोड़ पचास लाख से बेसी कर संख्या में भाग लेवेक ले आवेदन कर संगे पंजीकरन पूरा होए जाए हे। ई संवादपरक कार्जकरम परीछा से संबंधित तनाव के सीखेक आउर उत्सव कर माहौल में बदलेक कर राष्ट्रबयापी आंदोलन हय।

8वां परीक्षा पे चर्चा 2025 में भारत आउर बिदेस में छात्रमन, सिछकमन आउर अभिभावकमन बड़ संख्या में पंजीकरन कराय के कीर्तिमान स्थापित कइर हयं। परीक्षा पे चर्चा में सामिल होवेक ले उल्लेखनीय प्रतिपुष्टि एगो सच्चा जन आंदोलन कर रूप में कार्जकरम कर बढ़त लोकप्रियता के रेखांकित करेला।

परीक्षा पे चर्चा 2025 ले ऑनलाइन पंजीकरन 14 दिसंबर 2024 से 14 जनवरी 2025 तक माईगॉव.इन पोर्टल में संचालित करल गेलक। कार्जकरम कर अपार लोकप्रियता छात्रमन के मानसिक सबलता परदान करेक आउर परीछा कर प्रति सकारात्मक दृष्टिकोन के बढ़ावा देवेक कर इकर सफलता दरसायला।

शिक्षा मंत्रालय कर अंतर्गत स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग हर बछर ई संवादमूलक कार्जकरम आयोजित करेला। सिछा कर छेतर में ई एगो बहुप्रतीछित उत्सव बइन जाय हे। 2024 में परीक्षा पे चर्चा कर 7वां आयोजन नई दिल्ली में प्रगति मैदान कर भारत मंडपम में टाउन हॉल प्रारूप में करल जाय रहे आउर इकर बयापक सराहना होए रहे।

पीपीसी कर भावना कर अनुरूप, 12 जनवरी 2025 (राष्ट्रीय युवा दिवस) के इस्कूल अस्तर कर गतिबिधि कर श्रृंखला आरंभ होय हे, जे 23 जनवरी 2025 (नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती) तक चली। ई गतिबिधि कर उद्देस छात्रमन कर समग्र बिकास आउर उनके परीछा के उत्सव कर रूप में मनायेक ले प्रेरित करेक हय।

ई गतिबिधि कर द्वारा परीक्षा पे चर्चा 2025 सीखेक में अनुकूलन, सकारात्मकता आउर प्रसन्नयता कर संदेस के बल देवेला आउर सुनिश्चित करेला कि सिछा के दबाव वाला काम कर बजाय जीवन-यात्रा कर एगो हिस्सा कर रूप में मनाल जाए।

निम्नलिखित गतिबिधि सामिल

- स्वदेशी खेल सत्र
- मैराथन दौड़
- मीम (नकल उतारेक) प्रतिजोगिता
- नुक्कड़ नाटक
- योग आउर धेयान सत्र
- पोस्टर बनायेक कर प्रतिजोगिता
- प्रेरनादायक फिलिम कर परदरसन
- मानसिक स्वास्थ्य कार्जसाला आउर परामर्स सत्र
- केंद्रीय माध्यिमक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) आउर नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) कर छात्र कर प्रस्तुति

नागपुरी कविता

मकर संक्रांति

संतोष महली

मकर संक्रांति कर हल्ला
गोटे गांव टोला मोहल्ला,
मकर संक्रांति कर हल्ला।
घर –घर करैं तेइयारी
दही,चिंवड़ा,तिलकुट
ले होवेला मारामारी,
कुरथी खिचरी से दुर
बहुते रोग बिमारी।
सोंधा –सोंधा सगरे गमके
कतइ मारल जाय मनके,
खाते पीते चलैं कुंभ नाहाय
पाप होइहे सेके धोवाय,
दान दान पुण भव पार करी
नर हो चाहे हो नारी।
भिंड़ भांड़ रहेला अगम भारी
नागा बाबा में देखब असवारी,
भक्ति भाव में डुबल हैं कतइ
मन कहथे होइ,जय हो त्रिपुरारी।
मकर संक्रांति कर हल्ला
गोटे गांव टोला मोहल्ला,
मकर संक्रांति कर हल्ला।

मकर संक्रांति में भोग कर बितरन, पतंग उत्सव कर भी आयोजन

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन मकर संक्रांति कर अवसर में करीब 8000 श्रद्धालुमन के खिचड़ी आउर सब्जी कर भोग बितरित करलयं। अग्रवाल सम्मेलन कर अध्यछ अभिषेक अग्रवाल गोल्डी बतालयं कि ई आयोजन बिसेस रूप से मकर संक्रांति कर धार्मिक महत्व के धेयान में राखते करल जाय रहे। ई धांव दोमुहानी संगम में खिचड़ी बितरन ले समाज कर लगभग 8000 श्रद्धालुमन के को एकत्रित करल गेलक।

ई पहल में अग्रवाल समाज कर प्रमुख सदस्य जैसे अशोक चौधरी, संतोष अग्रवाल, कमल किशोर अग्रवाल, शंकर लाल गुप्ता, महावीर अग्रवाल संगे कतई आउर अदमीमन जोगदान देलयं।

आयोजन में खिचड़ी बितरन कर संगे-संगे अमित रूंगटा आउर सुनील खंडेलवाल कर द्वारा बिस्किट आउर कपड़ा कर बितरन भी करल गेलक, जेकर से समाज कर सउब बर्ग के एकजुट करेक कर संदेस देल गेलक। ई पहल से ई भी साबित होलक कि मकर संक्रांति न खली धार्मिक अवसर हेके, बलकि एक दूसर कर संगे मदइत आउर सेवा कर परब भी हेके।

ई दिन के आउर भी खास बनायेक ले मारवाड़ी युवा मंच सुरभि शाखा पतंग उत्सव कर आयोजन करलक। ई उत्सव जनीमन आउर छोड़ीमन ले एगो अनोखा अवसर रहे। ऊमन जइम के पतंगबाजी करलयं आउर मकर संक्रांति कर ई पवित्र परब कर आनंद लेलयं। जनीमन रंग-बिरंगी पतंग कर संगे आसमान में झूमते उत्सव कर समागम करलयं।

ई आयोजन में कविता अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, नेहा चौधरी, सपना भाऊका, पायल अग्रवाल, अंजू चेतानी, अर्चना अग्रवाल, लक्ष्मी अग्रवाल, रजनी बंसल, आउर कतई आउर जनीमन भाइग लेलयं। ई दिन एगो सांस्कृतिक मेला बइन गेलक, जेकर में परंपरा कर आदान-प्रदान होलक आउर सामाजिक संबंध के मजबूत करल गेलक।

मकर संक्रांति कर अवसर में श्री शिव दुर्गा मंदिर में होलक भंडारा

रांची। मकर संक्रांति कर सुभ अवसर में रातू रोड मेट्रो गली कर सामने शिव दुर्गा मंदिर में भंडारा 14 जनवरी के करल गेलक । ई मौका में हजारों अदमीमन प्रसाद ग्रहन करलयं। शिव भोले आउर मां दुर्गा से आसिरबाद लेलयं।

समाजसेवी निपु सिंह बतालयं कि ई मंदिर 78 बछर पुरना हेके। हियां हर बछर परब तेवहार में धूमधाम से भंडारा करल जाएला। ऊ कहलयं कि हियां बाबा भोले आउर मां दुर्गा से जे केऊ भी मन्नत आपने मांगब, ऊ पूरा करयंना।

ई मौका में बबन चौबे, अभिषेक गुड्डू दुबे, संतोष श्रीवास्तव, निपु सिंह, आलोक कुमार संगे हजारों से बेसी अदमीमन प्रसाद ग्रहन करलयं। भोले बाबा आउर मां दुर्गा से आसिरबाद लेलयं।

नेताजी कर जयंती में बोकारो सदर अस्पताल में लागी रक्तदान सिबिर

बोकारो। सामाजिकता-निर्वहन कर कड़ी में स्वयंसेवी संस्था वेडआरएनएम केयर फाउंडेशन कर दन से एगो आउर कदम बढ़ाल जाथे। बीतल बछर कर लखे ई धांव भी फाउंडेशन कर दन से बोकारो सदर अस्पताल में नेताजी सुभाष चंद्र बोस कर जयंती में आगामी 23 जनवरी के एगो स्वैच्छिक रक्तदान सिबिर कर आयोजन करल जाई। 23 जनवरी के बिहाने 10:30 बजे से सिबिर कर आयोजित करल जाई।

ई आसय कर जानकारी देते फाउंडेशन कर संस्थापक निभा चौधरी बतालयं कि नेताजी कईह रहयं कि 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा'। देस के आजादी दिलायेक में नेताजी कर जोगदान के कहियों नी भुलाल जाए सकेला। उनकर क्रांति जे बुनियाद तैयार करलक, उकरे उपरेहे हमिन कर बीर सेनानी देस कर स्वतंत्रता कर इमारत खड़ा करे पारलयं। देस के ऊ बीर सपूतमन के श्रद्धांजलि अर्पित करेक आउर मानवता कर सेवा में रक्तदान से बेहतर केऊ आउर बिकल्प नखे।

श्रीमती चौधरी बेसी से बेसी अदमीमन के ई सिबिर में भाइग लेइ के रक्तदान करेक कर अपील करलयं। ऊ बतालयं कि फाउंडेशन बिभिन्न सामाजिक काम कर माध्यम से जरूरतमंदमन कर सहायता आउर समाज कर उत्थान में सतत प्रयासरत हय।

सेल सेटेलाइट कॉलोनी में मेगा स्पोर्ट्स इवेंट कर सुभारंभ

रांची। सेल मेगा स्पोर्ट्स इवेंट कर सुभारंभ 14 जनवरी के होलक। इकर उद्घाटन सेल, रांची इकाई कर कार्यपालक निदेसक अनुप कुमार (ईडी-एसएसओ), एस.के. वर्मा (ईडी-सीईटी), आउर एस.के. कर (ईडी-आरडीसीआईएस) संजुक्त रूप से करलयं। ई कार्जकरम सेटेलाइट टाउनसिप कर मनोरंजन केंद्र में आयोजित करल जात हे। इके सेल कर्मीमन, गृहिनीमन आउर छउवामन कर बीच खेल भावना आउर सहजोग के बढ़ावा देवेक ले आयोजित करल जाय रहे। ई आयोजन में बैडमिंटन, शतरंज, कैरम आउर टेबल टेनिस जइसन बिभिन्न प्रकार कर इनडोर खेल सामिल हेके। छउवामन ले फैंसी ड्रेस प्रतिजोगिता आउर सिट-एंड-ड्रॉ प्रतिजोगिता जइसन आकरसक गतिबिधि कर आयोजन करल जाई। महिला प्रतिभागीमन के अल्पना आउर रंगोली प्रतिजोगितामन कर माध्यम से आपन रचनात्मकता देखायेक कर अवसर मिली। ई आयोजन 26 जनवरी, 2025 तक चली, जेकर समापन आउटडोर गेम्स आउर गणतंत्र दिवस में एगो भब्य पुरस्कार बितरन समारोह कर संगे होवी।

मौसम विज्ञान बिभाग कर सेवा कर 150 साल पूरा होवेक कर उपलछ में होलक कार्जकरम

रांची। भारत मौसम विज्ञान बिभाग कर सेवा कर 150 बछर पूरा होवेक कर उपलछ में मौसम केन्द्र, रांची में भी 14 जनवरी, 2025 के कार्जकरम कर आयोजन करल गेलक। इकर में लगभग 150 गो अदमीमन सामिल होलयं। ई कार्जकरम में केन्द्रीय बिद्यालय धुर्वा, केन्द्रीय बिद्यालय हिनू आउर सुरेन्द्रनाथ सेंटेनरी इस्कूल, रांची कर छउवामन भाइग लेलयं।

कार्जकरम में भारत मौसम विज्ञान बिभाग, मुख्यालय में चलेक वाला मुध कार्जकरम कर लाइव स्ट्रीमिंग रांची मौसम केन्द्र द्वारा करल जायेक वाला काम कर पॉवर पॉइट कर माध्यम से प्रस्तुति करल गेलक। मौसमीय उपकरन कर डेमोंस्ट्रेसन, बिभिन्न बिद्यालय से आवाल छात्र-छात्रामन कर बीच क्विज प्रतिजोगिता आउर ड्राइंग-पेंटिंग प्रतिजोगिता कराल गेलक। प्रतिभागीमन कर मबीच पुरस्कार बितरन करल गेलक। मौसम केन्द्र परिसर में पौधरोपन आउर कार्मिकमन कर बीच एकल आउर जुगल कैरम प्रतिजोगिता कर आयोजन करल गेलक। बिजयी प्रतिभागीमन के पुरस्कृत भी करल गेलक।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेश प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक** : कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक** : रतन लाल अग्रवाल। **फोन नंबर** : 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडी** : jharkhandwanitaudyog@gmail.com